www.hindmatamirror.com • वर्ष: 12 • अंक: 258 • ठाणे, शनिवार 20 जून, 2026 • पेज: 8 • मूल्य: 2 रुपए hindmatamirror1@gmail.com

RNI. NO. MAHHIN/2011/43060

दैनिक

हिंदमाता मिरर

पैनी नजर, पुख्ता खबर

पेज 8

21 जून को भारत ए और श्रीलंका ए के बीच होगा ट्राई नेशन ए सीरीज का फाइनल

वैष्णो देवी के दरबार में पहुंचे अक्षय कुमार

पेज 8

सुप्रभात

शूरवीर साधारण से ज्यादा बहादुर नहीं होता, मगर वह बहादुरी पांच मिनट ज्यादा दिखाता है।
- एमरसन

मौसम का मिजाज

सूर्यास्त (20 जून) 7:18 बजे, सूर्योदय (21 जून) 6:02 बजे, **तापमान: 33 डिग्री से. (धूप खिली रहेगी।)**

शॉर्ट स्टोरी

मनोज जरांगे पाटील ने दी 29 अगस्त की डेडलाइन

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

महाराष्ट्र में मराठा आरक्षण की आग एक बार फिर सुलगने लगी है। मराठा आंदोलन के प्रणेता मनोज जरांगे पाटील ने मौजूदा महायुति सरकार को आड़े हाथों लेते हुए एक बार फिर से आमरण अनशन पर जाने की खुली चेतावनी दे दी है। जरांगे पाटील ने कहा कि यदि सरकार उन्हें राजनीतिक रूप से बलि का बकरा बनाना चाहती है, तो वे इसके लिए भी तैयार हैं। उन्होंने अपनी नई भूख हड़ताल के लिए 29 अगस्त 2026 की तारीख की घोषणा कर दी है, जो कि इस आंदोलन की तीसरी वर्षगांठ का दिन भी है। मई के अंत में भीषण गर्मी के दौरान मनोज जरांगे पाटील ने एक ऐतिहासिक भूख हड़ताल की थी, जिसके बाद कई अहम फैसले लिए गए थे।

56 साल के हुए कांग्रेस नेता राहुल गांधी

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को अपना 56 वां जन्मदिन मनाया। उनका जन्म 19 जून 1970 को हुआ था। इस मौके पर पक्ष-विपक्ष की तरफ से बधाइयां मिल रही हैं। कई नेताओं ने सोशल मीडिया पर राहुल गांधी को जन्मदिन की बधाई दी है। इस खास मौके पर पीएम नरेंद्र मोदी ने राहुल गांधी को जन्मदिन की बधाई दी है। पीएम मोदी ने राहुल गांधी को जन्मदिन की बधाई देते हुए अपने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट शेयर कर लिखा- लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को उनके जन्मदिन पर बहुत-बहुत शुभकामनाएं। उनके अच्छे स्वास्थ्य और लंबी उम्र की कामना करता हूं।

5 साल से फरार आरोपी एयरपोर्ट से गिरफ्तार

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

नोएडा सेक्टर-58 थाने की पुलिस ने दुबई के जेद्दा से मुंबई एयरपोर्ट पहुंचे पांच वर्षों से फरार चल रहे वांछित आरोपी को मुंबई एयरपोर्ट से गिरफ्तार किया। आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी, जालसाजी, रंगदारी मांगने, धमकी देने और आईटी एक्ट समेत कई गंभीर धाराओं में मुकदमे दर्ज हैं। वह लंबे समय से भारत छोड़कर सऊदी अरब में रह रहा था। थाना प्रभारी ने बताया कि आरोपी की पहचान 38 वर्षीय मुदासिर जहूर के रूप में हुई। वह जम्मू-कश्मीर का निवासी है। आरोपी 2020 में दर्ज एक मुकदमे में वांछित था। मामले में धोखाधड़ी, जालसाजी और आपराधिक षड्यंत्र के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था।

विधान परिषद के चुनाव में 99.02% मतदान

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

महाराष्ट्र विधान परिषद की 11 सीट पर चुनाव के लिए मतदान गुरुवार शाम को समाप्त हो गया। अधिकारियों ने बताया कि इस दौरान 99.02 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया और वोटों की गिनती 22 जून को होगी। इन चुनावों में सत्ताधारी महायुति के छह उम्मीदवार निर्विरोध चुने गए, जबकि विपक्ष ने आरोप लगाया कि उनके उम्मीदवारों पर चुनाव से हटने के लिए दबाव डाला गया था। भाजपा नीत सत्ताधारी गठबंधन ने इस आरोप से इनकार किया है। माना जा रहा है कि महायुति को इस मुकाबले में बढ़त हासिल है क्योंकि उसने हाल ही में स्थानीय निकायों के चुनावों में बहुमत हासिल किया है।

पैदल चलना लोगों का मौलिक अधिकार

सुप्रीम कोर्ट बोला- फुटपाथ पर राहगीरों का हक सबसे पहले

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

सड़कों पर पैदल चलने वालों की सुरक्षा और अधिकारों को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने एक फैसला सुनाया है। शीर्ष अदालत ने स्पष्ट कहा है कि निर्धारित फुटपाथ पर चलना नागरिकों का मौलिक अधिकार है और इस अधिकार को मोटर वाहनों की आवाजाही पर प्राथमिकता मिलेगी। अदालत ने कहा कि सुरक्षित और स्पष्ट रूप से चिह्नित फुटपाथ उपलब्ध कराना सरकार और स्थानीय निकायों की जिम्मेदारी है। यह फैसला एक सड़क हादसे से जुड़े मामले की सुनवाई के दौरान आया, जिसमें स्कूल जा रहे पांच वर्षीय बच्चे की मौत हो गई थी।

क्या कहा सुप्रीम कोर्ट ने?

न्यायमूर्ति पी.एस. नरसिम्हा और न्यायमूर्ति ए.एस. चंदूरकर की पीठ ने कहा कि पैदल चलने का अधिकार संविधान के अनुच्छेद 19(1)(डी) के तहत मिले आवागमन के अधिकार का हिस्सा है। अदालत ने कहा कि यह अधिकार अनुच्छेद 21 यानी जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अधिकार से भी जुड़ा हुआ है। पीठ ने साफ कहा कि सड़क पर चलने का सबसे पहला अधिकार पैदल यात्रियों का है और फुटपाथ उनके लिए सुरक्षित तथा संरक्षित होने चाहिए।

फुटपाथ बनाने और बनाए रखने की जिम्मेदारी किसकी?

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यदि सड़क है तो उसके साथ सुरक्षित और स्पष्ट रूप से चिह्नित फुटपाथ भी होना चाहिए। अदालत के अनुसार शहरी विकास प्राधिकरण, नगर निगम, नगर पालिकाएं और पंचायतें फुटपाथ बनाने, उनकी देखरेख करने और उन्हें अतिक्रमण से मुक्त रखने के लिए जिम्मेदार हैं। अदालत ने कहा कि पैदल चलना जीवन का अभिन्न हिस्सा है, इसलिए इस बुनियादी सुविधा को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

फुटपाथ का अधिकार टूटने पर क्या कर सकेंगे नागरिक?

अदालत ने कहा कि यदि किसी नागरिक के फुटपाथ पर सुरक्षित चलने के अधिकार का उल्लंघन होता है तो वह संवैधानिक और कानूनी उपायों का सहारा ले सकता है। ऐसे मामलों में संबंधित अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई और मुआवजे की मांग भी की जा सकती है। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि यह अधिकार मोटर वाहन अधिनियम के तहत मिलने वाले अधिकारों से अलग और स्वतंत्र होगा।

सड़क व्यवस्था को लेकर अदालत ने क्या बड़ी टिप्पणी की?

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इंसान पहियों के आविष्कार से पहले से पैदल चलता आया है, लेकिन समय के साथ मोटर वाहनों ने सड़कों पर कब्जा कर लिया और पैदल यात्रियों को हाशिए पर धकेल दिया गया। अदालत ने कहा कि कई बार पैदल यात्रियों को वाहन चालकों के लिए बाधा की तरह देखा जाता है और फुटपाथों पर भी अतिक्रमण हो जाता है। यह स्थिति अब बदलनी चाहिए। अदालत ने केंद्र सरकार के संबंधित मंत्रालयों और विधि आयोग को भी इस संबंध में जरूरी कानूनी ढांचा तैयार करने की दिशा में कदम उठाने का निर्देश दिया है। साथ ही मृत बच्चे के पिता को मिलने वाला मुआवजा बढ़ाकर 11.44 लाख रुपए कर दिया गया।

उद्धव ठाकरे बोले- मैं अभी पद छोड़ने को तैयार हूं लेकिन...

... तो ऑपरेशन कमल होगा

- बीजेपी और बागियों पर बरसे उद्धव ठाकरे

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

उद्धव ठाकरे की पार्टी के नौ में से छह सांसद एकनाथ शिंदे के पाले में चले गए हैं। इसी पृष्ठभूमि में ठाकरे की शिवसेना और शिंदे की शिवसेना ने अलग-अलग स्थानों पर पार्टी का 60 वां स्थापना दिवस मनाया। शिवसेना यूबीटी का कार्यक्रम षण्मुखानंद हॉल में और शिंदे की शिवसेना का कार्यक्रम गोरेगांव के नेस्को सेंटर में आयोजित हुआ। शिवसेना के हीरक महोत्सव में उद्धव ठाकरे ने बीजेपी और उसकी पॉलिसियों की कड़ी आलोचना की। इस मौके पर उद्धव ठाकरे ने कहा कि जिस तरह से देश की पॉलिटिक्स चल रही है। उसे देखने के बाद लोगों का लोकतंत्र से भरोसा उठ रहा है। उद्धव ठाकरे ने इस बार पूछा है कि आपको सच में कितने सांसद और विधायक चाहिए। एकनाथ शिंदे के ऑपरेशन टाइगर का जिक्र करते हुए उद्धव ठाकरे ने कहा कि अब ऐसे दिन आ गए हैं कि डॉक्टर भी भ्रम में पड़ गए हैं। हम क्या कर रहे हैं। एक कार्टून जारी हुआ था। पुलिस ने एक सोना चोर पकड़ा। तब चोर ने पुलिस से कहा- सर, इसे चोरी मत कहो। इसे ऑपरेशन गोल्ड कहो! उद्धव ठाकरे ने चेतावनी भरे लहजे में कहा कि अगर ऐसा ही चलता रहा, तो हमें ऑपरेशन कमल करना पड़ेगा।

तो अराजकता की गर्त में चला जाएगा देश

उद्धव ठाकरे ने कहा कि इस तरह की कवायद लोकतंत्र के लिए खतरा है। मैं कोई ज्योतिषी नहीं हूं और मैं भविष्यवाणी भी नहीं करता। लेकिन जो दिख रहा है, उसे बता रहा हूं कि अगर ऐसा ही चलता रहा तो देश अराजकता की गर्त में चला जाएगा। ठाकरे ने कहा कि जिस देश में युवाओं को कॉकरोच कहा जाता है, उसका भविष्य क्या होगा? सारी नैतिकता को ताक पर रखकर चुनाव जीते जा रहे हैं। कहीं किसी को एप्लीकेशन फॉर्म भरने नहीं दिया जा रहा है। ऐसा करने के बाद आप कहां जाएंगे? आप देश के लिए क्या करने जा रहे हैं?

मैं पहाड़ की तरह खड़ा रहूंगा

उन्होंने कहा, मैं पहाड़ की तरह खड़ा रहूंगा। मैं जिम्मेदारी स्वीकार करूंगा लेकिन मैं यह तभी तक करूंगा जब तक आपको मुझ पर भरोसा है, मैं पद नहीं छोड़ूंगा। ठाकरे ने कांग्रेस में विलय की बातों को खारिज किया।

मैं अभी पद छोड़ने को तैयार हूं...

शिवसेना के स्थापना दिवस पर शिवसेना ठाकरे गुट की रैली हुई। इसमें पार्टी प्रमुख उद्धव ठाकरे ने शिवसेना शिंदे गुट, बीजेपी और बागी सांसदों पर हमला बोला। उन्होंने कहा, मैं आपसे पूछता हूं, जिस तरह आपने मेरी रक्षा की, यह शिवसेना प्रमुख का आदेश था। आप जानते हैं कि मैं कैसा हूं। अगर मेरा आदमी उंगली उठाता है तो मैं एक पल के लिए भी पद पर नहीं टिकूंगा। इसीलिए मैंने मुख्यमंत्री पद छोड़ा। अगर मुझे कुछ चाहिए होता तो मैं विधानसभा में बैठा होता। 60 साल बीत गए। मैंने 12 साल नेतृत्व किया है। अगर मेरे खिलाफ लगे आरोप सही हैं तो मुझे बताइए, मैं अभी पद छोड़ने को तैयार हूं। आपमें से कोई एक शिवसैनिक आए, वही पार्टी प्रमुख बनेगा। लेकिन एक शर्त है कि इस शिवसेना को चोरों और लुटेरों के हाथों में नहीं पड़ने देना चाहिए। असहाय और गद्दार मत बनो। अगर कोई असहाय गद्दार और भ्रष्ट व्यक्ति मुझ पर आरोप लगाता है तो तुम्हें उसे जवाब देना होगा। मैं पद छोड़ने को तैयार हूं। मैं विचलित नहीं हुआ हूं, मेरा हौसला नहीं टूटा है। कई संकट आए हैं। कई तूफान आए हैं। मैं भागने वालों में से नहीं हूं।

बागी सांसदों पर संजय राऊत का तंज

'वे खुद को बेचने के लिए बाजार में खड़े थे'

शिवसेना के 60वें स्थापना दिवस के ऐतिहासिक मौके पर उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाले शिवसेना गुट में एक बड़ा संकट खड़ा हो गया है। चार साल के भीतर पार्टी में दूसरी बार बड़ी फूट तब पड़ी जब छह लोकसभा सांसदों ने उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के गुट में शामिल होने का फैसला किया। इसके एक दिन बाद शुक्रवार को शिवसेना (यूबीटी) के सांसद और मुख्य प्रवक्ता संजय राऊत ने बागी सांसदों पर तीखा हमला किया। उन्होंने दावा किया कि कैबिनेट में पद पाने को लेकर हुए विवाद के बाद उन्हें शांत करने के लिए देर रात पैसों का लेन-देन (फाइनेंशियल सेटलमेंट) करना पड़ा था। उन्होंने कहा, 'वे खुद को बेचने के लिए बाजार में खड़े थे।' राऊत ने कहा कि बागी सांसदों ने बस अपनी वफादारी की बोली लगवाई है। उन्होंने कहा- मैं इसे बंटवारा नहीं मानता। कोई व्यक्ति तब पार्टी छोड़ता है जब वह किसी विचारधारा से जुड़ा हो। जब कोई खुद को बेचने के लिए बाजार में खड़ा हो और कोई उसे खरीद ले, तो इसे सौदेबाजी कहते हैं, बंटवारा नहीं। हमारे छह लोग दो दिन पहले बाजार में खड़े थे, उन्होंने खुद पर कीमत का टैग लगाया और बिक गए। वे किसी महान क्रांतिकारी सोच की वजह से पार्टी छोड़कर नहीं गए हैं।'

कब खत्म होगी बेस्ट बस कर्मचारियों की हड़ताल?

अचानक बेस्ट बसों का चक्का जाम

- सड़कों से लाल बसें गायब और यात्री बेहाल
- बिजली सप्लाई बाधित होने का खतरा मंडराया

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

मुंबईकरों की दूसरी लाइफलाइन कही जाने वाली बेस्ट बसों के पहिए 18 जून 2026 की आधी रात से पूरी तरह थम गए हैं। बेस्ट संयुक्त कामगार कृति समिति (12 यूनियनों का एक संयुक्त संगठन) के आह्वान पर 23,000 से अधिक कर्मचारियों ने अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू कर दी है। इस अचानक हुए चक्काजाम के कारण शुक्रवार सुबह से ही मुंबई की सड़कों पर हाहाकार मच गया। दफ्तर और स्कूल-कॉलेज जाने वाले लाखों यात्री बस स्टॉप पर फंसे नजर आए। आमतौर पर रोजाना करीब 2,700 बसें चलाने वाली बेस्ट की सिर्फ 32 बसें ही सड़कों पर उतर सकीं, जिनमें से कुछ पर पथराव की खबरें भी सामने आई हैं। न्यायालय द्वारा हड़ताल पर अंतरिम रोक लगाने और सरकार द्वारा आवश्यक सेवा रखरखाव अधिनियम लागू किए जाने के बावजूद कर्मचारी इस आर-पार की लड़ाई के लिए अड़े हुए हैं।

रातोंरात क्यों हुआ चक्काजाम?

कर्मचारी संगठनों का कहना है कि वे पिछले तीन महीनों से लगातार मुंबई नगर निगम और बेस्ट प्रशासन के साथ पत्राचार कर रहे थे, लेकिन उनकी मांगों को नजरअंदाज किया गया। इसी अनदेखी के कारण गुरुवार शाम दादर में हुई एक बैठक के बाद रातोंरात चक्काजाम का फैसला लिया गया। हड़ताल के पीछे मुख्य रूप से ये 5 मांगें हैं।

बीएमसी और बेस्ट बजट का विलय

कर्मचारियों की सबसे पुरानी और मुख्य मांग है कि बेस्ट के 'सी' बजट को मुंबई महानगरपालिका के मुख्य बजट के साथ जोड़ा जाए, ताकि बेस्ट को स्थायी वित्तीय सुरक्षा मिल सके।

सातवें वेतन आयोग को लागू करना

कर्मचारी साल 2016 से 2026 की अवधि के लिए सातवें वेतन आयोग की सिफारिशों के अनुसार वेतन संशोधन और बकाया राशि के भुगतान की मांग कर रहे हैं।

ठेका पद्धति का विरोध

वर्तमान में बेस्ट की 2,700 बसों में से अधिकांश निजी ऑपरेटरों से 'वेट-लीज' पर ली गई हैं। यूनियन की मांग है कि इस निजीकरण को रोका जाए और अनुबंधित कर्मचारियों को बेस्ट के स्थायी ढांचे में शामिल किया जाए।

सेवानिवृत्त कर्मचारियों के बकाए का भुगतान

साल 2022 से सेवानिवृत्त हुए कर्मचारियों की ग्रेच्युटी और अन्य कानूनी बकाया राशि का एकमुश्त निपटारा अभी तक प्रशासन द्वारा नहीं किया गया है।

कब खत्म होगी हड़ताल? जानिए मौजूदा स्थिति

हड़ताल कब खत्म होगी, यह पूरी तरह से सरकार और मुंबई नगर निगम के रुख पर निर्भर करता है। बेस्ट कृति समिति के नेताओं ने साफ किया है कि वे कोर्ट के आदेश का सम्मान करते हैं, लेकिन कोर्ट ने प्रशासन को भी बातचीत का रास्ता निकालने को कहा था। यूनियन नेताओं का कहना है कि बातचीत के लिए हमारे दरवाजे चौबीस घंटे खुले हैं, जैसे ही लिखित आश्वासन मिलेगा, हड़ताल वापस ले ली जाएगी।

पिक्चर अभी बाकी है!

ऑपरेशन टाइगर की चर्चा; बागी सांसदों पर खुलकर बोले एकनाथ शिंदे

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

शिवसेना के 60 वें स्थापना दिवस पर गोरेगांव के नेस्को में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने ऑपरेशन टाइगर पर बड़ा ऐलान किया है। शिंदे ने कहा कि यह तो सिर्फ ट्रेलर है पिक्चर अभी बाकी है, आगे आगे देखिए होता है क्या? इस तरह उन्होंने विधानसभा और बीएमसी में भी ऑपरेशन टाइगर का साफ संकेत दिया है। मैं अकेले चला था और कारवां बनता गया और आज शिवसेना की शक्ति सबके से है। उन्होंने अपने भाषण में कहा कि 60 साल पहले बाला साहेब ठाकरे ने शिवसेना की स्थापना की। शिवसैनिक ही हमारी संपत्ति हैं। पार्टी की सालगिरह से पहले उद्धव ठाकरे की शिवसेना के 9 में से 6 सांसदों ने उनका साथ छोड़ दिया। ये 6 सांसद शिंदे की सेना में जाने वाले हैं। सबका ध्यान इस बात पर था कि शिंदे इस ऑपरेशन टाइगर पर क्या कहेंगे। सियासी गलियारे की नजर इस पर टिकी थी कि क्या शिंदे ठाकरे का साथ छोड़ने वाले 6 सांसदों की पार्टी में एंट्री का ऐलान करेंगे। यह तो सिर्फ ट्रेलर है, पिक्चर अभी बाकी है, एकनाथ शिंदे ने तीखे शब्दों में ऑपरेशन टाइगर पर कमेंट किया। शिंदे ने कहा, मेरे सामने बैठे शिवसैनिक ही मेरी दौलत हैं। मंच पर बैठे सभी नेता, मंत्री, विधायक, सांसद ही मेरी दौलत हैं। आज बहुत से लोगों की नजरें मुझ पर हैं। सब लोग उत्सुक हैं कि मैं क्या बोलूंगा, कौन स्टेज पर आएगा, क्या होगा। लेकिन आज यह टाइगर आपके सामने खड़ा है। यह तो बस एक पिक्चर है, ट्रेलर अभी बाकी है।

शिवसेना दिल का टुकड़ा है

शिंदे ने इशारों में उद्धव ठाकरे पर हमला करते हुए कहा कि कहा कि मेरे साथ 40 शिवसेना विधायक आए थे। मैंने इसे 60 कर दिया। आज शिवसेना के 60 विधायक हैं। शिवसेना राज्य की दूसरी सबसे बड़ी पार्टी है। आज बालासाहेब ठाकरे खुश होंगे। वह स्वर्ग से हमें देख रहे होंगे और हमें आशीर्वाद दे रहे होंगे। बालासाहेब केवल नाम में होने से काम नहीं चलता है। उन्हें काम और सोच में भी शामिल करना होगा। शिवसेना जमीन का टुकड़ा नहीं है। यह दिल का टुकड़ा है।

ऑपरेशन हम करते हैं

उद्धव ठाकरे पर निशाना साधते हुए शिंदे ने कहा कि मैं मै मैं करते करते रावण की लंका जल गई। यह जनता है सब जानती है इससे कुछ छिपा नहीं है। कुछ लोग कहते हैं कि ऑपरेशन वुल्फ करेंगे। कंपाउंडर कैसे ऑपरेशन करेगा। श्रीकांत शिंदे ऑपरेशन करते हैं वह डॉक्टर हैं। चार साल पहले मुझे धमकी दी कि देखते हैं कैसे मुंबई में आते जाते हैं। हम हेलीकॉप्टर से नहीं गए बल्कि वरली से गाड़ी से गए।

पहली बारिश में ही टपकने लगा नवी मुंबई एयरपोर्ट

लोग बोले- यही है 19650 करोड़ का विकास?

हिंदमाता नेटवर्क @ नवी मुंबई

नवी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट, जिसे भारत के सबसे आधुनिक विमानन केंद्रों में से एक के रूप में प्रचारित किया गया था, अब एक वायरल वीडियो के कारण विवादों के केंद्र में है। सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे इस वीडियो में टर्मिनल के भीतर छत से पानी टपकते हुए देखा जा सकता है, जिसने करोड़ों की लागत से बने इस इंफ्रास्ट्रक्चर की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। चौंकाने वाली बात यह है कि इस भव्य एयरपोर्ट के व्यावसायिक संचालन को अभी एक साल भी पूरा नहीं हुआ है, यानी यह इस एयरपोर्ट की पहली ही बारिश है। ऐसे में नेटिजन्स पूछ रहे हैं कि क्या यही है 19,650 करोड़ का विकास? इस आधुनिक और पॉश एयरपोर्ट पर जब मॉनसून ढंग से आने के पहले ही टप-टप पानी टपकने लगा तब लोग हैरान हो गए। लोगों ने पहली बार एयरपोर्ट पर इनबिल्ट रेन डांस का अनुभव लिया होगा।

बैगेज बेल्ट के पास झरना

यह घटना 17 जून 2026 की शाम करीब 4 बजे की बताई जा रही है, जब एयरपोर्ट के बैगेज बेल्ट नंबर 5 और 6 के ठीक ऊपर से पानी का रिसाव देखा गया। वीडियो सामने आने के बाद इंटरनेट यूजर्स ने इसकी तुलना उन अन्य सार्वजनिक परियोजनाओं से करनी शुरू कर दी है, जो मानसून की पहली मार भी नहीं झेल पातीं। गौरतलब है कि इस भव्य एयरपोर्ट का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अक्टूबर 2025 में बड़े धूमधाम से किया था और इसे ह्यविकसित भारतह्य का प्रतीक बताया था। कमल के फूल से प्रेरित वास्तुकला वाले इस एयरपोर्ट को वैश्विक स्तर की सुविधाओं के लिए तैयार किया गया था।

प्रशासन की सफाई: छत नहीं, एसी डक्ट था जिम्मेदार

विवाद बढ़ता देख नवी मुंबई एयरपोर्ट प्रशासन ने तुरंत इस पर अपना पक्ष रखा। अधिकारियों का दावा है कि यह रिसाव छत की बनावट या स्ट्रक्चर में किसी खराबी की वजह से नहीं, बल्कि एयर-कंडीशनिंग डक्ट में आई समस्या के कारण हुआ था। प्रशासन के आधिकारिक बयान के अनुसार, टर्मिनल ऑपरेशंस टीम ने आधे घंटे के भीतर रिसाव को काबू में कर लिया और एक घंटे के भीतर प्रभावित हिस्से की सफाई कर उसे फिर से यात्रियों के लिए बहाल कर दिया। 18 जून से बैगेज बेल्ट फिर से पूरी तरह सामान्य रूप से काम कर रहे हैं।

करोड़ों का खर्च और गुणवत्ता पर सवाल

लगभग 19,650 करोड़ रुपए की भारी-भरकम लागत से तैयार यह प्रोजेक्ट मुंबई के हवाई यातायात के बोझ को कम करने के लिए बनाया गया था। इसे लंदन और टोक्यो जैसे वैश्विक शहरों की तर्ज पर मुंबई को एक बड़ी पहचान दिलाने वाले मील के पत्थर के रूप में देखा जा रहा है। व्यावसायिक संचालन शुरू होने के महज कुछ महीनों के भीतर आई इस तस्वीर ने बड़े प्रोजेक्ट्स में क्वालिटी कंट्रोल और जवाबदेही पर एक नई बहस छेड़ दी है। लोग पूछ रहे हैं कि क्या इतने महंगे प्रोजेक्ट्स में भी बुनियादी रखरखाव के मानकों की अनदेखी की जा रही है?

हिंदमाता एंकर: महाराष्ट्र में क्यों नहीं हो रही बारिश? मौसम विज्ञानी बता रहे हैं पांच बड़े कारण, जानिए कब सक्रिय होगा मानसून

महाराष्ट्र में दक्षिण तक आकर बीच में क्यों रुक गया मानसून? बारिश में आई 41 फीसदी कमी

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

भीषण और तपती गर्मी का सामना कर रहे महाराष्ट्र के नागरिकों के लिए मानसून का इंतजार लंबा होता जा रहा है। भारतीय मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार, इस साल मानसून ने समय पर दस्तक देते हुए बीते 8 जून 2026 को दक्षिण कोंकण और उससे सटे दक्षिण मध्य महाराष्ट्र के हिस्सों में प्रवेश तो कर लिया था, लेकिन उसके बाद से ही मानसूनी हवाओं की रफ्तार पर अचानक ब्रेक लग गया है। आमतौर पर 10 से 15 जून के बीच पूरे महाराष्ट्र को तर-ब-तर कर देने वाला मानसून अब भी कोंकण बेल्ट में ही अटका हुआ है, जिससे सैटेलाइट तस्वीरों से अचानक बादल गायब दिखाई दे रहे हैं। इस सुस्ती के कारण देश भर में जून महीने की सामान्य बारिश में करीब 41 प्रतिशत की भारी कमी दर्ज की गई है। मौसम विभाग ने मानसून के रुकने के पीछे पांच प्रमुख वैज्ञानिक कारण बताए हैं।

नमी युक्त हवाओं का कमजोर पड़ना

मानसून को आगे बढ़ाने और भारी बारिश के लिए अरब सागर से उठने वाली तेज और नमी से भरी पश्चिमी हवाएं सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। वर्तमान में अरब सागर के ऊपर से उठने वाली ये मानसूनी हवाएं बेहद कमजोर और सुस्त हैं। हवाओं की गति धीमी होने के कारण वायुमंडल में पर्याप्त जलवाष्प (नमी) नहीं बन पा रही है, जिससे बादलों का निर्माण रुक गया है और मानसून आगे नहीं बढ़ पा रहा है।

दक्षिण-पश्चिमी निचली हवाओं का प्रवाह थमना

समुद्र की सतह से कुछ ऊंचाई पर बहने वाली दक्षिण-पश्चिमी निचली हवाएं मानसून को मुख्य भूमि की ओर धकेलती हैं। ये हवाएं ही कोंकण के तटीय इलाकों से नमी को महाराष्ट्र के अंदरूनी हिस्सों (जैसे मराठवाड़ा और विदर्भ) तक ले जाती हैं। इन हवाओं के कमजोर पड़ने से तटीय और अंदरूनी इलाकों के तापमान में असंतुलन पैदा हो गया है और नमी का बहाव पूरी तरह ठप है।

भूमध्य रेखा पार करने वाली हवाओं में सुस्ती

उष्णकटिबंधीय मौसम चक्र के अनुसार, दक्षिणी गोलार्ध से उठने वाली हवाएं भूमध्य रेखा को पार कर हिंद महासागर और अरब सागर में प्रवेश करती हैं और भारत के दक्षिण-पश्चिम मानसून का मुख्य इंजन बनती हैं। इस बार भूमध्य रेखा को पार करने वाली इन हवाओं की गति सामान्य से काफी कम है, जिसके चलते भारतीय उपमहाद्वीप की ओर आने वाले नमी के मुख्य स्रोत को पर्याप्त बूस्ट नहीं मिल सका है।

कम दबाव का क्षेत्र न बनना

मानसून की प्रगति केवल हवाओं की दिशा पर निर्भर नहीं करती, बल्कि उसे आगे खींचने के लिए समुद्री क्षेत्रों में कम दबाव का क्षेत्र या चक्रवाती परिसंचरण की आवश्यकता होती है। इसके अलावा, केरल से लेकर महाराष्ट्र के पश्चिमी तट के समानांतर बनने वाली कम दबाव की पट्टी, जिसे ऑफशोर ट्रफ कहा जाता है, इस बार गायब है। दोनों ही समुद्रों में कोई मजबूत वेदर सिस्टम न बनने से मानसूनी हवाओं को उत्तर की तरफ बढ़ने की दिशा नहीं मिल पा रही है।

मैडेन-जूलियन ऑसिलेशन का प्रतिकूल होना

भूमध्य रेखा के पास पश्चिम से पूर्व की ओर घूमने वाला हवा और बादलों का वैश्विक बैंड, जिसे मैडेन-जूलियन ऑसिलेशन कहते हैं, इस समय भारत के लिए अनुकूल स्थिति में नहीं है। इसने बादलों को रोक दिया है।

ठाणे में स्टोन क्रशर पर छापा

खदान से 306 जिलेटिन स्टिक और 110 डेटोनेटर बरामद, 5 अरेस्ट

हिंदमाता संवाददाता @ ठाणे

ठाणे ग्रामीण पुलिस की स्थानीय अपराध शाखा (एलसीबी) और पडघा पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर भिवंडी तालुका के जानवल गांव स्थित आर.आर. स्टोन क्रशर परिसर में छापेमारी कर बड़ी मात्रा में विस्फोटक सामग्री बरामद की है। पुलिस को सूचना मिली थी कि खदान क्षेत्र में आवश्यक लाइसेंस और अनुमति के बिना जिलेटिन स्टिक और डेटोनेटर का उपयोग कर ब्लास्टिंग की जा रही है। स्थानीय अपराध शाखा, पडघा पुलिस और बम खोज एवं नाशक दस्ता (बीडीडीएस) की संयुक्त टीम ने कार्रवाई के दौरान मजदूरों के आवासीय परिसर में बने एक कमरे की तलाशी ली। वहां से 86 जिलेटिन स्टिक, 16 डेटोनेटर और विस्फोटकों के उपयोग एवं खरीद से संबंधित रजिस्टर बरामद किए गए।

उपयोग और खरीद के रजिस्टर नहीं थे अपडेट

जांच में पाया गया कि विस्फोटक सामग्री का भंडारण निर्धारित सुरक्षा मानकों के अनुरूप नहीं किया गया था। साथ ही उपयोग और खरीद के रजिस्टर कई महीनों से अपडेट नहीं किए गए थे, जिससे विस्फोटकों के इस्तेमाल को लेकर संदेह पैदा हुआ। आगे की जांच में खदान के पास एक सक्रिय ब्लास्टिंग स्थल से 175 जिलेटिन स्टिक और 69 डेटोनेटर बरामद किए गए। इसके अलावा एक अन्य स्थान से 45 जिलेटिन स्टिक और 25 डेटोनेटर जब्त किए गए। इस प्रकार पूरी कार्रवाई के दौरान कुल 306 जिलेटिन स्टिक और 110 डेटोनेटर बरामद किए गए। बीडीडीएस टीम ने मौके पर सभी विस्फोटक सामग्री की जांच की।

खदान में खुदाई और ब्लास्टिंग के लिए हो रहा था इस्तेमाल

पुलिस के अनुसार, बरामद विस्फोटकों का इस्तेमाल कथित तौर पर पत्थर खदान में खुदाई और ब्लास्टिंग कार्य के लिए किया जा रहा था। हालांकि गिरफ्तार आरोपियों के पास विस्फोटक सामग्री के भंडारण, उपयोग या परिवहन के लिए कोई वैध लाइसेंस या अनुमति नहीं थी। जांच में यह भी सामने आया है कि संबंधित अधिकारियों की मंजूरी के बिना विस्फोटकों का उपयोग किया जा रहा था। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि अब तक की जांच में किसी भी प्रकार की आतंकी साजिश या आतंकवाद से जुड़े एंगल का कोई संकेत नहीं मिला है। फिलहाल जांच अवैध रूप से विस्फोटकों के भंडारण और उपयोग पर केंद्रित है।

छापेमारी के दौरान 5 लोग गिरफ्तार

मामले में अब तक पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है, जिनमें सुपरवाइजर, खदान संचालक और ब्लास्टिंग कार्य से जुड़े व्यक्ति शामिल हैं। पडघा पुलिस थाने में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 288 और 3(5) तथा विस्फोटक पदार्थ अधिनियम, 1908 की धारा 4 और 5 के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि इतनी बड़ी मात्रा में जिलेटिन स्टिक और डेटोनेटर आरोपियों तक कैसे पहुंचे। साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि कहीं इसके पीछे कोई अवैध सप्लाई नेटवर्क या अनधिकृत विस्फोटक आपूर्तिकर्ता तो सक्रिय नहीं था। मामले की जांच जारी है और पुलिस ने आगे और गिरफ्तारियों की संभावना से इनकार नहीं किया है।

गले में मांस की माला और हाथों में कचरे का ढेर

● जब सिस्टम को जगाने सरकारी दफ्तर में घुसा युवक

हिंदमाता संवाददाता @ अंबरनाथ

अंबरनाथ से विरोध प्रदर्शन की एक ऐसी अनोखी और हैरान कर देने वाली तस्वीर सामने आई है, जिसने प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। सरकारी दफ्तरों के चक्कर काट-काट कर थक चुके एक युवक ने सिस्टम को जगाने के लिए ऐसा रास्ता चुना कि देखने वाले दंग रह गए। वह युवक गले में चिकन लेग की माला पहनकर और हाथों में बदबूदार कूड़ा-कचरा लेकर सीधे अंबरनाथ नगर परिषद के कार्यालय जा पहुंचा।

आपका ऑफिस साफ, तो हमारा इलाका गंदा क्यों?

सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में युवक का गुस्सा सातवें आसमान पर नजर आ रहा है। कार्यालय के भीतर अधिकारियों और कर्मचारियों के बीच खड़े होकर उसने सीधा सवाल दागा कि आपके ऑफिस इतने साफ-सुथरे हैं, तो फिर हमारे रहने की जगह गंदगी का ढेर क्यों बनी हुई है? युवक का आरोप है कि वह पिछले एक महीने से लगातार नगर परिषद के चक्कर काट रहा है, लेकिन उसकी समस्या सुनने वाला कोई नहीं है।

मौलिक अधिकारों की याद दिलाई

अधिकारियों के सामने अपनी पीड़ा व्यक्त करते हुए युवक ने संविधान के अनुच्छेद 21 का हवाला दिया। उसने दोटूक शब्दों में कहा कि एक स्वच्छ परिसर और शुद्ध हवा में सांस लेना उसका मौलिक अधिकार है। युवक ने भावुक होते हुए कहा, मैं मई महीने से यहां आ रहा हूं। हम वहां सड़ांध और गंदगी के बीच कैसे रह रहे हैं, इसका अंदाजा आपको नहीं है। अगर मुझे साफ वातावरण नहीं मिल सकता, तो फिर आप भी इस गंदगी और बदबू का सामना करें।

सिस्टम के खिलाफ आर-पार की लड़ाई

वीडियो में युवक यह भी कहता सुनाई दे रहा है कि अधिकारी उसे मुख्य अधिकारी से मिलने नहीं दे रहे हैं। उसने साफ किया कि वह अब डरने वाला नहीं है और वहीं धरने पर बैठ जाएगा। उसने अधिकारियों को चुनौती देते हुए पूछा कि वे उस पर किस नियम के तहत कार्रवाई करेंगे, जबकि असल में वे खुद स्वच्छता के नियमों का उल्लंघन कर जनता को नरक में रहने पर मजबूर कर रहे हैं। यह घटना दशार्ती है कि जब आम आदमी की सुनवाई बंद हो जाती है, तो वह इसी तरह के उग्र और अनोखे कदम उठाने पर मजबूर होता है। फिलहाल यह वायरल वीडियो चर्चा का विषय बना हुआ है और लोग प्रशासन से सवाल पूछ रहे हैं कि आखिर एक नागरिक को अपने हक की सफाई के लिए इस हद तक क्यों गिरना पड़ा।

बीएमसी टीम पर हमला, तीन पर केस

अवैध ठेला हटाने की कार्रवाई के दौरान कर्मचारियों से धक्का-मुक्की , पुलिस ने दर्ज किया मामला

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई गोरेगांव पूर्व स्थित संतोष नगर नाले के पास अवैध फेरीवालों के खिलाफ कार्रवाई के दौरान बीएमसी कर्मचारियों पर हमला किए जाने का मामला सामने आया है। बीएमसी की टीम नियमित अभियान के तहत क्षेत्र में पहुंची थी, जहां सड़क किनारे बिना अनुमति के अंडा भुर्जी का ठेला संचालित किया जा रहा था।

विरोध के बीच विवाद

जांच में ठेला अवैध पाए जाने के बाद बीएमसी कर्मचारियों ने उसे जब्त कर लिया और गैस सिलेंडर भी अपने वाहन में रख लिया। इसी दौरान ठेला संचालक के परिजन मौके पर पहुंच गए और कार्रवाई का विरोध करने लगे। आरोप है कि बहस बढ़ने पर धक्का-मुक्की और गाली-गलौज की गई।

कर्मचारी हुआ घायल

घटना के दौरान एक बीएमसी कर्मचारी की आंख के पास चोट लगने की जानकारी सामने आई है। स्थिति बिगड़ने पर कर्मचारियों ने पुलिस सहायता मांगी। सूचना मिलते ही दिंडोशी पुलिस मौके पर पहुंची और हालात को नियंत्रित किया।

तीन आरोपियों पर मामला

पुलिस ने शिकायत के आधार पर सलमान शेख (33), इरफान शेख (38) और रजिया शेख (62) के खिलाफ मामला दर्ज किया है। आरोप है कि उन्होंने बीएमसी टीम पर अंडे फेंके तथा सरकारी कार्रवाई में बाधा उत्पन्न की।

जांच जारी

पुलिस मामले की जांच कर रही है। अधिकारियों का कहना है कि यदि आरोप सिद्ध होते हैं तो संबंधित आरोपियों के खिलाफ आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। वहीं, घटना के बाद अतिक्रमण विरोधी कार्रवाई के दौरान बीएमसी कर्मचारियों की सुरक्षा को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं।

शावरमा-पिज्जा खाने से 59 लोग बीमार

भिवंडी में फूड पॉइजनिंग की आशंका 7 बच्चों समेत दर्जनों लोग अस्पताल में भर्ती

हिंदमाता संवाददाता @ भिवंडी

भिवंडी के खंडूपाड़ा रोड स्थित एक शावरमा-पिज्जा सेंटर से खाद्य पदार्थ खाने के बाद बीमार होने वालों की संख्या बढ़कर 59 पहुंच गई है। प्रभावित लोगों में 7 बच्चे, कई महिलाएं और पुरुष शामिल हैं। सभी ने एक ही दुकान से शावरमा, पिज्जा या अन्य खाद्य पदार्थ खाने की जानकारी दी है।

खाने के बाद बिगड़ी तबीयत

जानकारी के अनुसार बुधवार रात करीब 10 बजे फेमस पिज्जा नामक दुकान से शावरमा, पिज्जा और फालूदा खाने के कुछ घंटों बाद लोगों को पेट दर्द, उल्टी, दस्त और बेचैनी जैसी शिकायतें शुरू हो गईं। शुरुआत में 11 मरीज अस्पताल पहुंचे थे, लेकिन बाद में प्रभावितों की संख्या लगातार बढ़ती गई।

अस्पताल में उपचार जारी

सभी मरीजों को भिवंडी के स्वर्गीय इंदिरा गांधी मेमोरियल (आईजीएम) उप जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अस्पताल की मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. माधुरी पंढारे ने बताया कि अधिकांश मरीजों की हालत स्थिर है और सभी का उपचार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि फिलहाल किसी मरीज की स्थिति गंभीर नहीं है तथा सभी पहले से बेहतर हैं।

जांच में जुटा प्रशासन

घटना की सूचना मिलते ही शांतिनगर पुलिस, खाद्य एवं औषधि प्रशासन तथा स्वास्थ्य विभाग की टीमें सक्रिय हो गईं। संबंधित दुकान की जांच की जा रही है और खाद्य पदार्थों के नमूने परीक्षण के लिए भेजे गए हैं। फूड पॉइजनिंग की पुष्टि जांच रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगी।

दुकान मालिक पर मामला दर्ज

: शांतिनगर पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक विनायक गायकवाड़ ने बताया कि फेमस पिज्जा के संचालक दिलशाद अंसारी के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

घाटकोपर में बागी सांसदों के खिलाफ शिवसेना का प्रदर्शन

काले झंडे दिखाकर जताया विरोध, पार्टी अनुशासन और जनादेश के सम्मान की उठाई मांग

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के छह सांसदों द्वारा बगावत का ऐलान किए जाने के बाद पार्टी कार्यकर्ताओं में भारी नाराजगी देखने को मिल रही है। पार्टी व्हिप का उल्लंघन कर बैठक में अनुपस्थित रहने वाले सांसदों के विरोध में राज्यभर में आंदोलन किए जा रहे हैं। इसी क्रम में गुरुवार को मुंबई के घाटकोपर में ठाकरे गुट की ओर से आक्रोश प्रदर्शन आयोजित किया गया।

काले झंडों से विरोध

घाटकोपर पश्चिम स्थित रिद्धि-सिद्धि गणेश मंदिर, भटवाड़ी के बाहर आयोजित प्रदर्शन में शिवसैनिकों ने बागी सांसदों के खिलाफ काले झंडे दिखाकर अपना विरोध दर्ज कराया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने जोरदार नारेबाजी की। चले जाव... चले जाव... संजय पाटील चले जाव... जैसे नारों से पूरा क्षेत्र गूंज उठा और कार्यकर्ताओंने सांसदों के रवैये के प्रति अपनी नाराजगी व्यक्त की।

नेताओं की मौजूदगी

यह प्रदर्शन विभाग प्रमुख सुरेश पाटील के नेतृत्व में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में घाटकोपर विधानसभा समन्वयक इमरान शेख, विधानसभा प्रमुख सुभाष पवार, उपविभाग प्रमुख विलास पवार, शाखा प्रमुख संजय कदम, अजय भोसले तथा महाविकास आघाड़ी के शरद कदम सहित बड़ी संख्या में महिला-पुरुष शिवसैनिक, युवासेना पदाधिकारी और स्थानीय नागरिक शामिल हुए।

जनादेश का सम्मान जरूरी

प्रदर्शन के दौरान पदाधिकारियों ने कहा कि जनता द्वारा चुने गए जनप्रतिनिधियों को पार्टी अनुशासन और मतदाताओं के विश्वास का सम्मान करना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि जनादेश के साथ विश्वासघात करने वालों को शिवसैनिक कभी स्वीकार नहीं करेंगे। नेताओं ने कहा कि लोकतांत्रिक मूल्यों और जनादेश की रक्षा के लिए ऐसे आंदोलन आगे भी जारी रहेंगे।

निष्ठा का संकल्प

शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुए इस प्रदर्शन में बागी सांसदों की भूमिका की कड़ी निंदा की गई। साथ ही पार्टी के प्रति निष्ठा बनाए रखने और जनता के जनादेश की रक्षा करने का संकल्प भी दोहराया गया।

ठाणे में डेटा सेंटर को लेकर विवाद

हिंदमाता संवाददाता @ ठाणे

ठाणे में प्रस्तावित अमेजन के मेगा डेटा सेंटर को लेकर राजनीतिक विवाद तेज हो गया है। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार गुट) के राष्ट्रीय महासचिव एवं विधायक डॉ. जितेंद्र आव्हाड ने आरोप लगाया है कि यह परियोजना शहर के हितों के खिलाफ है और इससे पानी, बिजली तथा पर्यावरण पर गंभीर दबाव पड़ेगा। डॉ. आव्हाड ने पत्रकार परिषद में कहा कि ठाणे शहर पहले से ही पानी की कमी से जूझ रहा है। ऐसे में प्रस्तावित डेटा सेंटर के लिए प्रतिदिन 12 एमएलडी पानी उपलब्ध कराने की योजना बनाई जा रही है, जबकि शहर को रोजाना लगभग 30 एमएलडी पानी की कमी का सामना करना पड़ रहा है। उनका दावा है कि परियोजना से रोजगार के अवसर सीमित होंगे, लेकिन इसके बदले बड़ी संख्या में नागरिकों को पर्यावरणीय और स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। पार्टी नेताओं के अनुसार अमेजन ने बालकुम क्षेत्र में लगभग 53 एकड़ जमीन खरीदकर वहां मेगा डेटा सेंटर स्थापित करने की तैयारी की है। उन्होंने आरोप लगाया कि परियोजना के पर्यावरणीय प्रभावों से संबंधित जानकारी स्थानीय नागरिकों और जनप्रतिनिधियों के सामने पूरी तरह नहीं रखी गई है। जिलाध्यक्ष मनोज प्रधान ने कहा कि प्रस्तावित स्थल के आसपास कई आवासीय परिसर, स्कूल और अस्पताल मौजूद हैं। उनका दावा है कि डेटा सेंटर से लगातार ध्वनि प्रदूषण, अत्यधिक बिजली खपत और तापमान में वृद्धि जैसी समस्याएं पैदा हो सकती हैं। उन्होंने परियोजना की पारदर्शिता पर भी सवाल उठाए। डॉ. आव्हाड और मनोज प्रधान ने चेतावनी दी कि यदि परियोजना पर पुनर्विचार नहीं किया गया तो पार्टी महापालिका की महासभा से लेकर सड़क और कानूनी स्तर तक इसका विरोध करेगी तथा स्थानीय नागरिकों के बीच जनमत तैयार करेगी।

महंगाई के खिलाफ एनसीपी का मोर्चा

हिंदमाता संवाददाता @ भिवंडी

बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार और शिक्षा क्षेत्र में कथित अनियमितताओं के विरोध में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार गुट) ने शुक्रवार को भिवंडी में विशाल मोर्चा निकालकर सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। हजारों कार्यकर्ता और पदाधिकारी सड़कों पर उतरे तथा प्रांत अधिकारी कार्यालय पहुंचकर विभिन्न मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा। मोर्चे का नेतृत्व शहर अध्यक्ष शोएब गुड्डू ने किया। यह मोर्चा कोणारक आर्केड से शुरू होकर प्रांत अधिकारी कार्यालय तक पहुंचा। प्रदर्शन में बड़ी संख्या में महिला एवं पुरुष कार्यकर्ताओंने भाग लिया। इस दौरान महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार के मुद्दों को प्रमुखता से उठाते हुए नारेबाजी की गई। शोएब गुड्डू ने कहा कि पेट्रोल, डीजल, रसोई गैस और सीएनजी की बढ़ती कीमतों से आम जनता पर आर्थिक बोझ बढ़ रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार महंगाई पर नियंत्रण पाने में विफल रही है। साथ ही युवाओं के लिए रोजगार के अवसर घटने और किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य नहीं मिलने पर भी चिंता व्यक्त की। प्रदर्शन के बाद पार्टी प्रतिनिधिमंडल ने प्रशासन को ज्ञापन सौंपकर महंगाई पर नियंत्रण, भ्रष्टाचार पर अंकुश, किसानों की समस्याओं के समाधान, रोजगार सृजन तथा शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता सुनिश्चित करने की मांग की। ज्ञापन की प्रतियां प्रधानमंत्री, केंद्रीय वित्त मंत्री और मुख्यमंत्री को भी भेजी गई हैं।

हिंदमाता एंकर: **नए फुटओवर ब्रिज के गर्डर लॉन्चिंग कार्य के लिए ट्रैफिक और पावर ब्लॉक, कुछ लोकल व एक्सप्रेस ट्रेनें प्रभावित, एफओबी निर्माण का कार्य**

दिवा स्टेशन पर विशेष ब्लॉक 22-23 जून को

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

मध्य रेल ने दिवा स्टेशन के दक्षिणी छोर (सीएसएमटी दिशा) पर नए फुटओवर ब्रिज (एफओबी) के गर्डर लॉन्च करने के लिए 22 और 23 जून की मध्यरात्रि विशेष ट्रैफिक एवं पावर ब्लॉक घोषित किया है। रेलवे प्रशासन के अनुसार 300 मीट्रिक टन क्षमता वाली रोड क्रेन की सहायता से गर्डरों को स्थापित किया जाएगा।

ब्लॉक की अवधि

यह विशेष ब्लॉक 22/23 जून 2026 की मध्यरात्रि 12.10 बजे से सुबह 4.10 बजे तक रहेगा। ब्लॉक ठाणे-डोंबिवली अप फास्ट लाइन, पांचवीं और छठी लाइन तथा दिवा-पनवेल-रोहा अप एवं डाउन विद्युत लाइन (दिवा यार्ड सहित) पर लिया जाएगा।

लोकल सेवाएं प्रभावित

ब्लॉक के कारण 23 जून को तड़के 3.43 बजे अंबरनाथ से चलने वाली अंबरनाथ-सीएसएमटी लोकल तथा सुबह 5.16 बजे सीएसएमटी से चलने वाली सीएसएमटी-अंबरनाथ लोकल रद्द रहेगी। रेलवे ने यात्रियों से वैकल्पिक यात्रा व्यवस्था करने की अपील की है।

मेल-एक्सप्रेस ट्रेनों में बदलाव

ब्लॉक अवधि के दौरान कल्याण-ठाणे खंड में कई मेल एवं एक्सप्रेस ट्रेनों को अप स्लो लाइन से चलाया जाएगा। वहीं दादर-सावंतवाड़ी रोड एक्सप्रेस (11003), जो रात 12.05 बजे रवाना होने वाली थी, अब सुबह 4 बजे प्रस्थान करेगी।

कई ट्रेनें होंगी डायवर्ट

एलटीटी-पाटलिपुत्र सुपरफास्ट, एलटीटी-विशाखापत्तनम एक्सप्रेस और कुशीनगर सुपरफास्ट सहित कई ट्रेनों का मार्ग बदला जाएगा। इसके अलावा जननेश्वरी एक्सप्रेस, कोणार्क एक्सप्रेस, हावड़ा-सीएसएमटी मेल, हुसैन सागर एक्सप्रेस समेत कई अप दिशा की ट्रेनों को भी वैकल्पिक लाइनों से संचालित किया जाएगा।

यात्रियों से सहयोग की अपील

मध्य रेल ने कहा है कि यह ब्लॉक बुनियादी ढांचे के विकास और रेल सुरक्षा के लिए आवश्यक है। यात्रियों को होने वाली असुविधा के लिए खेद व्यक्त करते हुए रेलवे प्रशासन ने सहयोग की अपील की है।

शॉर्ट स्टोरी

बारिश की दुआ के लिए मुंब्रा में नमाज-ए-इस्तसका

हिंदमाता संवाददाता @ मुंब्रा

मानसून के आगमन में हो रही देरी और बढ़ती गर्मी के बीच मुंब्रा में मुस्लिम समुदाय ने विशेष नमाज-ए-इस्तसका अदा कर अच्छी बारिश की दुआ की। दारूल फलाह के पास आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया और अल्लाह से जल्द बारिश की प्रार्थना की। नमाज का नेतृत्व मौलाना तालीब बैयती ने किया। उन्होंने कहा कि पानी अल्लाह की बड़ी नेमत है और इसके बिना जीवन संभव नहीं है। लगातार बारिश नहीं होने से लोगों को गर्मी और संभावित जल संकट का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने लोगों से अपने गुनाहों की माफी मांगने, तौबा करने और अल्लाह से रहमत की दुआ करने की अपील की। मौलाना ने कहा कि इस्लामी परंपरा में बारिश के लिए अदा की जाने वाली विशेष नमाज को नमाज-ए-इस्तसका कहा जाता है। नमाज के बाद सामूहिक दुआ की गई, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने हिस्सा लिया। एसडीपीआईएफ के नेता सरफराज खान ने बताया कि इस आयोजन की तैयारी कम समय में की गई और सोशल मीडिया के माध्यम से लोगों को इसकी जानकारी दी गई। उन्होंने कहा कि बारिश हर इंसान, जीव-जंतु और पेड़-पौधों की जरूरत है। इसलिए सभी लोगों ने मिलकर जल्द बारिश होने और क्षेत्र में राहत मिलने की दुआ की।

एमएच-एमएचटी सीईटी परीक्षा में रिशु अरुण सिंह ने लहराया परचम

हिंदमाता संवाददाता @ नालासोपारा

महाराष्ट्र सरकार के स्टेट कॉमन एंट्रेंस टेस्ट सेल (सीईटी) द्वारा वर्ष २०२६ के एमएच-एमएचटी सीईटी (पीसीएम ग्रुप) ने स्कोर कार्ड जारी कर दिया गया है। इस परीक्षा में छात्र रिशु अरुण सिंह ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए कुल ८९ % अंक प्राप्त किए हैं। परीक्षा परिणाम आधिकारिक तौर पर १८ जून २०२६ को घोषित किए गए। छात्र रिशु अरुण सिंह ने पीसीएम (भौतिक, रसायन और गणित) ग्रुप में शामिल होकर 89% स्कोर हासिल किया है इस शानदार सफलता पर रिशु अरुण सिंह को चौतरफा बधाई संदेश और शुभकामनाएं दी जा रही हैं। उनकी इस बड़ी उपलब्धि से उनके पूरे परिवार और शुभचिंतकों में खुशी और उत्साह का माहौल है।

मीरा-भायंदर में जल संकट की आहट

हिंदमाता संवाददाता @ मीरा-भायंदर

मीरा-भायंदर शहर के नागरिकों को आने वाले महीनों में पानी की कमी का सामना करना पड़ सकता है। महाराष्ट्र जल संसाधन विभाग ने 31 अगस्त 2026 तक पेयजल उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा जल भंडारण को सुरक्षित रखने के लिए राज्यभर में जल उपयोग पर नियंत्रण संबंधी निर्देश जारी किए हैं। इसके तहत जल आपूर्ति में 20 प्रतिशत कटौती लागू की गई है। भारत मौसम विज्ञान विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार इस वर्ष अल-नीनो के प्रभाव के कारण सामान्य से कम वर्षा होने की आशंका जताई गई है। इसी को ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार ने उपलब्ध जल भंडार को संरक्षित रखने और पेयजल आवश्यकताओं को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का निर्णय लिया है। नई व्यवस्था के अनुसार स्टेम प्राधिकरण से मिलने वाली जलापूर्ति प्रत्येक सप्ताह एक दिन बंद रहेगी, जबकि महाराष्ट्र औद्योगिक विकास निगम (एमआईडीसी) की ओर से मिलने वाला पानी प्रत्येक 15 दिन में एक दिन बंद रखा जाएगा। शहर में पहले और तीसरे सप्ताह एक दिन तथा दूसरे और चौथे सप्ताह दो दिन पानी की आपूर्ति प्रभावित रहेगी। महानगरपालिका ने नागरिकों से पानी का विवेकपूर्ण उपयोग करने की अपील की है। प्रशासन द्वारा आवश्यक जल उपलब्ध कराने के लिए हर संभव प्रयास किए जाने का दावा किया गया है।

राहुल गांधी के जन्मदिन पर बच्चों को मिली शैक्षणिक सामग्री

हिंदमाता संवाददाता @ भिवंडी

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के जन्मदिन के अवसर पर ठाणे जिला ग्रामीण कांग्रेस के सरचिटणीस पंकज अशोक गायकवाड़ की ओर से भिवंडी तालुका के परिवली स्थित अलखोली ग्राम पंचायत क्षेत्र में सामाजिक उपक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान जिला परिषद विद्यालय के कक्षा 1 से 4 तक के विद्यार्थियों को शैक्षणिक सामग्री वितरित की गई। कार्यक्रम में बच्चों को कॉपियां, पेन, पेंसिल तथा अन्य आवश्यक अध्ययन सामग्री प्रदान की गई। इस अवसर पर पंकज गायकवाड़ ने विद्यार्थियों को शिक्षा का महत्व समझाते हुए मन लगाकर पढ़ाई करने और जीवन में बड़े लक्ष्य निर्धारित करने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी हमेशा शिक्षा, समान अवसर और युवाओं के सशक्तिकरण की बात करते हैं। उनके जन्मदिन पर बच्चों को शिक्षित और प्रेरित करने का प्रयास ही उनके विचारों को सच्ची श्रद्धांजलि है। उन्होंने विद्यार्थियों से देश और समाज के विकास में योगदान देने का आह्वान भी किया। कार्यक्रम में शिक्षक, अभिभावक, स्थानीय नागरिक और कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे। उपस्थित लोगों ने इस पहल की सराहना की। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने बताया कि सेवा और जनकल्याण के कार्यों के माध्यम से राहुल गांधी का जन्मदिन मनाने की परंपरा के तहत यह आयोजन किया गया। बच्चों के चेहरों पर खुशी और उत्साह साफ दिखाई दिया।

मानसून तैयारियों पर आरोग्य सभापति सख्त

हिंदमाता संवाददाता @ उल्हासनगर

उल्हासनगर महानगरपालिका मुख्यालय स्थित स्वास्थ्य विभाग कार्यालय में मानसून पूर्व नाला सफाई और स्वच्छता व्यवस्था की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता आरोग्य सभापति सविता ताई तोरणे-रगड़े ने की। इस दौरान स्वास्थ्य अधिकारी मनीष हिवारे, एकनाथ पवार, शिवाजी रगड़े तथा विभाग के कर्मचारी उपस्थित रहे। बैठक में सभापति ने प्रभाग क्रमांक-3 स्थित वालधुनी नदी की सफाई को लेकर नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि कोणार्क कंपनी द्वारा इस वर्ष सफाई कार्य संतोषजनक ढंग से नहीं किया गया है। साथ ही शहर के अन्य बड़े नालों की सफाई व्यवस्था पर भी असंतोष व्यक्त करते हुए संबंधित अधिकारियों और ठेकेदारों को चेतावनी दी कि मानसून के दौरान जलभराव, नालियां जाम होने या नागरिकों को किसी प्रकार की परेशानी होने पर जिम्मेदारों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। सभापति ने वालधुनी नदी में दो दिनों के भीतर मशीनरी लगाकर व्यापक सफाई अभियान चलाने के निर्देश दिए। उन्होंने शहर में जगह-जगह दिखाई दे रहे कचरे के ढेरों पर भी नाराजगी जताई और कहा कि करोड़ों रुपए खर्च होने के बावजूद अपेक्षित परिणाम नहीं दिख रहे हैं। बैठक में एक सप्ताह के भीतर कचरा संकलन व्यवस्था का विस्तृत खाका तैयार करने तथा शहर को कचरा-मुक्त बनाने के लिए प्रभावी कदम उठाने के निर्देश दिए गए।

वाढवण बंदर मार्ग का काम शुरू

हिंदमाता संवाददाता @ पालघर

प्रस्तावित वाढवण बंदर परियोजना को जोड़ने वाले ग्रीनफील्ड महामार्ग के सर्विस रोड का निर्माण कार्य पालघर जिले में शुरू हो गया है। जिला प्रशासन के अनुसार राष्ट्रीय महत्व की इस परियोजना को सभी कानूनी प्रक्रियाओं का पालन करते हुए पारदर्शी और चरणबद्ध तरीके से आगे बढ़ाया जा रहा है। प्रशासन ने बताया कि पालघर क्षेत्र में सर्विस रोड का निर्माण कार्य शुरू हो चुका है, जबकि डहाणू क्षेत्र में मैंग्रोव संबंधी आवश्यक अनुमति मिलने के बाद कार्य आरंभ किया जाएगा। ग्रीनफील्ड महामार्ग के लिए भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया राष्ट्रीय राजमार्ग अधिनियम, 1956 के तहत की जा रही है, जिसमें पालघर और डहाणू तहसील के 24 गांव शामिल हैं। परियोजना के लिए कुल 604.74 हेक्टेयर भूमि अधिग्रहित की जानी है। अब तक लगभग 286 हेक्टेयर भूमि का अधिग्रहण और कब्जा पूरा किया जा चुका है। इसमें डहाणू की 157 हेक्टेयर और पालघर की 128 हेक्टेयर भूमि शामिल है। जिला प्रशासन ने बताया कि नोटिस, सुनवाई, मुआवजा निर्धारण और भूमि हस्तांतरण की सभी प्रक्रियाएं कानून के अनुसार पूरी की जा रही हैं। प्रशासन का मानना है कि इस परियोजना से क्षेत्र में आधारभूत सुविधाओं का विकास होगा, व्यापार एवं उद्योग को बढ़ावा मिलेगा तथा रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे।

शिवसेना यूबीटी के बाद अब टूटेगी शरद पवार की एनसीपी

शिंदे के नक्शेकदम पर सुनेत्रा पवार?

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

महाराष्ट्र की राजनीति में शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के 6 सांसदों के पाला बदलने और 'ऑपरेशन टाइगर' की ऐतिहासिक सफलता के बाद, अब राज्य के दूसरे बड़े क्षेत्रीय दल यानी शरद पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी में भी एक बड़े भूचाल की आहट सुनाई देने लगी है। महाविकास अघाड़ी के भीतर मची इस भगदड़ के बीच, अजित पवार की अगुवाई वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता और कैबिनेट मंत्री धमार्राव बाबा अतराम ने एक बेहद चौंकाने वाला और बड़ा दावा किया है। अतराम के मुताबिक, शरद पवार गुट के 5 लोकसभा सांसद बहुत जल्द पाला बदलकर सुनेत्रा पवार के खेमे में शामिल होने जा रहे हैं। आज (19 जून 2026) जब दोनों शिवसेना गुट मुंबई में अपना-अपना स्थापना दिवस मना रहे हैं और उद्धव के बागी सांसदों का शिंदे सेना में औपचारिक विलय हो रहा है, तब इस नए खुलासे ने शरद पवार कैंप की चिंताएं बढ़ा दी हैं।

शरद पवार के सांसद और विधायक करेंगे बगावत

मीडिया से खुलकर बात करते हुए अजित पवार गुट के नेता धमार्राव बाबा अतराम ने न केवल टूट का दावा किया, बल्कि इसके लिए बाकायदा एक समय सीमा (डेडलाइन) की भी घोषणा कर दी। अतराम ने कहा, 'शरद पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के भीतर भारी असंतोष है। उनके विधायी दल के कम से कम 5 लोकसभा सांसद और कई प्रमुख विधायक हमारे शीर्ष नेतृत्व के सीधे संपर्क में हैं। यह सभी नेता आगामी 12 दिसंबर तक आधिकारिक रूप से हमारे साथ आ जाएंगे।' अतराम के इस बयान से साफ है कि महायुति अब आगामी विधानसभा चुनावों से पहले शरद पवार के गढ़ को भेदने की पूरी तैयारी कर चुकी है।

'हम कोई ऑपरेशन नहीं चला रहे, वे अपनी मर्जी से आ रहे हैं'

जब अतराम से पूछा गया कि क्या यह भी शिवसेना की तरह किसी गुप्त ऑपरेशन का हिस्सा है, तो उन्होंने साफ इंकार किया। उन्होंने कहा, 'हम कोई 'ऑपरेशन' वगैरह नहीं चला रहे हैं। शरद पवार गुट के सांसद और विधायक खुद वहां घुटन महसूस कर रहे हैं और वे अपनी मर्जी से विकास के एजेंडे के साथ जुड़ना चाहते हैं। चुनाव जीतने के लिए और निर्वाचन क्षेत्रों के विकास के लिए सबको मिलकर काम करना होगा। वे खुद ही हमारे पक्ष में प्रचार करेंगे और जल्द ही दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा।'

सुनेत्रा पवार की अमित शाह से मुलाकात के बाद राजनीतिक चर्चाएं तेज

इस पूरे घटनाक्रम के बीच एक और महत्वपूर्ण राजनीतिक कड़ी सामने आई है। पूर्व उपमुख्यमंत्री स्वर्गीय अजित पवार की पत्नी और एनसीपी की वरिष्ठ नेता सुनेत्रा पवार ने हाल ही में नई दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से एक विशेष मुलाकात की है। राजनीतिक गलियारों में इस मुलाकात को बेहद अहम माना जा रहा है। कयास लगाए जा रहे हैं कि सुनेत्रा पवार और अमित शाह के बीच हुई इस बैठक में शरद पवार गुट के सांसदों और विधायकों की घर वापसी और उनके कानूनी विलय को लेकर ही रणनीति तैयार की गई है। अब देखना यह होगा कि क्या शरद पवार अपने कुनबे को इस संभावित बगावत से बचा पाते हैं या उनकी पार्टी का हश्र भी उद्धव ठाकरे की शिवसेना जैसा होने वाला है।

एसआरए परियोजना से 28 लाख रुपए की वसूली

• मुंबई क्राइम ब्रांच ने दो आरोपियों को रंगेहाथ दबोचा

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

मुंबई क्राइम ब्रांच की एंटी-एक्सटॉर्शन सेल ने सायन के जीटीबी नगर स्थित एक एसआरए पुनर्विकास परियोजना से कथित तौर पर लाखों रुपए की वसूली करने वाले गिरोह के दो सदस्यों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान 62 वर्षीय आनंद बिडलानी और 60 वर्षीय रमेश चावरिया के रूप में हुई है। पुलिस ने दोनों को दो लाख रुपए की उगाही की रकम लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया। मुंबई क्राइम ब्रांच के अधिकारी ने बताया कि आरोपियों ने शिकायतकर्ता से कहा था कि वे परियोजना के खिलाफ आरटीआई दाखिल नहीं करेंगे और किसी प्रकार की परेशानी भी खड़ी नहीं करेंगे। इसके बदले वे लगातार पैसों की मांग कर रहे थे।

अब तक 28 लाख रुपए की उगाही का आरोप

क्राइम ब्रांच के अनुसार आरोपियों ने अब तक शिकायतकर्ता से करीब 28 लाख रुपए की वसूली की थी। शिकायत मिलने के बाद क्राइम ब्रांच ने जाल बिछाकर दो लाख रुपए लेते समय दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। मामले की आगे की जांच एंटी एक्सटॉर्शन सेल कर रही है। पुलिस के मुताबिक इस ग्रुप का मुखिया मंदीप सिंह उर्फ लाडी समेत पांच अन्य आरोपी अभी फरार हैं। फरार आरोपियों में जसविंदर मणिकतला उर्फ गंजा, संदीप भामरी, गुरजीत सिंह सहगल और दीपक सिंह उर्फ सहगल शामिल हैं। पुलिस उनकी तलाश कर रही है।

एक करोड़ की मांग, गोली मारने की दी धमकी

शिकायत के अनुसार, दिसंबर 2023 से आरोपी परियोजना से जुड़े लोगों को लगातार धमका रहे थे और काम जारी रखने के बदले पैसों की मांग कर रहे थे। आरोप है कि गिरोह ने शुरुआती में एक करोड़ रुपए की मांग की और रकम नहीं देने पर शिकायतकर्ता तथा डेवलपर को गोली मारने की धमकी दी। धमकियों से भयभीत होकर डेवलपर ने कथित तौर पर पहले पांच लाख रुपए और बाद में दो लाख रुपए का भुगतान किया। इसके बाद आरोपियों ने 25 लाख रुपए की मांग की, जो बाद में 15 लाख रुपए पर तय हुई।

होटल में नकद लेन-देन मोबाइल में मिले रिकॉर्ड

पुलिस के अनुसार यह रकम माटुंगा के एक होटल में नकद दी गई थी। जांच में सामने आया है कि लेन-देन के कुछ हिस्से मोबाइल फोन में रिकॉर्ड भी किए गए थे। शिकायत में यह भी कहा गया है कि आरोपी व्हाट्सएप कॉल और व्यक्तिगत मुलाकातों के जरिए लगातार उगाही की मांग करते रहे और परियोजना से जुड़े लोगों पर अतिरिक्त भुगतान का दबाव बनाते रहे।

एफआईआर के बाद क्राइम ब्रांच को सौंपी गई जांच

मामले में पहले माटुंगा पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज की गई थी, जिसे बाद में जांच के लिए मुंबई क्राइम ब्रांच को सौंप दिया गया। पुलिस का दावा है कि आरोपियों ने अब तक कुल 28 .5 लाख रुपए की उगाही की है। मामले में फरार आरोपियों की तलाश जारी है।

सोशल मीडिया पर गिरीश महाजन की तस्वीरें वायरल

थाने पहुंचा मामला

हिंदमाता नेटवर्क @ बुलढाणा

महाराष्ट्र सरकार में मंत्री और बीजेपी के कद्दावर नेता गिरीश महाजन की एक युवती के साथ सोशल मीडिया पर कुछ तस्वीरें वायरल हो रही है। इससे राजनीतिक गलियारों में खलबली मच गई है। इस विवाद पर अब खुद मंत्री महाजन ने चुप्पी तोड़ी है। बुलढाणा में मीडिया से बातचीत करते हुए मंत्री गिरीश महाजन ने वायरल हो रही तस्वीर पर अपनी पहली प्रतिक्रिया दी। उन्होंने विरोधियों के दावों को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि यह तस्वीर पूरी तरह से 'मॉर्फ्ड' है। महाजन ने कहा कि उनकी छवि को धूमिल करने के उद्देश्य से यह साजिश रची गई है।

सुषमा अंधारे ने शेयर की गिरीश महाजन की तस्वीरें

उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (यूबीटी) की नेता सुषमा अंधारे ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर अपने आधिकारिक हैंडल से कुछ तस्वीरें पोस्ट की, जिसमें बीजेपी नेता और मंत्री गिरीश महाजन एक युवती के साथ दिख रहे हैं। अंधारे में तस्वीरें पोस्ट करते हुए कैप्शन में लिखा 'अरे, यह चेहरा जाना-पहचाना लग रहा है... हे भगवान... यह तो बहुत बुरा हैङ्घ।' इसके बाद यह तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल होने लगी और इस पर बहस छिड़ गई। कोई गिरीश महाजन का इस्तीफा मांग रहा है तो कोई उनके समर्थन पर उतर गया है। कुछ सोशल मीडिया यूजर्स ने इसे अकसे एडिटेड फोटो बताया।

वायरल तस्वीरों पर क्या बोले गिरीश महाजन?

सोशल मीडिया पर युवती के साथ वायरल हो रही तस्वीरों पर अब मंत्री गिरीश महाजन ने चुप्पी तोड़ते हुए इसका सच बताया है। उन्होंने कहा कि इस तस्वीरों के छेड़छाड़ की गई है। यह पूरी तरह से 'मॉर्फ्ड' तस्वीरें हैं। महाजन ने कहा कि मुझे नहीं पता कि यह फोटो किसने और कैसे मॉर्फ की है, लेकिन यह सरासर गलत है। मैंने इस मामले में मुंबई पुलिस और साइबर सेल में शिकायत दर्ज कराई है। मंत्री गिरीश महाजन ने कहा कि वे इस बारे में विस्तार से बताएंगे। उन्होंने विपक्ष पर हमला बोलते हुए कहा छवि खराब करने के लिए लोगों की तस्वीरों के साथ छेड़छाड़ करके सोशल मीडिया पर वायरल की जा रही है। सही फोटो का बैकग्राउंड हटाकर उसमें आपत्तिजनक तस्वीरें जोड़कर वायरल की जा रही है। अब विपक्ष के पास यही काम बचा है।

सिर्फ आधा घंटा दो... भाजपा के सात टुकड़े होंगे

गिरीश महाजन के बयान पर भड़के संजय राऊत

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

बीजेपी नेता और मंत्री गिरीश महाजन ने दावा किया था कि महाराष्ट्र में शिवसेना (यूबीटी) के 6 सांसद पाला बदल चुके हैं और इस फूट के लिए संजय राऊत के बयान जिम्मेदार हैं। उद्धव ठाकरे गुट के पार्षद भी जल्द ही पाला बदल लेंगे। इस बयान से संजय राऊत बुरी तरह नाराज हो गए और उन्होंने महाजन पर सीधा हमला बोल दिया। राऊत ने कहा कि अगर ईडी और सीबीआई को सिर्फ आधे घंटे के लिए उनके कंट्रोल में दे दिया जाए, तो बीजेपी के 7 टुकड़े हो जाएंगे और गिरीश महाजन पार्टी छोड़ने वाले सबसे पहले व्यक्ति होंगे।

संजय राऊत का गिरीश महाजन पर बड़ा हमला

आज मीडिया से बात करते हुए शिवसेना (यूबीटी) के राज्यसभा सांसद संजय राऊत ने एक बार फिर गिरीश महाजन पर निशाना साधा। संजय राऊत ने कहा कि मैंने कल ही कहा था और मैं अपनी पार्टी की तरफ से यह कह रहा हूं कि बस ईडी और सीबीआई को आधे घंटे के लिए खुली छूट दे दी जाए। तो महाराष्ट्र में भाजपा सात टुकड़ों में बंट जाएगी और गिरीश महाजन पार्टी छोड़ने वालों में सबसे पहले होंगे। राऊत ने दावा किया कि गिरीश महाजन कई घोटालों में फंसे हुए हैं।

संजय दीना पाटिल को लिया आड़े हाथ

इस मौके पर संजय राऊत ने बागी सांसद संजय दीना पाटिल की भी आलोचना की। उन्होंने कहा कि संजय दीना पाटिल सिर्फ शिवसेना की वजह से जीते थे। उनकी बेटी को नगर निगम चुनाव का टिकट दिया गया था। हमने पार्टी के एक वफादार कार्यकर्ता को नजरअंदाज करके उनकी बेटी को टिकट दिया था। उनकी बेटी तो शिवसेना में है, लेकिन पिता का क्या? पिता कल क्यों नहीं आए? राऊत ने कहा कि हम कल दिल्ली में संजय दीना पाटिल का इंतजार कर रहे थे। हमें पक्का यकीन था कि वह आएंगे। उन्हें आने की जरूरत क्यों महसूस नहीं हुई? राऊत ने तीखा हमला करते हुए पूछा कि जो व्यक्ति पार्टी के संकट के समय अपना फर्ज निभाने के लिए मजबूर महसूस नहीं करता था, वह अब इतने बड़े-बड़े दावे क्यों कर रहा है।

मिठाई के नाम पर बिक रहा था जहर

तुकाराम मुंढे की टीम ने जब्त किया 1300 किलो से ज्यादा मिलावटी मावा

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

महाराष्ट्र के 'सिंघम' कहे जाने वाले तेज-तर्रार आईएएस अधिकारी और वर्तमान एफडीए कमिश्नर तुकाराम मुंढे ने अब अपना रुख मिठाई और मावा माफियाओं की ओर कर लिया है। अपनी कड़क कार्यशैली के लिए मशहूर मुंढे के निर्देश पर मुंबई में एक बड़ी कार्रवाई की गई है, जिससे मिलावटखोर व्यापारियों में हड़कंप मच गया है। अन्न व औषधि प्रशासन के पथक ने मुंबई के गिरगांव और कुंभारवाड़ा इलाकों में अचानक छापेमारी की। इस कार्रवाई के दौरान अधिकारियों ने 1,328 किलो संदिग्ध और मिलावटी मिठाई व मावा जब्त किया है। बाजार में इस माल की कीमत लगभग 3 लाख 60 हजार 380 रुपए बताई जा रही है।

अस्वच्छता और लापरवाही की हदें पार

छापेमारी के दौरान जो मंजर सामने आया, वह बेहद चौंकाने वाला था। एफडीए की रिपोर्ट के अनुसार डी. एम. मावावाला इस दुकान से सबसे ज्यादा 1,239 किलो संदिग्ध मिठाई और मावा मिला। विजयकांत यादव नामक व्यापारी के पास से 89 किलो मावा जब्त किया गया। जांच में पाया गया कि इन ठिकानों पर मिठाई और मावे को अत्यंत अस्वच्छ परिस्थितियों में रखा गया था। खाद्य पदार्थों को सुरक्षित रखने के लिए जरूरी तापमान नियंत्रण का यहां नामोनिशान नहीं था और पैकिंग पर लेबलिंग के नियमों का भी खुलेआम उल्लंघन किया जा रहा था।

व्यापारियों में सिंघम की दहशत

तुकाराम मुंढे की इस कार्रवाई से पूरी मुंबई के मिलावटखोरों में डर का माहौल है। रिपोर्ट के अनुसार, मुंढे के नाम मात्र से ही कई जगहों पर बाजार बंद हो गए और कुछ व्यापारियों ने तो कार्रवाई के डर से अपना स्टॉक सड़कों पर ही फेंक दिया।

अमराठी चालकों के लिए मराठी प्रशिक्षण अनिवार्य

15 अगस्त के बाद प्रमाणपत्र नहीं होने पर होगी कार्रवाई

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

राज्य में ऑटो-रिक्शा और टैक्सी चालकों को मराठी भाषा का बुनियादी ज्ञान दिलाने तथा यात्रियों के साथ संवाद को आसान बनाने के लिए परिवहन विभाग ने महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। विभाग ने 1 जून से 15 अगस्त तक सभी अमराठी रिक्शा-टैक्सी चालकों के लिए चार घंटे का 'मराठी भाषा संवाद पाठ्यक्रम' पूरा करना अनिवार्य कर दिया है।

प्रमाणपत्र जरूरी

परिवहन विभाग के अनुसार प्रशिक्षण पूरा करने के बाद चालकों को प्रमाणपत्र दिया जाएगा। 15 अगस्त के बाद जिन चालकों के पास यह प्रमाणपत्र नहीं होगा, उनके खिलाफ नियमानुसार सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इस पहल का उद्देश्य यात्रियों और चालकों के बीच बेहतर संवाद स्थापित करना तथा स्थानीय भाषा के प्रति जागरूकता बढ़ाना है।

विशेषज्ञ संस्थाओं की जिम्मेदारी

परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक के मार्गदर्शन में चलाए जा रहे इस अभियान के लिए महाराष्ट्र राज्य मराठी भाषा विभाग, कोकण मराठी साहित्य परिषद और मुंबई मराठी साहित्य संघ को अधिकृत विशेषज्ञ संस्थाओं के रूप में नियुक्त किया गया है। इन संस्थाओं के माध्यम से चालकों को निशुल्क मराठी भाषा प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इनके द्वारा जारी प्रमाणपत्र को ही परिवहन विभाग मान्यता देगा। परिवहन विभाग के सहआयुक्त रवी गायकवाड ने बताया कि मुंबई महानगर क्षेत्र में बड़े पैमाने पर प्रशिक्षण वर्ग संचालित किए जा रहे हैं।

राज्य में जेलों के आधुनिकीकरण में लाएं तेजी

समीक्षा बैठक में राज्यमंत्री पंकज भोयर ने दिए निर्देश

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

महाराष्ट्र के गृह (ग्रामीण) राज्यमंत्री डॉ. पंकज भोयर ने राज्य की जेलों के पुनर्विकास, स्थानांतरण और आधुनिकीकरण से जुड़े सभी प्रोजेक्ट्स को निर्धारित समयसीमा में पूरा करने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के निर्देशों के बाद मंत्रालय में आयोजित एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में विभिन्न परियोजनाओं की प्रगति का विस्तृत आकलन किया गया। बैठक में नागपुर, वर्धा और मुंबई मध्यवर्ती जेलों के स्थानांतरण तथा पुनर्विकास कार्यों की स्थिति पर चर्चा हुई। डॉ. भोयर ने अधिकारियों से कहा कि सभी परियोजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर आगे बढ़ाया जाए, ताकि राज्य की जेल व्यवस्था को आधुनिक और अधिक प्रभावी बनाया जा सके। इस दौरान जेल विभाग के महानिदेशक सुहास वारके समेत कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे और उन्होंने विभिन्न परियोजनाओं की वर्तमान स्थिति की जानकारी प्रस्तुत की।

क्षमता और सुविधाओं में होगी बढ़ोतरी

समीक्षा बैठक में जेलों की बढ़ती जरूरतों और आधुनिक सुविधाओं पर विशेष जोर दिया गया। डॉ. भोयर ने कहा कि मौजूदा जेलों पर बढ़ते दबाव को देखते हुए नई और अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त जेलों का निर्माण आवश्यक है। इसके माध्यम से कैदियों की क्षमता बढ़ाई जाएगी और सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाया जाएगा। उन्होंने बताया कि आधुनिक तकनीक, निगरानी प्रणाली और बेहतर प्रशासनिक व्यवस्थाओं को शामिल कर जेलों को नई पहचान दी जाएगी। इससे न केवल कैदियों के प्रबंधन में सुधार होगा, बल्कि कर्मचारियों को भी बेहतर कार्य वातावरण उपलब्ध कराया जा सकेगा।

इन शहरों में बनेंगी नई जेलें

राज्यमंत्री डॉ. पंकज भोयर ने बताया कि पुनर्विकास योजना के तहत मुंबई के मानखुर्द क्षेत्र में बहुमंजिला जेल का निर्माण किया जाएगा, जबकि मड आइलैंड में हाई-सिक्योरिटी जेल विकसित की जाएगी। इसके अलावा नागपुर और वर्धा में भी नई जेलों के निर्माण की योजना पर तेजी से काम किया जा रहा है। इन परियोजनाओं के साथ अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए आधुनिक सरकारी आवासों का निर्माण भी किया जाएगा। राज्य सरकार का मानना है कि इन परियोजनाओं के पूर्ण होने से जेलों में भीड़भाड़ कम होगी, सुरक्षा मानकों में सुधार आएगा और प्रशासनिक कार्यों को अधिक प्रभावी ढंग से संचालित किया जा सकेगा।

ठाकरे से नाराजगी या पिता के हत्यारे को सजा दिलाने की कोशिश

ओमराजे निंबालकर ने खुद बताई बगावत की वजह

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

महाराष्ट्र की सियासत में 'ऑपरेशन टाइगर' के तहत शिवसेना (यूबीटी) को सबसे बड़ा झटका धराशिव (उस्मानाबाद) से दूसरी बार सांसद बने ओमराजे निंबालकर ने दिया है। साल 2022 के पहले विभाजन के समय मातोश्री के साथ चट्टान की तरह खड़े रहने वाले और अपने आक्रामक भाषणों से उद्धव ठाकरे के सबसे बड़े वफादार सिपाही बने ओमराजे की बगावत ने पूरे राज्य को स्तब्ध कर दिया है। राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि 20 जून 2026 को उनके पिता (पवनराजे निंबालकर) के चर्चित हत्याकांड पर कोर्ट का अंतिम फैसला आने की उम्मीद है, जिसकी जांच सीबीआई ने की थी, और बगावत के पीछे कहीं न कहीं पिता के हत्यारों को सजा दिलाने की कोशिश भी जुड़ी है। हालांकि, इन अटकलों के बीच खुद ओमराजे निंबालकर ने अपनी चुप्पी तोड़ते हुए बगावत की असली और चौंकाने वाली वजहें सामने रख दी हैं।

विकास फंड की कमी से टूट गया सब्र

एक प्रमुख समाचार पत्र को दिए साक्षात्कार में ओमराजे निंबालकर ने पार्टी नेतृत्व के प्रति अपना गहरा दर्द बयां किया। बगावत के आर्थिक और जमीनी कारणों को स्पष्ट करते हुए उन्होंने कहा कि जनता को सिर्फ भाषण नहीं, अपने क्षेत्र का विकास कार्य चाहिए। मैंने पार्टी नेतृत्व के सामने तीन बार महत्वपूर्ण प्रस्ताव रखे, लेकिन हमारे काम पूरे नहीं हो पा रहे हैं। हमारे पास विकास कार्यों के लिए धन (फंड) ही नहीं है। दूसरी ओर, हमारे विरोधी धड़े के पास सत्ता और असीमित धन है। ऐसे में अगर हम केवल वफादारी के नाम पर जनता का काम ही नहीं कर पाएंगे, तो उनके सामने दोबारा वोट मांगने किस मुंह से जाएंगे? आखिर एक सांसद कब तक खाली हाथ घूमता रहेगा? मेरे पास अब कोई दूसरा विकल्प नहीं बचा था।

ठाकरे के काम पर असंतोष, आदित्य ठाकरे की निष्क्रियता पर सवाल

ओमराजे ने न केवल फंड की कमी, बल्कि उद्धव ठाकरे और आदित्य ठाकरे के काम करने की सुस्त शैली पर भी तीखा ऐतराज जताया। उन्होंने कहा, 'महायुति के नेताओं और हमारे पार्टी नेतृत्व के काम करने के तरीके में जमीन-आसमान का अंतर है। लोकसभा चुनाव में इतनी सीटें जीतने के बाद भी एकनाथ शिंदे और देवेंद्र फडणवीस चुप नहीं बैठे हैं। वे स्थानीय निकाय चुनावों से लेकर आगामी विधानसभा चुनावों के लिए दिन-रात एक कर रहे हैं।' ओमराजे ने आगे कहा, 'हम समझ सकते हैं कि उद्धव जी स्वास्थ्य कारणों से सक्रिय नहीं हो पा रहे हैं, लेकिन कम से कम युवा नेता आदित्य ठाकरे को तो आगे आकर मैदान संभालना चाहिए था, कार्यकताओं को ताकत देनी चाहिए थी। दुर्भाग्य से, उनकी तरफ से ऐसी कोई सक्रियता नहीं दिखी।

व्हिप के उल्लंघन के बाद अब वापसी के रास्ते बंद, शिंदे सेना में प्रवेश तय

उद्धव गुट द्वारा बुलाई गई आपातकालीन संसदीय दल की बैठक और जारी किए गए 'व्हिप' को पूरी तरह दरकिनार करने के बाद ओमराजे निंबालकर और अन्य 5 सांसदों का रास्ता अब साफ हो चुका है। निंबालकर के इस बेबाक बयान ने यह साफ कर दिया है कि यह बगावत अचानक नहीं हुई, बल्कि इसके पीछे लंबे समय से सुलग रहा वैचारिक और प्रशासनिक असंतोष था। 20 जून को आने वाले अदालती फैसले और 21 जून के बाद होने वाले आधिकारिक विलय से ठीक पहले, ओमराजे का यह कबूलनामा उद्धव ठाकरे के बचे-खुचे कैडर के मनोबल को तोड़ने के लिए काफी है।

हिंदमाता एंकर: ओमराजे निंबालकर के आरोपों पर आदित्य ठाकरे का सबसे बड़ा पलटवार

तुमने बेशर्मी से खुद को बेचा

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) की 60वीं वर्षगांठ के ऐतिहासिक मौके पर पार्टी में मची महा-बगावत को लेकर युवा सेना प्रमुख और विधायक आदित्य ठाकरे का गुस्सा फूट पड़ा है। धराशिव के सांसद ओमराजे निंबालकर द्वारा उद्धव ठाकरे और आदित्य ठाकरे की राजनीतिक सक्रियता पर सवाल उठाने और फंड की कमी का रोना रोने के बाद, आदित्य ठाकरे ने सोशल मीडिया पर एक बेहद तीखा और आक्रामक पोस्ट साझा कर बागियों को करारा जवाब दिया है। हालांकि, आदित्य ठाकरे ने अपने इस पोस्ट में सीधे तौर पर ओमराजे निंबालकर का नाम नहीं लिया है, लेकिन उनका इशारा साफ तौर पर उन्हीं 6 बागी सांसदों की तरफ था जिन्होंने पाला बदला है। आदित्य ठाकरे ने साफ शब्दों में कहा कि बगावत के लिए शिंदे गुट में शामिल होने वाले नेता चाहे जो भी बहाने या कारण बताएं, लेकिन महाराष्ट्र की जनता उनकी असलियत जानती है।

'तुमने बेशर्मी से खुद को बेचा

शिवसेना के स्थापना दिवस के दिन ही सामने आई इस महा-टूट पर गहरा आक्रोश व्यक्त करते हुए आदित्य ठाकरे ने लिखा, 'आज हमारी 60वीं वर्षगांठ है! और एक बार फिर हम गंदी राजनीति का एक चौंकाने वाला और घिनौना उदाहरण देख रहे हैं। एहसान फरामोश और बिकाऊ जैसे भ्रष्ट रवैये वाले ये कुछ लोग साल 2024 के जनादेश के साथ और उन लोगों के साथ विश्वासघात कर रहे हैं जिन्होंने इन्हें चुनकर भेजा था! कारण चाहे जो भी बताया जाएङ्घ सच्चाई केवल एक ही है। आपने बेशर्मी से खुद को बेच दिया है। आपने न सिर्फ खुद को बेचा है, बल्कि अपनी प्रतिष्ठा, अपना नाम और अपने पूरे परिवार का नाम भी हमेशा के लिए दांव पर लगा दिया है।'

'महाराष्ट्र इस गंदी राजनीति को अब बर्दाश्त नहीं करेगा

आदित्य ठाकरे ने महायुति (शिंदे-बीजेपी-अजित पवार) और बागी सांसदों को चेतावनी देते हुए आगे लिखा कि राज्य की जनता इस तरह के दलबदल और गद्दारी को कभी स्वीकार नहीं करेगी। उन्होंने कहा, 'महाराष्ट्र इस गंदी और स्वार्थी राजनीति को बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं करेगा... कतई नहीं! गद्दारी के इस अंधकार में हमारी 'मशाल' ही एकमात्र प्रकाश होगी और जनता जल्द ही इन बिकाऊ नेताओं को सबक सिखाएगी।' आदित्य का यह बयान बताता है कि उद्धव गुट अब रक्षात्मक रुख छोड़ पूरी तरह से आक्रामक मोड में आ गया है।

बिकाऊ का ठप्पा लगाकर आदित्य ने लगाई फटकार

इससे पहले, बागी सांसद ओमराजे निंबालकर ने एक इंटरव्यू में अपनी मजबूरी का हवाला देते हुए उद्धव ठाकरे की कार्यशैली पर सवाल उठाए थे। ओमराजे ने कहा था कि एकनाथ शिंदे और देवेंद्र फडणवीस चौबीस घंटे काम करते हैं, जबकि ठाकरे नेतृत्व निष्क्रिय है। उन्होंने भावुक होते हुए यह भी माना, 'मैं इस समय एक बड़े धर्मसंकट से गुजर रहा हूं। भावनात्मक रूप से, अगर हम पार्टी छोड़ने के बारे में सोचें तो यह निर्णय पूरी तरह गलत लगता है। हालांकि, राजनीतिक रूप से यह सही है। अगर हम सांसद होकर भी स्थानीय निकाय चुनावों में अपने लोगों को फंड की कमी और सत्ता के अभाव के कारण नहीं जिता पाते हैं, तो हमारा राजनीतिक अस्तित्व खत्म हो जाएगा। हम कब तक खाली हाथ घूमते रहेंगे?' निंबालकर के इसी 'फंड और अस्तित्व' वाले बयान पर अब आदित्य ठाकरे ने 'बिकाऊ' होने का ठप्पा लगाकर आर-पार की जंग छेड़ दी है।

25 वर्षे विकासाची

मिरा भाईंदर महानगरपालिका

स्व. इंदिरा गांधी भवन, मुख्य कार्यालय, छत्रपती शिवाजी महाराज मार्ग, भाईंदर (प.) ता.ठाणे-४०११०१ दुरध्वनी क्रं.२८१९२८२८

ई-मेल : animalausbandary@mbmc.gov.in वेबसाईट : www.mbmc.gov.in

पशुसंवर्धन विभाग

जा.क्र.मिभा/मनपा/पसं/ ५३/२०२६-२७ दि. ११/०६/२०२६

// जाहिर निविदा सुचना //

मिरा भाईंदर महानगरपालिका क्षेत्रातील भाईंदर पश्चिम उड्डाणपुलाखालील पशु-पक्षी उपचार केंद्र दैनंदिन संचलन, देखभाल दुरुस्ती करीता देण्यासाठी वार्षिक भाडेकराराने घ्यावयाचे असल्यास इच्छुक संस्थेने त्या बदल्यात मनपास वार्षिक भाडे पध्दतीने देण्यास इच्छुक व्यावसायिक धारकाकडून दोन लिफाफा पध्दतीने वार्षिक मोहरबंद बी-2 नमुन्यात निविदा मागविण्यात येत आहेत. सदर कामी अधिक माहिती महानगरपालिका, पशुसंवर्धन विभागात दि. 15/07/2026 रोजी पर्यंत उपलब्ध होईल, भरलेली निविदा दि. 23/06/2026 रोजी दुपारी 12:00 वाजेपर्यंत महानगरपालिका बारनिशी कडे स्विकारण्यात येतील. तसेच सदर कामी निविदा फॉर्म रु.1100:-जी.एस.टी. रु.198/- इसारा रक्कम रु.25,000/- रोखीने दि. 23/06/2026 वाजेपर्यंत भरून त्याची पावती निविदा सोबत जोडणे बंधनकारक आहे.

सदरील निविदा शक्यतो त्याच दिवशी आवश्यक त्या कागदपत्रांची पुर्तता केलेली असल्यास उघडण्यात येईल. सदर कामी निविदा मंजूर होताच त्वरीत काम करून दयावे लागेल. कोणतेही कारण न देता एक निविटा स्विकारण्याचा अथवा सर्वच निविदा स्विकारण्याचा हक्क महानगरपालिकेने रखून ठेवला आहे.

जा.क्र. मनपा/मावज/जाहि./ई- ९१६१६२८/२०२६-२७
दि. ११/०६/२०२६

ठिकाण : भाईंदर

दि. 11/06/2026

सही/-
(स्वप्निल सावंत)
उप-आयुक्त (पशुसंवर्धन)
मिरा भाईंदर महानगरपालिका

विचार प्रवाह

रिलायंस में विकास की कोई सीमा नहीं है। मैं हमेशा अपना वीजन दोहराता रहता हूं। सपने देखकर ही आप उन्हें पूरा कर सकते हैं।

– धीरूभाई अंबानी

संपादकीय

हद से ज्यादा सख्ती से बचे सरकार

मई महीने में नीट प्रवेश परीक्षा के प्रश्न पत्र लीक होने के बाद केंद्र सरकार अति- सतर्कता के मूड में नजर आ रही है। लीक प्रकरण के पश्चात निशाने पर आने के बाद सरकार कदम फूंक-फूंक कर रख रही है। इसी कड़ी में चर्चित मैसेजिंग ऐप टेलीग्राम पर लगाम लगाने के निर्णय को लेकर विवाद अदालत के दरवाजे तक जा पहुंचा है। यह विवाद ऐसे समय में सामने आया है जब केंद्र सरकार राष्ट्रीय स्तर की प्रवेश परीक्षाओं की विश्वसनीयता बनाये रखने के लिये संघर्ष कर रही है। हकीकत यह है कि मई में प्रश्नपत्र लीक होने से मची अफरातफरी और विपक्ष के नेताओं के निशाने पर आने के बाद केंद्र सरकार कोई जोखिम लेने को तैयार नहीं है। निस्संदेह, इस परीक्षा में आयोजक एजेंसियों की विश्वसनीयता और बीस लाख से ज्यादा प्रतिभागियों का भविष्य दांव पर लगा है। यही वजह है कि राष्ट्रीय महत्व की परीक्षाओं को लेकर नीट और नेशनल टेस्टिंग एजेंसी यानी एटीए द्वारा परीक्षार्थियों का भरोसा फिर से कायम करने की कवायद पर पूरा जोर दिया जा रहा है। ऐसे में रविवार को होने वाली नीट की पुनःपरीक्षा से ठीक पहले, सरकार का चर्चित मैसेजिंग ऐप टेलीग्राम पर कुछ अवधि के लिये प्रतिबंध लगाना, अति सतर्कता को ही दशार्ता है। सरकार के इस अतिरेक सावधानी वाले रवैये को लेकर सवाल उठाये जा रहे हैं। वहीं दूसरी ओर सरकार ने अपने इस कदम का पुरजोर बचाव किया है। सरकार की दलील है कि इस क्लाउड-बेस्ड प्लेटफॉर्म का बॉट इंफ्रास्ट्रक्चर लीक हुई सामग्री का तेजी से बड़े पैमाने पर प्रसार करने में मददगार हो सकता है। वहीं दूसरी ओर बड़ी संख्या में देशवासियों द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले पूरे प्लेटफॉर्म को कुछ दिनों के लिये ब्लॉक करने से आनुपातिकता और प्रक्रिया को लेकर गंभीर चिंताएं व्यक्त की जा रही हैं। लोगों का मानना है कि सतर्कता, सावधानी और तंत्र में सुधार कर समस्या का समाधान निकाला जा सकता है। निस्संदेह, यदि किसी आपराधिक नेटवर्क द्वारा ऐप विशेष के दुरुपयोग की वजह से, उसके असली यूजर्स को परेशानी होती है तो इससे देश में गलत परंपरा की शुरूआत हो सकती है। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के पैरोकार दलील दे रहे हैं कि अगर किसी बड़ी परीक्षा हेतु टेलीग्राम की सेवाएं सस्पेंड की जा सकती हैं तो भविष्य में किसी अन्य मुद्दे पर दूसरे ऐप के विरुद्ध कार्रवाई को भी तार्किक ठहराया जा सकता है। फिर सत्ताधीशों को किसी अन्य ऐप पर अंकुश लगाने का अवसर बार-बार मिल सकता है। सरकारें कानून-व्यवस्था को खतरा बता कर, कार्रवाइयों को जायज ठहरा सकती हैं। तभी मामला दिल्ली हाईकोर्ट पहुंचने पर अदालत ने पूछा है कि 150 मिलियन यूजर्स के अधिकारों में कटौती कैसे की जा सकती है? आलोचक सरकार के रवैये को सिस्टम की विफलता बता रहे हैं। दलील है कि कोई भी प्रश्न पत्र तभी लीक होता है, जब परीक्षा से जुड़े कुछ अंदरूनी लोग नकल कराने वाले गिरोहों से मिल जाते हैं। साइबर सिक्योरिटी एक्सपर्ट्स कह रहे हैं कि टेलीग्राम को ब्लॉक करने से समस्या खत्म नहीं होती है। इस प्रतिबंध के बाद यूजर्स आसानी से वीपीएन यानी वर्चुअल प्राइवेट नेटवर्क या दूसरे ऐप्स का सहारा ले सकते हैं। निस्संदेह, टेक्नोलॉजी का दुरुपयोग गलत कामों को अंजाम देने के लिये किया जा सकता है, लेकिन इसकी वजह से तकनीक की उपादेयता को खारिज नहीं किया जा सकता। वहीं दूसरी ओर देश के दूर-दराज के इलाकों में प्रश्न-पत्रों को सुरक्षित पहुंचाने के लिये भारतीय वायु सेना को तैनात करने को एक सख्त कदम के रूप में देखा जा रहा है। जो सुरक्षा व्यवस्था को फुलप्रुफ बनाने की कवायद के रूप ध्यान तो खींचता है, लेकिन किसी स्थायी समाधान का विकल्प नहीं बन सकता । निस्संदेह, पारदर्शी परीक्षा व्यवस्था और छात्रों का भरोसा जीतने के लिये सरकार द्वारा पूरी परीक्षा प्रणाली में आमूल-चूल परिवर्तन कराने की आवश्यकता महसूस की जा रही है। किसी भी सरकार के लिये यही बेहतर होगा कि वह अपनी आपातकालीन शक्तियों का उपयोग बेहद पारदर्शी तरीके से और कम से कम करे। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि उनका गलत इस्तेमाल न हो सके।

आज का इतिहास

■ 1998 - विश्वनाथन आनंद ने ब्लादीमीर कैमनिक को हराकर पाचवीं फ्रैंकफर्ट क्लासिक शतरंज टूर्नामेंट का खिताब जीता।

■ 1999 - सर्वाधिक वायु प्रदूषण वाले दुनिया के 5 नगरों में क्रमशः मैक्सिको सिटी, पेइचिंग, शंघाई, तेहरान और कलकत्ता शामिल।

■ 2000 - काहिरा में समूह-15 देशों का दसवां शिखर सम्मेलन सम्पन्न।

■ 2001 - जनरल परवेज मुशर्रफ पाकिस्तान के राष्ट्रपति बने, भारत-पाक शिखर वार्ता को संवैधानिकता प्रदान करने का प्रयास, श्रीलंका मुस्लिम कांग्रेस के समर्थन वापस लेने से चंद्रिका कुमारतुंग सरकार अल्पमत में, ताइवान का मिसाइल परीक्षण।

■ 2002 - पाकिस्तान ने अशरफ जहांगीर काजीको संयुक्त राज्य अमेरिका में अपना नया राजदूत नियुक्त किया।

■ 2005 - रूस मालवाहक यान एम-53 अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पहुंचा।

■ 2006 - जापान ने अपनी सेनाओं को इराक से वापस बुलाने का निर्णय लिया।

■ 2008 -बीज बनाने वाली कम्पनी अवदात इण्डिया लिमिटेड ने अमेरिकी कम्पनी लिमाग्रेन के सोयाबीन बीज के कारोबार का अधिग्रहण किया। यूरोपीय संघ ने क्यूबा पर लगे प्रतीकात्मक प्रतिबन्ध हटाने का निर्णय लिया।

■ 2014- प्रख्यात कवि केदारनाथ सिंह को मिला ज्ञानपीठ पुरस्कार की घोषणा।

■ 1958 - द्रौपदी मुर्मू - भारतीय जनता पार्टी की राजनीतिज्ञ हैं।

■ 1952 - विक्रम सेठ - जाने-माने साहित्यकार, उपन्यासकार और कवि थे।

■ 1940 - विश्वनाथ प्रसाद तिवारी - प्रसिद्ध भारतीय हिंदी साहित्यकार हैं।

■ 1923 - गौर किशोर घोष - कुशल पत्रकार तथा लेखक।

■ 1910 - भुवनेश्वर - हिंदी के प्रसिद्ध एकांकीकार।

■ 1869 - लक्ष्मण काशीनाथ किर्लोस्कर - भारत के प्रसिद्ध उद्योगपति।

■ 1760 - लॉर्ड वेलेजली - सन 1798-1805 ई. तक भारत के गवर्नर-जनरल रहे।

■ 1965 - वेंकटेश नारायण तिवारी - हिन्दी के ध्वजवाहक, पत्रकार और साहित्यकार थे।

प्रतिगामी है जनसंख्या प्रोत्साहन नीति

राजनीतिक प्रभाव बनाए रखने की चिंता में जनसंख्या वृद्धि को बढ़ावा देना दूरदर्शी समाधान नहीं

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

हाल ही में आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने राज्य की नई जनसंख्या प्रबंधन नीति के तहत तीसरे बच्चे के जन्म पर 30 हजार और चौथे बच्चे के जन्म पर 40 हजार रुपए की प्रोत्साहन राशि देने की घोषणा की है। राज्य में दूसरे बच्चे के जन्म पर पहले से ही 25 हजार रुपए दिए जा रहे हैं। इस निर्णय के पीछे तर्क यह दिया जा रहा है कि प्रदेश की कुल प्रजनन दर में गिरावट आ रही है और भविष्य में जनसांख्यिकीय असंतुलन की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। हालांकि इस नीति को केवल जनसंख्या संतुलन की दृष्टि से देखना पर्याप्त नहीं होगा। इसके पीछे राजनीतिक प्रतिनिधित्व और प्रभाव घटने की आशंकाएं भी दिखाई देती हैं।

राष्ट्रीय दृष्टि के बजाय क्षेत्रीय सोच

यह संभावना व्यक्त की जा रही है कि यदि आंध्र प्रदेश का यह प्रयोग सफल माना गया तो अन्य दक्षिणी राज्य भी इसी दिशा में कदम बढ़ा सकते हैं। लेकिन ऐसी नीतियां व्यापक राष्ट्रीय हितों के बजाय क्षेत्रीय हितों को प्राथमिकता देने वाली प्रतीत होती हैं। जनसंख्या वृद्धि को प्रोत्साहित करना गिरती प्रजनन दर की समस्या का सतही समाधान है। यह एक जटिल सामाजिक और आर्थिक चुनौती को केवल संख्याओं के आधार पर हल करने का प्रयास है, जो दूरगामी दृष्टि से उचित नहीं कहा जा सकता।

प्रगतिशील छवि के विपरीत निर्णय

चंद्रबाबू नायडू को प्रगतिशील और आधुनिक सोच वाला नेता माना जाता है। अतीत में वे समेकित राष्ट्रीय जनसंख्या नीति के समर्थक भी रहे हैं। ऐसे में उनका यह निर्णय कई प्रश्न खड़े करता है। यह कदम कहीं न कहीं राजनीतिक प्रभाव बनाए रखने और भविष्य में संसदीय प्रतिनिधित्व कम होने की आशंका से प्रेरित दिखाई देता है। यदि जनसंख्या को राजनीतिक शक्ति का आधार बनाया जाएगा तो इससे उन वर्गों और समूहों को भी बल मिलेगा जो संख्या के आधार पर वर्चस्व स्थापित करने की सोच रखते हैं।

गिरती प्रजनन दर के वास्तविक कारण

यदि प्रजनन दर में कमी को समस्या माना जा रहा है तो उसके मूल कारणों को समझना अधिक आवश्यक है। आज बड़ी संख्या में युवा देर से विवाह कर रहे हैं। कई लोग विवाह के बाद केवल एक संतान को ही पर्याप्त मानने लगे हैं। इसके पीछे आर्थिक दबाव, करियर की प्राथमिकताएं और जीवनशैली में बदलाव जैसे कारण हैं। केवल आर्थिक प्रोत्साहन देकर इस सामाजिक परिवर्तन को पलटना आसान नहीं होगा।

बदलते समाज और बढ़ती चुनौतियां

आधुनिक जीवन में प्रतिस्पर्धा बढ़ी है और संयुक्त परिवारों का स्वरूप तेजी से कमजोर हुआ है। बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य और अन्य जरूरतों पर होने वाला खर्च लगातार बढ़ रहा है। ऐसे में परिवार सीमित संतान की ओर झुक रहे हैं। यही कारण है कि कई राज्यों में प्रजनन दर में गिरावट देखने को मिल रही है। हालांकि इससे कुछ क्षेत्रों में जनसांख्यिकीय असंतुलन की आशंका भी उत्पन्न हो रही है, लेकिन इसका समाधान जनसंख्या वृद्धि को प्रोत्साहित करना नहीं हो सकता।

राजनीतिक प्रतिनिधित्व की चिंता

भारत एक प्रतिनिधिमूलक लोकतंत्र है, जहां जनसंख्या का सीधा संबंध राजनीतिक प्रतिनिधित्व से जुड़ता है। इसी वजह से कम जनसंख्या वृद्धि वाले राज्यों को यह चिंता सता रही है कि भविष्य में उनकी राजनीतिक हिस्सेदारी घट सकती है। ऐसी आशंकाएं केवल राज्यों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि कई धार्मिक और जातीय समुदायों में भी देखी जा सकती हैं। बावजूद इसके, जनसंख्या वृद्धि को बढ़ावा देना उचित नीति नहीं माना जा सकता, क्योंकि देश पहले से ही संसाधनों पर भारी दबाव झेल रहा है।

जनसंख्या और मानव संसाधन में अंतर

अक्सर यह तर्क दिया जाता है कि अधिक जनसंख्या से अधिक कार्यबल उपलब्ध होगा, लेकिन जनसंख्या और मानव संसाधन एक ही बात नहीं हैं। किसी भी देश के लिए महत्वपूर्ण यह है कि कमाने वाले और आश्रित लोगों के बीच संतुलन बना रहे। वर्तमान युग कृत्रिम बुद्धिमत्ता, स्वचालन और उन्नत तकनीक का है। आज केवल श्रमशक्ति ही विकास का आधार नहीं रही, बल्कि ज्ञान, कौशल और नवाचार की भूमिका कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो गई है।

संसाधनों की सीमाएं और विकास की चुनौती

जनसंख्या को मानव संसाधन में बदलने के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाएं, पोषण, स्वच्छ पेयजल और कौशल विकास जैसी सुविधाओं की आवश्यकता होती है। भारत जैसे विकासशील देश में इन सुविधाओं की उपलब्धता अभी भी एक बड़ी चुनौती है। यहां तक कि विकसित देशों में भी संसाधन असीमित नहीं हैं। इसलिए केवल जनसंख्या बढ़ाने से विकास सुनिश्चित नहीं हो सकता।

पर्यावरण और सामाजिक प्रभाव

कृषि भूमि, जल, वन, खनिज और स्वच्छ वायु जैसे प्राकृतिक संसाधन सीमित हैं। बढ़ती जनसंख्या इन संसाधनों पर अतिरिक्त दबाव डालती है। इसके साथ ही गरीबी, अशिक्षा, कुपोषण, अपराध और पर्यावरणीय क्षरण जैसी समस्याएं भी गहराती हैं। अनियंत्रित जनसंख्या वृद्धि और संसाधनों के अत्यधिक दोहन ने प्रकृति के संतुलन को प्रभावित किया है। यही कारण है कि पर्यावरणीय संकट और प्राकृतिक आपदाओं की घटनाएं बढ़ती दिखाई देती हैं। अर्थशास्त्री माल्थस ने भी जनसंख्या वृद्धि और संसाधनों के असंतुलन के संबंध पर विस्तार से चर्चा की थी।

समेकित राष्ट्रीय नीति की आवश्यकता

भारत पहले ही जनसंख्या के मामले में विश्व में शीर्ष स्थान पर पहुंच चुका है। देश का जनसंख्या घनत्व भी कई बड़े देशों की तुलना में काफी अधिक है। ऐसे में जनसंख्या वृद्धि को प्रोत्साहित करने वाली नीतियों के बजाय संतुलित और समेकित राष्ट्रीय जनसंख्या नीति की आवश्यकता है। भौगोलिक क्षेत्रफल, उपलब्ध संसाधनों और जनसंख्या के बीच संतुलन स्थापित करके ही नागरिकों को बेहतर शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और जीवन स्तर उपलब्ध कराया जा सकता है। यही एक कल्याणकारी राज्य का मूल दायित्व है और इसी से नागरिकों की गरिमा तथा जीवन की गुणवत्ता सुनिश्चित हो सकती है। जनसंख्या संबंधी चुनौतियों का स्थायी समाधान भी इसी मार्ग में निहित है।

आंखनदेखी

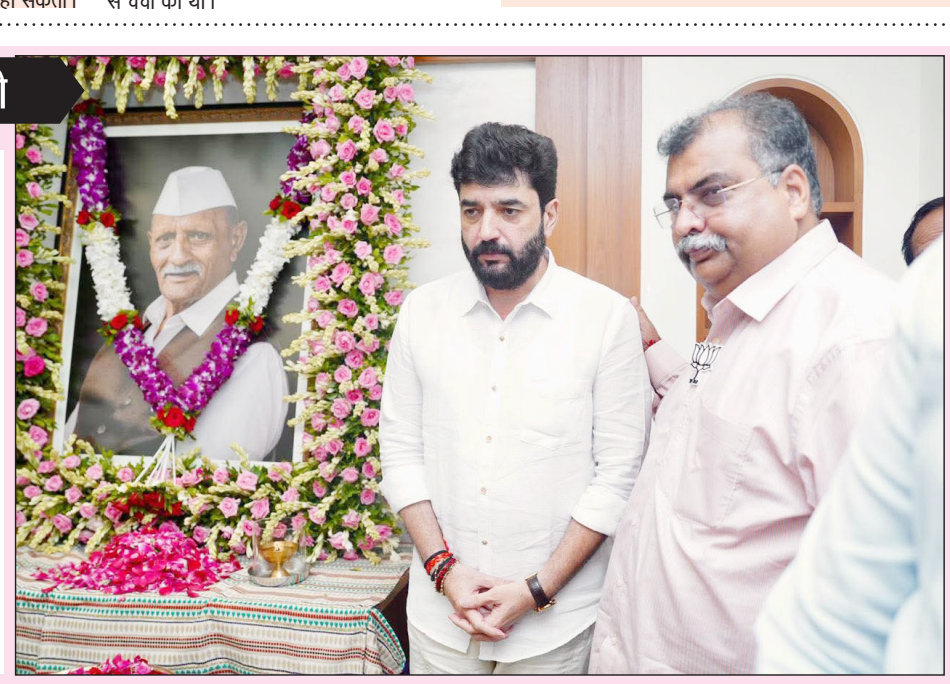

केंद्रीय राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल के पिता किसनराव मोहोल के स्वर्गवास पर विधायक रवींद्र चव्हाण ने उनके निवास पर पहुंचकर श्रद्धांजलि अर्पित की और शोक संतप्त परिवार को सांत्वना दी। इस अवसर पर मंत्री चंद्रकांत पाटील, प्रदेश महासचिव राजेश पांडे सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित रहे।

प्यार का खौफनाक अंत

● इंस्टाग्राम पर शुरू हुई मोहब्बत हत्या पर जाकर खत्म हुई, वजह अब भी रहस्य

हिंदमाता नेटवर्क @ बेंगलुरु

उन दोनों के बीच इंस्टाग्राम पर दोस्ती हुई थी। फिर दोनों मिलने लगे और प्यार हो गया। उसके बाद साथ जीने-मरने के वादे हो गए। शादी का इरादा बन गया। मगर वो वादे महज एक ख्वाब बनकर रह गए। क्योंकि बेंगलुरु के मल्लेश्वरम की यह प्रेम कहानी एक ऐसे मोड़ पर जा पहुंची, जहां रिश्ते का अंत एक मौत के साथ हुआ। प्यार में पागल आशिक ने ही अपनी माशूका को बेरहमी से मौत की नींद सुला दिया। जब इस मामले का खुलासा हुआ तो हर कोई हैरान रह गया।

इंस्टाग्राम से बढ़ी नजदीकियां

ये कहानी है कर्नाटक के हासन जिले के सकलेशपुर की रहने वाली 20 वर्षीय अनुषा और 27 वर्षीय शरथ की। अनुषा की मुलाकात सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर शरथ से हुई थी। शरथ पेशे से पानी के टैंकर का ड्राइवर था। शुरूआत में दोनों के बीच आम बातचीत हुई, जो धीरे-धीरे दोस्ती में बदल गई। समय बीतने के साथ यह दोस्ती प्यार में तब्दील हो गई और दोनों ने साथ रहने का फैसला कर लिया।

साथ रहने का फैसला

रिश्ता गहरा होने के बाद अनुषा और शरथ बेंगलुरु के मल्लेश्वरम इलाके में किराए का मकान लेकर रहने लगे। पिछले करीब छह महीनों से दोनों लिव-इन रिलेशनशिप में रह रहे थे। पड़ोसियों और आसपास के लोगों के लिए वे एक सामान्य जोड़े की तरह थे। किसी को अंदाजा नहीं था कि उनके रिश्ते में चल रहा तनाव इतनी बड़ी घटना का रूप ले सकता है।

बहस से बढ़ा विवाद

पुलिस जांच के मुताबिक, शनिवार की रात दोनों के बीच किसी निजी बात को लेकर बहस शुरू हुई थी। पहले यह सामान्य कहासुनी थी, लेकिन देखते ही देखते विवाद बढ़ता चला गया। दोनों के बीच तीखी बहस हुई और माहौल तनावपूर्ण हो गया। इसी दौरान मामला इतना बिगड़ गया कि झगड़ा हिंसक रूप ले बैठा।

गुस्से में हत्या का आरोप

आरोप है कि बहस के दौरान गुस्से में आकर शरथ ने अनुषा का गला दबा दिया। पुलिस के अनुसार, इसी वजह से उसकी मौत हो गई। जिस घर में दोनों ने साथ जिंदगी बिताने के सपने देखे थे, वहीं अनुषा की सांसें हमेशा के लिए थम गईं। एक पल के गुस्से ने पूरे रिश्ते और दो परिवारों की जिंदगी बदल दी।

दो दिन तक छिपी रही वारदात

वारदात के बाद सबसे चौंकाने वाली बात यह रही कि आरोपी मौके से फरार नहीं हुआ। वह घर में ही मौजूद रहा, लेकिन उसने घटना की जानकारी न तो पुलिस को दी और न ही किसी अन्य व्यक्ति को। दो दिनों तक यह सनसनीखेज घटना छिपी रही। इस दौरान किसी को भी अनुषा की मौत की भनक नहीं लगी।

वकील को बताई पूरी बात

सोमवार को शरथ ने अपने वकील से संपर्क किया और पूरी घटना के बारे में बताया। जब वकील को मामले की गंभीरता का पता चला तो उन्होंने तुरंत पुलिस को सूचना दी। यह सूचना पूरे मामले में सबसे अहम साबित हुई। वकील की जानकारी के आधार पर पुलिस ने तत्काल कार्रवाई शुरू कर दी।

पुलिस की कार्रवाई

सूचना मिलते ही शेषाद्रिपुरम थाना पुलिस की टीम मल्लेश्वरम स्थित किराए के मकान पर पहुंची। वहां से अनुषा का शव बरामद किया गया। पुलिस ने मौके का निरीक्षण किया और जरूरी साक्ष्य जुटाए। इसके बाद शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया ताकि मौत की सटीक वजह का पता लगाया जा सके।

गिरफ्तारी और पूछताछ

पोस्टमॉर्टम और शुरूआती जांच में गला दबाकर हत्या किए जाने की बात सामने आई। इसके बाद पुलिस ने आरोपी शरथ को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में उससे घटना से जुड़े कई सवाल किए जा रहे हैं। पुलिस यह जानने की कोशिश कर रही है कि आखिर ऐसा क्या हुआ, जिसने इस रिश्ते को अपराध में बदल दिया।

डिजिटल सुरागों की जांच

जांच एजेंसियां अब दोनों के मोबाइल फोन, सोशल मीडिया अकाउंट्स और कॉल रिकॉर्ड खंगाल रही हैं। पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि क्या दोनों के बीच पहले से किसी बात को लेकर तनाव चल रहा था। इंस्टाग्राम पर शुरू हुई इस कहानी के डिजिटल सुराग भी अब जांच का अहम हिस्सा बन गए हैं।

वजह पर अब भी सस्पेंस

पुलिस का कहना है कि अभी तक हत्या के पीछे की सटीक वजह स्पष्ट नहीं हो सकी है। आरोपी से लगातार पूछताछ की जा रही है और हर पहलू की जांच की जा रही है। फिलहाल हत्या का मामला दर्ज कर लिया गया है। जांच पूरी होने के बाद ही यह साफ हो सकेगा कि उस रात ऐसा क्या हुआ, जिसने एक प्रेम कहानी का अंत दर्दनाक वारदात के साथ कर दिया।

प्रेरक प्रसंग

डाक मुंशी

हरि सिंह ने अपना पूरा जीवन डाक विभाग की सेवा में लगा दिया था। वर्षों तक विभिन्न डाकघरों में काम करने के बाद वे कटक सदर पोस्ट ऑफिस में प्रधान पोस्ट पियन बने। मामूली वेतन में उनका गुजारा कठिनाई से चलता था, फिर भी वे हर महीने कुछ रुपए गांव भेजते ताकि पत्नी और इकलौते बेटे गोपाल की पढ़ाई जारी रह सके। उनका सपना था कि बेटा पढ़-लिखकर एक दिन पोस्टमास्टर बने और परिवार का नाम रोशन करे। समय बीतता गया। जब हरि सिंह की उम्र पचपन वर्ष हुई तो उन्हें सेवानिवृत्ति का आदेश मिल गया। यह समाचार उनके लिए वज्रपात से कम नहीं था। उन्हें अपनी नहीं, बल्कि बेटे के भविष्य की चिंता सताने लगी। उन्होंने पोस्टमास्टर से विनती की और विशेष सिफारिश के बाद कुछ समय के लिए सेवा-वृद्धि मिल गई। लेकिन इसी बीच गांव से खबर आई कि उनकी पत्नी गंभीर रूप से बीमार है। वे दौड़े-दौड़े घर पहुंचे, पर पत्नी अंतिम सांसें गिन रही थी। पति के चरण स्पर्श करने के बाद उसने संसार छोड़ दिया। पत्नी की मृत्यु के बाद हरि सिंह बेटे को लेकर कटक आ गए। पेंशन और थोड़ी-सी बचत के सहारे उन्होंने गोपाल की पढ़ाई जारी रखी। कई बार खुद भूखे रहकर भी बेटे की फीस और किताबों का खर्च उठाया। आखिर उनकी मेहनत रंग लाई और गोपाल परीक्षा पास कर डाक विभाग में सब-पोस्टमास्टर नियुक्त हो गया। बेटे की नौकरी की खबर सुनकर हरि सिंह की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। उन्हें लगता था कि अब उनके सारे कष्ट समाप्त हो गए हैं। पहली तनख्वाह मिलने पर गोपाल ने रुपए पिता के हाथ में रखे तो बूढ़े की आंखों में खुशी के आंसू आ गए। वह बेटे के लिए अच्छे कपड़े खरीद लाए और हर समय उसकी सुख-सुविधा की चिंता करने लगे।

■ लेकिन नौकरी और पद मिलने के बाद गोपाल का व्यवहार बदलने लगा। उसे अपने अनपढ़ और साधारण पिता से शर्म आने लगी। वह पिता को अपमानित करने लगा और एक दिन कह दिया कि उन्होंने उसके ऊपर कोई उपकार नहीं किया। बूढ़ा पिता यह सब सुनकर टूट गया, लेकिन बेटे के अनिष्ट के डर से चुप रहा।

■ कुछ समय बाद बीमारी से ग्रस्त हरि सिंह बेटे के साथ गांव गए, जहां गोपाल ने उनकी बीमारी और असहायता को बोझ समझ लिया। अपमानित होकर बूढ़ा पिता वापस अपने गांव लौट आया। वहां अपनी थोड़ी-सी जमीन और पेंशन के सहारे जीवन बिताने लगा। अब वह बरामदे में बैठकर हरिनाम का भजन करता है।

■ बेटे से दूर होकर भी उसके लिए मंगलकामना करता रहता है। यह कहानी बताती है कि माता-पिता अपने बच्चों के लिए जीवन भर त्याग करते हैं, लेकिन सफलता का अहंकार कभी-कभी संतानों को अपने ही मूल्यों और रिश्तों से दूर कर देता है।

राशिफल

मेष- नौकरी में प्रभाव वृद्धि होगी। बिगड़े काम बनेंगे। निवेश मनोनुकूल लाभ देगा। सामाजिक कार्य करने का अवसर प्राप्त होगा। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। विरोध होगा। आर्थिक नीति में परिवर्तन होगा। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। तत्काल लाभ नहीं होगा।

वृषभ-राजकीय सहयोग प्राप्त होगा। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे। कारोबार में वृद्धि होगी। निवेश लाभ देगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। बिगड़े काम बनेंगे। जल्दबाजी से हानि संभव है। धार्मिक अनुष्ठान में भाग लेने का अवसर प्राप्त हो सकता है।

मिथुन- किसी व्यक्ति की बातों में न आएं। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। चिंता तथा तनाव बने रहेंगे। वाहन, मशीनरी व अग्नि के प्रयोग में सावधानी रखें। विशेषकर गृहिणियां लापरवाही न करें। आवश्यक वस्तुएं गुम हो सकती हैं। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं।

कर्क- राजकीय सहयोग प्राप्त होगा। वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है। व्यापार में वृद्धि होगी। स्त्री वर्ग से समयानुकूल सहायता प्राप्त होगी। नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे। निवेश शुभ रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। वाणी में शब्दों का प्रयोग सोच-समझकर

सिंह- आर्थिक उन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। कर्ज समय पर चुका पाएंगे। बैंक-बैलेंस बढ़ेगा। स्थायी संपत्ति के बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। मनपसंद रोजगार मिलेगा। नौकरी में चैन रहेगा। व्यापार में वृद्धि के योग हैं। शेयर मार्केट से लाभ होगा। तनाव रहेगा।

कन्या- यात्रा लाभदायक रहेगी। बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। किसी प्रबुद्ध व्यक्ति का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। किसी मांगलिक कार्य का आयोजन हो सकता है। स्वादिष्ट व्यंजनों का लुत्फ उठा पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रह सकता है। दूसरों के झगड़ों में न पड़ें।

तुला-व्यापार-व्यवसाय से लाभ होगा। आय में निश्चितता रहेगी। शत्रु शांत रहेंगे। बुरी खबर मिल सकती है, धैर्य रखें। दौड़धूप की अधिकता का स्वास्थ्य पर प्रभाव पड़ेगा। थकान व कमजोरी रह सकती है। वाणी में कड़े शब्दों के इस्तेमाल से बचें।

वृश्चिक- थोड़े प्रयास से ही कार्यसिद्धि होने से प्रसन्नता रहेगी। निवेश से लाभ होगा। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेंगे। आवश्यक वस्तु समय पर नहीं मिलने से खिन्नता रहेगी। बनते कामों में बाधा उत्पन्न होगी। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। काम में मन नहीं लगेगा।

धनु- शुभ समाचार प्राप्त होंगे। प्रसन्नता रहेगी। बिछड़े मित्र व संबंधी मिलेंगे। विरोधी सक्रिय रहेंगे। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। व्यापार मनोनुकूल चलेगा। नौकरी में सहकर्मी सहयोग करेंगे। लाभ होगा। जल्दबाजी व लापरवाही से हानि होगी।

मकर- व्यावसायिक यात्रा लाभदायक रहेगी। रोजगार मिलेगा। आय में वृद्धि होगी। कारोबार में वृद्धि होगी। शेयर मार्केट मनोनुकूल लाभ देगा। बुद्धि का प्रयोग करें। घर-बाहर प्रसन्नता का वातावरण बनेगा। भाग्य का साथ मिलेगा। कोई अनहोनी होने की आशंका रहेगी।

कुंभ-नौकरी में कार्यभार रहेगा। थकान महसूस होगी। आंखों का विशेष ध्यान रखें। चोट व रोग से बचाएं। पुराना रोग उभर सकता है। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। वाणी पर नियंत्रण रखें। व्यवसाय की गति धीमी रहेगी। आय बनी रहेगी। सहकर्मी सहयोग नहीं करेंगे।

मीन-रुका हुआ धन प्राप्त होगा। प्रयास सफल रहेंगे। बुद्धि का प्रयोग करें। प्रमाद न करें। निवेश से लाभ होगा। यात्रा मनोनुकूल रहेगी। कारोबार से संतुष्टि रहेगी। नौकरी में प्रभाव क्षेत्र बढ़ेगा। व्यापार-व्यवसाय में उत्साह से काम कर पाएंगे। भाग्य अनुकूल है, प्रसन्नता रहेगी।

राहुल गांधी के जन्मदिन पर विवादास्पद पोस्टर

भगवान परशुराम की तुलना राजनीतिक नेता से करने पर उठे सवाल

हिंदमाता नेटवर्क @ वाराणसी

वाराणसी में कांग्रेस के युवा कार्यकर्ताओं ने राहुल गांधी के 56वें जन्मदिन पर एक कार्यक्रम आयोजित किया, जहां उनका एक पोस्टर लगाया गया। इस पोस्टर में राहुल गांधी को एक हाथ में परशुराम का फरसा और दूसरे हाथ में संविधान लिए दिखाया गया। कार्यकर्ताओं ने पोस्टर पर दूध चढ़ाकर जन्मदिन मनाया, जिसके बाद तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गए। इस घटना ने धार्मिक और राजनीतिक बहस को जन्म दे दिया है। अखिल भारतीय ब्राह्मण समाज ने इस पर गहरी नाराजगी व्यक्त की है।

ब्राह्मण समाज का विरोध

अखिल भारतीय ब्राह्मण समाज के प्रदेश अध्यक्ष पंडित पुष्पेंद्र मिश्रा ने कहा कि भगवान परशुराम कोई राजनीतिक प्रतीक नहीं, बल्कि सनातन आस्था, तप, त्याग और धर्मरक्षा के शाश्वत प्रतीक हैं। उन्होंने कहा कि किसी नेता के जन्मदिवस पर उन्हें भगवान परशुराम के स्वरूप में प्रस्तुत करना करोड़ों श्रद्धालुओं की धार्मिक भावनाओं से जुड़ा विषय है, जिसे राजनीतिक प्रदर्शन का माध्यम नहीं बनाया जाना चाहिए। मिश्रा ने स्पष्ट किया कि राहुल गांधी एक राजनीतिक व्यक्ति हैं और उनका सम्मान अपनी जगह है, लेकिन उनकी तुलना भगवान परशुराम से करना न तो उचित है और न ही सनातन परंपरा के अनुरूप। उन्होंने कांग्रेस नेताओं को व्यक्तिपूजा और धार्मिक प्रतीकों के राजनीतिक उपयोग से बचने की सलाह दी।

धार्मिक आस्था का राजनीतिक उपयोग नहीं

अखिल भारतीय ब्राह्मण समाज ने कहा कि वह अपने आराध्य देवों का सम्मान करता है और उन्हें किसी राजनीतिक प्रचार अभियान का हिस्सा बनाए जाने का समर्थन नहीं कर सकता। पंडित पुष्पेंद्र मिश्रा ने कहा कि आवश्यकता भगवान परशुराम के आदर्शों ज्ञान, तप, शौर्य और धर्म के प्रति समर्पण को जीवन में उतारने की है, न कि उनके स्वरूप का राजनीतिक ब्रांडिंग के लिए उपयोग करने की।

धार्मिक मान्यता : हिंदू धर्मग्रंथों के अनुसार भगवान परशुराम को भगवान विष्णु का अवतार माना जाता है। उन्हें शौर्य, तपस्या, ज्ञान और धर्म की रक्षा के लिए जाना जाता है, खासकर ब्राह्मण समाज में उनकी विशेष श्रद्धा है। फिलहाल कांग्रेस की ओर से इस मामले पर कोई विस्तृत प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। सोशल मीडिया पर वायरल तस्वीरों के बाद यह मुद्दा राजनीतिक बहस का हिस्सा बन चुका है।

कर्नाटक एमएलसी चुनाव में क्रॉस वोटिंग से भाजपा नाराज

तीन बड़े नेताओं को दिल्ली बुलाया, पार्टी अध्यक्ष ने प्रदेश नेतृत्व को 23 जून को पेश होने का निर्देश दिया

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

कर्नाटक विधान परिषद चुनाव में हुई क्रॉस वोटिंग के मामले में भारतीय जनता पार्टी का केंद्रीय नेतृत्व सख्त हो गया है। राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने इस मुद्दे को गंभीरता से लेते हुए प्रदेश अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र, विपक्ष के नेता आर. अशोक और राज्य प्रभारी राधामोहन दास को 23 जून को दिल्ली बुलाया है। तीनों नेताओं को स्पष्टीकरण देने और बैठक के लिए उपस्थित रहने का निर्देश दिया गया है।

कांग्रेस का दबदबा, भाजपा-जेडीएस को झटका

कर्नाटक में मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार के नेतृत्व में नई सरकार के गठन के बाद यह पहला चुनावी मुकाबला था। विधान परिषद की सात सीटों के लिए हुए चुनाव में सत्तारूढ़ कांग्रेस ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पांच सीटों पर जीत दर्ज की, जबकि भाजपा को केवल दो सीटों पर ही संतोष करना पड़ा। वहीं, भाजपा की सहयोगी जेडीएस का खाता भी नहीं खुल सका। कांग्रेस के विजेता उम्मीदवारों में थिप्पन्नप्पा कमकनूर, पी.वी. मोहन, बी.के. हरिप्रसाद, बी.एस. शिवन्ना और विनय कार्तिक प्रकाश शामिल हैं। भाजपा से लिंगराज पाटिल और रघु आर ने जीत हासिल की, जबकि जेडीएस के इकलौते उम्मीदवार गोविंदराजू को करारी हार का सामना करना पड़ा।

क्रॉस वोटिंग के आरोप

इस चुनाव ने भाजपा और जेडीएस विधायकों द्वारा की गई क्रॉस वोटिंग को पूरी तरह से उजागर कर दिया। कांग्रेस उम्मीदवारों के पक्ष में एनडीए के विधायकों ने वोट डाले। सूत्रों के अनुसार, कांग्रेस को कुल 151 वोट मिले, जो उनकी अपेक्षित 140 वोटों से 11 अधिक हैं। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, भाजपा के 3 और जेडीएस के 8 विधायकों ने क्रॉस वोटिंग की है, जबकि भाजपा के एक विधायक का वोट अमान्य घोषित कर दिया गया। विधान सौधा में सात एमएलसी सीटों के लिए आठ उम्मीदवार मैदान में थे, जिनके लिए विधायकों ने गुरुवार को मतदान किया और उसी शाम वोटों की गिनती हुई।

धोखा देने वालों पर कार्रवाई के संकेत

भाजपा के वरिष्ठ नेता आर. अशोक ने क्रॉस वोटिंग की बात स्वीकार करते हुए स्पष्ट किया कि जिन लोगों ने पार्टी के साथ धोखा किया है, उनकी पहचान की जाएगी। उन्होंने भरोसा दिलाया कि पार्टी ऐसे विधायकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का निर्णय लेगी। प्रदेश अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र ने अपनी प्रतिक्रिया में कहा कि जैसे ही क्रॉस वोटिंग करने वालों की पुख्ता जानकारी मिल जाएगी, पार्टी उचित फैसला लेगी।

केदारनाथ धाम में उमड़ा जन सैलाब

12.7 लाख से ज्यादा श्रद्धालुओं ने पूजा-अर्चना की, श्रद्धालु बोले- शब्दों में बयां नहीं कर सकते एहसास

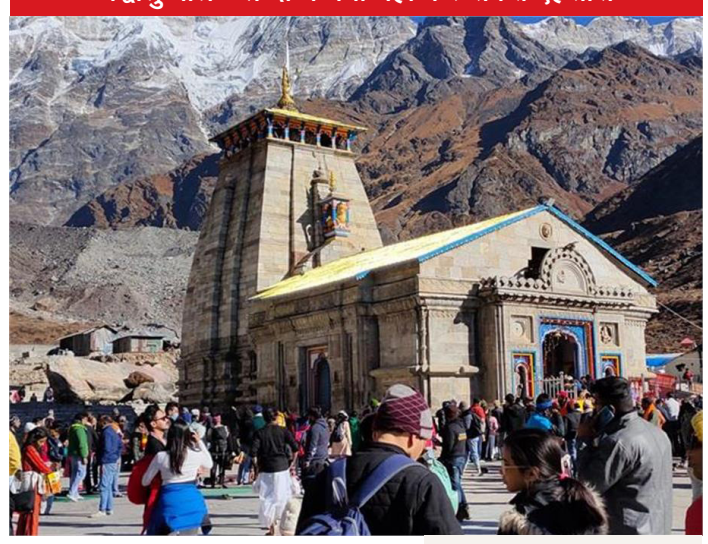

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

देश के सबसे पवित्र तीर्थस्थलों में से एक, केदारनाथ धाम में अभी तीर्थयात्रा का मुख्य समय चल रहा है। वीकेंड और छुट्टियों के कारण हिमालय में स्थित इस मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या लगातार बढ़ रही है। बाबा केदार का आशीर्वाद पाने के लिए देश-विदेश से श्रद्धालु इस पवित्र मंदिर में आ रहे हैं। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, गुरुवार शाम 5 बजे तक इस साल 12.7 लाख से ज्यादा (1,270,903) श्रद्धालुओं ने इस पवित्र मंदिर में पूजा-अर्चना की। केदारनाथ आने वाले श्रद्धालुओं में गहरी श्रद्धा और उत्साह दिखाई दे रहा है। कई श्रद्धालुओं ने कहा कि वे बरसों से बाबा केदार के दर्शन का सपना देख रहे थे और आखिरकार उन्हें यह आध्यात्मिक यात्रा करने का मौका मिला। पूजा-अर्चना के बाद, कई श्रद्धालु भावुक दिखे और उन्होंने इस अनुभव को अपने जीवन के सबसे यादगार पलों में से एक बताया।

■ श्रद्धालुओं ने प्रशासन और मंदिर समिति द्वारा की गई व्यवस्थाओं की भी तारीफ की। उन्होंने दर्शन, सुरक्षा, स्वास्थ्य सेवा, साफ-सफाई और अन्य बुनियादी सुविधाओं पर संतोष व्यक्त किया और कहा कि तीर्थयात्रा सुचारू और कुशलतापूर्वक चल रही है। हालांकि, कुछ श्रद्धालुओं ने मंदिर तक जाने वाले रास्ते पर घोड़ों और खच्चरों की आवाजाही को लेकर चिंता जताई। उन्होंने बताया कि कुछ जगहों पर सामान ढोने वाले जानवरों की भारी आवाजाही के कारण पैदल चलने वालों को अक्सर परेशानी और सुरक्षा जोखिम का सामना करना पड़ता है। श्रद्धालुओं ने अधिकारियों से भीड़ और रास्ते के प्रबंधन में सुधार करने का आग्रह किया ताकि तीर्थयात्रा का अनुभव सुरक्षित और आरामदायक हो सके।

■ गुजरात के एक श्रद्धालु लखन ने कहा, "हम पूरा रास्ता पैदल चलकर यहाँ पहुँचे हैं। यहाँ आकर बहुत अच्छा लग रहा है। माहौल स्वर्ग जैसा है और हम हर पल का आनंद ले रहे हैं।" पहली बार केदारनाथ आए एक अन्य श्रद्धालु ने कहा, "मैं सचमुच प्रभावित हूँ। सुविधाएँ बहुत अच्छी हैं और रास्ते में जगह-जगह शौचालय उपलब्ध हैं।" मंदिर आने का लंबे समय से सपना देख रहे एक श्रद्धालु ने कहा, "जब मैंने पहली बार केदारनाथ के बारे में सुना था, तो मैंने खुद से वादा किया था कि एक दिन मैं यहाँ जरूर आऊँगा। खड़ी चढ़ाई देखकर शुरू में मुझे चिंता हुई, लेकिन मैं भगवान का नाम जपता रहा और आखिरकार यहाँ पहुँच गया।" एक और तीर्थयात्री ने इस अनुभव को इन शब्दों में बयां किया, "यह एहसास शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। इसे असल में वही लोग समझ सकते हैं जो चढ़ाई करते हैं और खुद केदारनाथ का अनुभव करते हैं।"

जाने-माने IFS अधिकारी को लोकपाल में मिली बड़ी जिम्मेदारी

हिंदमाता नेटवर्क @ देहरादून

उत्तराखंड सरकार ने 'व्हिसलब्लोअर' यानी भ्रष्टाचार को उजागर करने के लिए पहचान रखने वाले भारतीय वन सेवा (IFS) के अधिकारी संजीव चतुर्वेदी की भारत के लोकपाल में केंद्रीय प्रतिनियुक्ति को मंजूरी दे दी है। राज्य सरकार ने भ्रष्टाचार-रोधी संस्था में संयुक्त सचिव स्तर के पद पर उनकी नियुक्ति के लिए अनापत्ति प्रमाणपत्र (NOC) और सतर्कता (विजिलेंस) मंजूरी जारी कर दी है। प्रदेश के अपर सचिव हिमांशु खुराना ने इस संबंध में 13 जून को भारत के लोकपाल के अवर सचिव (स्थापना) को पत्र लिखकर जानकारी दी। इससे पहले लोकपाल कार्यालय ने एक पत्र के जरिए राज्य सरकार से चतुर्वेदी के आवेदन पर सहमति मांगी थी। चतुर्वेदी ने सबसे पहले हरियाणा में अपने कार्यकाल के दौरान पेड़ों की अवैध कटाई, अवैध रेत खनन और वन्यजीवों के शिकार के मामलों को उजागर कर राष्ट्रीय स्तर पर ध्यान आकर्षित किया था। इसके बाद उन्होंने 2012 से अगस्त 2014 के बीच दिल्ली स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में मुख्य सतर्कता अधिकारी के रूप में कार्य करते हुए कथित भ्रष्टाचार के करीब 200 मामलों का खुलासा किया। इसके बाद, अगस्त 2016 में उनका तबादला उत्तराखंड कर दिया गया।

अभिषेक बनर्जी ने की लोकसभा स्पीकर ओम बिरला से मुलाकात

बागी सांसदों के खिलाफ 20 याचिकाएं दायर

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

तृणमूल कांग्रेस सांसद अभिषेक बनर्जी ने शुक्रवार शाम लोकसभा स्पीकर ओम बिरला से मुलाकात की और पार्टी में विभाजन के मामले पर अपना पक्ष रखते हुए अलग हुए गुट को मान्यता दिए जाने का विरोध किया। बनर्जी ने बताया कि टीएमसी के 20 बागी सांसदों को अयोग्य करार देने के लिए लोकसभा अध्यक्ष के सामने 20 याचिकाएं दायर की गईं। अभिषेक बनर्जी ने लोकसभा अध्यक्ष (स्पीकर) ओम बिरला से कहा कि सांसद अपने आप किसी दूसरी पार्टी में विलय नहीं कर सकते, इसकी वजह से उन्हें अयोग्य करार दिया जाना जाहिए। अभिषेक के साथ स्पीकर से मिलने वालों में कल्याण बनर्जी, महुआ मोइत्रा भी शामिल थे। स्पीकर से अभिषेक बनर्जी ने कहा कि अकेले सांसद किसी दूसरी पार्टी में विलय नहीं कर सकते हैं।

■ ओम बिरला से मिलने के बाद, सांसद अभिषेक बनर्जी ने कहा, "टीएमसी के 20 सांसद 3-4 दिन पहले स्पीकर ओम बिरला से मिले थे और अपना अलग ग्रुप बनाने का दावा किया था। मीडिया के मुताबिक, उन्होंने दावा किया है कि उनके साथ एक अलग ग्रुप जैसा बर्ताव किया जा रहा है। फिर उनमें से दो से चार ने कुछ घंटों बाद NCPI में मर्ज होने का दावा किया। मैंने, ळटउ के लोकसभा नेता के तौर पर, 20 अलग-अलग अयोग्यता पिटीशन दी हैं। 10वें शेड्यूल उनके खिलाफ है, इन लोगों के खिलाफ है जो अलग ग्रुप बनाने का दावा करते हैं।

■ अभिषेक बनर्जी ने आगे कहा, "हम कोर्ट जाएं या कोई लीगल तरीका ढूंढें, यह एक काल्पनिक सवाल है। लेकिन हमने इसे स्पीकर के फैसले और समझदारी पर छोड़ दिया है। उन्होंने कहा है कि वह दूसरे पक्ष को भी सुनेंगे और फिर हमें दोबारा बुलाएंगे। मुझे उम्मीद है कि लोकसभा स्पीकर संविधान के हिसाब से काम करेंगे और संविधान का गला नहीं घोंटेंगे।"बिरला ने तृणमूल कांग्रेस के निचले सदन में नेता बनर्जी को इस पूरे मुद्दे पर अपना पक्ष रखने के लिए आमंत्रित किया था। यह मामला 20 बागी तृणमूल कांग्रेस सांसदों द्वारा खुद को अलग समूह के रूप में मान्यता दिए जाने की मांग से जुड़ा है, जिन्होंने नेशनलिस्ट सिटिजन्स पार्टी ऑफ इंडिया के साथ विलय किया है। 10 जून को अभिषेक बनर्जी ने लोकसभा स्पीकर को पत्र लिखकर आग्रह किया था कि किसी भी ऐसे समूह को मान्यता, दर्जा या संसदीय सुविधा न दी जाए जो खुद को ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस (एआईटीसी) से अलग गुट बताता है।

■ पार्टी के सांसद कीर्ति आजाद और सागरिका घोष ने रविवार को बिरला के आवास पर जाकर यह पत्र उन्हें सौंपा था। बनर्जी ने अपने पत्र में कहा था, "तृणमूल कांग्रेस को सदन में उसके विधिवत अधिकृत नेता और मुख्य सचेतक के माध्यम से प्रतिनिधित्व करने वाले एकमात्र राजनीतिक दल के रूप में माना जाए तथा किसी भी कथित अलग समूह या गुट को किसी प्रकार की मान्यता, दर्जा या सहूलियत देने से इनकार किया जाए।" उन्होंने महाराष्ट्र के राजनीतिक संकट से जुड़े सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ के फैसले का हवाला देते हुए तर्क दिया था कि संविधान की 10वीं अनुसूची के तहत अब विभाजन का बचाव करने का रास्ता नहीं बचा है और मौजूदा कानूनी व्यवस्था एक समूचे राजनीतिक दल को मान्यता देती है, न कि उसके भीतर प्रतिद्वंद्वी गुटों को। उन्होंने यह भी कहा था, "यदि इस प्रकार का कोई अनुरोध प्राप्त होता है तो उस पर कोई भी निर्णय लेने से पहले तृणमूल कांग्रेस को अपना पक्ष रखने का अवसर दिया जाए।"

सरकार ने हाई कोर्ट में पेश किया हलफनामा

कहा- टेलीग्राम से फैल रहा अवैध कंटेंट, अपराधियों को ट्रैक करना मुश्किल

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

NEETUG विवाद को लेकर केंद्र सरकार ने गुरुवार को दिल्ली हाई कोर्ट को बताया कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म टेलीग्राम अब एक "नया डार्क वेब" बन गया है, जिससे अधिकारियों के लिए अपराधियों को "ट्रैक और पहचानना" मुश्किल हो गया है। 21 जून को होने वाले NEET-UG रीटेस्ट से पहले ऐप तक पहुंच को कुछ समय के लिए रोकने के सरकार के कदम को चुनौती देने वाली टेलीग्राम की याचिका के जवाब में दायर एक हलफनामे में, सरकार ने जवाब दिया कि "उस चैनल का साइज ही टेलीग्राम की गैर-कानूनी परीक्षा से जुड़े कंटेंट को बड़े पैमाने पर फैलाने की क्षमता को दिखाता है।

■ बार एंड बेंच के मुताबिक, जवाबी हलफनामे में लिखा है, "टेलीग्राम नया डार्क वेब बन गया है, जो थ्रेट एक्टर्स को जोड़ता है। अपराधियों ने डीप वेब लिंक के जरिए डार्क वेब फोरम से जुड़ने वाले चैनलों पर लिंक पोस्ट करने के लिए तेजी से टेलीग्राम को अपनाया है, जिससे अधिकारियों के लिए अपराधियों को ट्रैक करना और पहचानना मुश्किल हो गया है। सरकार ने आगे कहा: "जब ऐसी जानकारी बार-बार और बहुत ज्यादा हो जाती है, तो एकमात्र विकल्प इंटरमीडियरी द्वारा होस्ट की गई सभी जानकारी को ब्लॉक करना है, क्योंकि तकनीकी रूप से गैर-कानूनी कंटेंट को कानूनी कंटेंट से अलग करना संभव नहीं है।

अमित शाह National Defectors Alliance बनाने के लिए तैयार, लेकिन सफल नहीं होंगे: जयराम रमेश

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने तृणमूल कांग्रेस और शिवसेना (उबाठा) में बगावत का हवाला देते हुए गुरुवार को दावा किया कि गृह मंत्री अमित शाह लोकसभा में दो-तिहाई बहुमत हासिल करने के लिए 'एनडीए' (राजग) को 'नेशनल डिफेक्टर्स अलायंस' (दलबदलुओं का गठबंधन) बनाने पर आमादा हैं, लेकिन वह अपने मकसद में कामयाब नहीं होंगे। उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस नेतृत्व विपक्षी एकजुटता को बरकरार रखने और अमित शाह के प्रयासों को विफल करने के लिए अपने सहयोगी दलों के साथ निरंतर संपर्क में है।

रमेश ने बातचीत में कहा, "अमित शाह स्पष्ट रूप से एनडीए (नेशनल डेमोक्रेटिक अलायंस) को 'नेशनल डिफेक्टर्स अलायंस' बनाने पर आमादा हैं। इसका कारण यह है कि उन्हें 17 अप्रैल, 2026 को लोकसभा में भारी अपमान का सामना करना पड़ा था, जब परिसीमन संबंधी संविधान संशोधन विधेयक पारित नहीं हो पाया था।" उनका कहना है कि विपक्ष की एकजुटता से यह विधेयक पारित नहीं हो सका था और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन को केवल 298 वोट मिले थे, जबकि 543 सदस्यों वाले सदन में दो-तिहाई बहुमत के लिए 362 वोटों की आवश्यकता थी। कांग्रेस नेता ने कहा, "यह उनके लिए अपमानजनक और बड़ा झटका था। उन्होंने इसकी बिल्कुल भी उम्मीद नहीं की थी। मेरा मानना है कि इसी अपमान का बदला लेने के लिए शाह ने विपक्षी दलों में तोड़फोड़ करने का एक बड़ा अभियान शुरू कर दिया है। वे हर विपक्षी पार्टी को तोड़ने की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन वह अपने मकसद में कामयाब नहीं होंगे।"

■ रमेश ने दावा किया, "मैं आपको विश्वास दिला सकता हूं कि वे लोकसभा में दो-तिहाई बहुमत हासिल करने में सफल नहीं होंगे।" उनका कहना था कि गृह मंत्री और भाजपा द्वारा जो किया जा रहा है, वह संविधान और लोकतंत्र पर हमला है। कांग्रेस नेता ने कहा, "एक जमाने में सरदार पटेल गृह मंत्री थे। शर्म की बात है कि आज उस पद पर बैठे एक स्वयंभू चाणक्य इस तरह की तोड़फोड़ की राजनीति कर रहे हैं।" उत्तर प्रदेश में भाजपा के सहयोगी ओम प्रकाश राजभर द्वारा समाजवादी पार्टी में टूट का दावा किए जाने पर रमेश ने कहा कि यह सब गृह मंत्री द्वारा मनोवैज्ञानिक खेल खेला जा रहा है। कांग्रेस नेता ने दावा किया, "गृह मंत्री दूसरों को कमजोर करने के लिए खबरें प्रचारित करते हैं। वह कामयाब नहीं होंगे। वह किसी भी सूरत में लोकसभा में दो-तिहाई बहुमत का आंकड़ा हासिल नहीं कर पाएंगे।" उन्होंने कहा कि कांग्रेस भी पूरी स्थिति पर नजर बनाए हुए है और अपने सहयोगी दलों के साथ लगातार संपर्क में है। रमेश ने कहा, "हम सभी विपक्षी दलों के साथ संपर्क में हैं... बीते आठ जून को 'इंडिया गठबंधन' की बैठक हुई थी। इसके बाद राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खरगे, के सी वेणुगोपाल और मैं, विपक्ष के लोगों के साथ संपर्क में हैं।" उनका कहना था, "हम भी लगे हुए हैं, हम डरे हुए नहीं हैं, हम डरने वाले भी नहीं हैं। यह मनोवैज्ञानिक खेल हम भी खेल सकते हैं।"

कांग्रेस ने जारी की पेपर लीक से मरने वाले छात्रों की लिस्ट

पीएम मोदी और शिक्षा मंत्री को ठहराया जिम्मेदार

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

NEET-UG परीक्षा में कथित पेपर लीक के विवाद को लेकर देश भर के युवाओं में काफी गुस्सा है। इसी बीच कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने एक नया डिजिटल अभियान शुरू किया है। उन्होंने इसे 'छात्रों की गूंज' नाम दिया है। इसी के साथ राहुल ने पेपर लीक विवाद से तंग होकर अपनी जान गंवाने वाले 12 छात्रों की एक सूची जारी करते हुए केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। नीट पेपर लीक को लेकर कांग्रेस ने एक आधिकारिक बयान जारी किया है। पार्टी ने इन मौतों को प्रशासनिक 'हत्या' करार देते हुए इसके लिए सीधे तौर पर पीएम मोदी और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को जवाबदेह ठहराया है।

कांग्रेस द्वारा जारी की गई सूची-

- प्रदीप मेघवाल, उमेश माली और रेणु मीणा (राजस्थान)
- अंशिका पांडे (दिल्ली)
- ऋतिक मिश्रा और शिवानी यादव (उत्तर प्रदेश)
- सिद्धार्थ हेगड़े (गोवा)
- भाग्यश्री (कर्नाटक)
- आकांक्षा चतुर्वेदी (मध्य प्रदेश)
- रिया कुमारी थापा (उत्तराखंड)
- अनुकीर्तना (तमिलनाडु)
- कहान पटेल (गुजरात)

राहुल गांधी ने युवाओं से की खास अपील

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म (ट्विटर) पर एक पोस्ट के जरिए देश के युवाओं, छात्रों और अभिभावकों से 'छात्रों की गूंज' पहल से जुड़ने की बात कही। इसी के साथ उन्होंने परीक्षा प्रणाली से पीड़ित परिवारों के दर्द को साझा करते हुए लिखा कि "अगर आपने पेपर लीक, परीक्षा में नकल या अत्यधिक फीस का दर्द सहा है और अगर इस व्यवस्था ने आपके सपनों को चकनाचूर कर दिया है, तो 'स्टूडेंट्स इको' आपकी आवाज है। आपका एक हस्ताक्षर इस संघर्ष को मजबूती देगा। जितने ज्यादा नाम होंगे, उतनी ही बुलंद आवाज होगी।"

असम को ऊर्जासंपन्न बनाकर भरोसेमंद आपूर्ति देने पर हिमंत बिस्वा सरमा सरकार का जोर

पंकज नाथ @ असम

असम के मुख्यमंत्री हिमंता विश्व सर्मा ने शुक्रवार को बताया कि राज्य सरकार बिजली क्षेत्र में तेजी से निवेश बढ़ा रही है ताकि असम को ऊर्जा-समृद्ध राज्य बनाया जा सके और घरेलू व औद्योगिक उपभोक्ताओं को विश्वसनीय बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर साझा किए गए संदेश में राज्य के पावर सेक्टर में हुए विकास और चल रही परियोजनाओं की जानकारी दी। वर्तमान में असम में 82 सक्रिय सबस्टेशन हैं जिनकी कुल ग्रिड क्षमता 10,000 MVA है। राज्य का ट्रांसमिशन नेटवर्क अब 5,300 सर्किट किलोमीटर (CKM) तक बढ़ चुका है, जिससे पावर इवैक्यूएशन और वितरण की क्षमता में महत्वपूर्ण सुधार हुआ है।भविष्य की योजनाओं का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि पावर इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट प्रोग्राम के तहत 16 नए सबस्टेशन बनाए जाने की योजना है। इन नए सबस्टेशनों से अनुमानित तौर पर अतिरिक्त 6,340 MVA ग्रिड क्षमता जुड़ने की उम्मीद है, जिससे ट्रांसमिशन सिस्टम और मजबूत होगा। इसके साथ ही 957 CKM नई ट्रान्समिशन लाइनों के कमिशनिंग की तैयारी भी जारी है, जो जनरेटशन स्त्रोतों और मांग केंद्रों के बीच कनेक्टिविटी बेहतर करने के साथ ट्रांसमिशन बॉटलनेक्स को कम करने में मदद करेंगी। सरकार का कहना है कि यह सब आधुनिकरण और विस्तार इसलिए आवश्यक है ताकि औद्योगिक विकास, शहरीकरण और ग्रामीण विद्युतीकरण के कारण बढ़ती हुई बिजली मांग को पूरा किया जा सके। अधिकारियों ने कहा है कि बढ़ी हुई ट्रांसमिशन क्षमता और ग्रिड की विश्वसनीयता असम के दीर्घकालीन आर्थिक विकास लक्ष्यों का समर्थन करने के लिए अनिवार्य हैं। मुख्यमंत्री ने दोहराया कि चल रही परियोजनाओं का उद्देश्य घरों, व्यापारों और उद्योगों को विश्वसनीय तथा गुणवत्ता युक्त बिजली सेवा पहुंचाना है। यह घोषणा राज्य के व्यापक प्रयास का हिस्सा है जिसमें बेहतर बुनियादी ढांचे और निर्बाध बिजली आपूर्ति के माध्यम से असम को उत्तर-पूर्व का प्रमुख आर्थिक केंद्र बनाने की रणनीति शामिल है।सरकार द्वारा किए जा रहे निवेश और योजनाओं से उम्मीद जताई जा रही है कि आने वाले समय में बिजली कटौती में कमी, औद्योगिक निवेश में वृद्धि और आम जनता के लिए बेहतर जीवन-मानक सुनिश्चित होगा।

एसआईटी जांच से सब साफ हो जाएगा

राम भक्तों पर गोली चलवाने वाले उपदेश दे रहे

चंदा चोरी पर अयोध्या में बोले सीएम योगी

हिंदमाता नेटवर्क @ लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या जनपद के रुदौली विधानसभा क्षेत्र में एक भव्य कार्यक्रम के दौरान राजकीय आयुर्वेदिक महाविद्यालय एवं चिकित्सालय सहित 378 करोड़ से अधिक की 126 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। उन्होंने वहां वीरांगना झलकारी बाई की प्रतिमा का अनावरण भी किया। मंच से जनता को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने अयोध्या में चंदा चोरी के आरोपों पर कड़ा रुख अपनाया। उन्होंने कहा कि राम मंदिर के लिए 500 साल संघर्ष हुआ है, इसलिए कोई भी अयोध्या को बदनाम न करे। किसी के पास चंदा चोरी का कोई सबूत है तो वह एसआईटी को दे, इसकी पूरी जांच और सख्त एक्शन होगा।

बेटियों के लिए पीएसी की 3 नई बटालियन

अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने राष्ट्रनायकों और वीरांगनाओं के प्रति श्रद्धा भाव को राष्ट्रभक्ति की प्रेरणा बताया। उन्होंने घोषणा की कि डबल इंजन की सरकार ने महारानी लक्ष्मीबाई, महारानी दुर्गावती, अवंतीबाई लोधी, झलकारी बाई और उदा देवी के सम्मान में कई अभियान शुरू किए हैं। इसी कड़ी में सरकार ने वीरांगना अवंतीबाई लोधी, झलकारी बाई कोरी और वीरांगना उदादेवी पासी के नाम पर पीएसी की तीन नई बटालियन गठित की हैं। सबसे खास बात यह है कि इन तीनों बटालियन में केवल बेटियों की ही भर्ती की जाएगी।

अयोध्या को बदनाम करने वालों पर बरसे सीएम

सीएम योगी ने विपक्ष पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि आरोप लगाने वाले लोग केवल बदनाम करने का काम कर रहे हैं। इनका आचरण सबके सामने है, जिन्होंने कभी राम भक्तों पर गोलियां चलवाईं, श्री राम बोलने पर लाठियां चलवाईं और कोर्ट में प्रभु राम के खिलाफ केस लड़े। मुख्यमंत्री ने नसीहत दी कि जांच रिपोर्ट आने तक कोई भी इस मामले में बयानबाजी न करे और किसी के चरित्र हनन का प्रयास न करे। उन्होंने भरोसा दिया कि अगर कोई अपराधी है तो वह बचेगा नहीं, यह पूरी तरह कन्फर्म है। बकौल सीएम योगी- सबको अपनी जिम्मेदारी का दायित्व निभाना होगा। जिम्मेदारी का दायित्व निभायेंगे तभी विकास होगा। सपा जय श्री राम कहने पर गोली चलवाती थी। हमने ट्रस्ट की मांग पर एसआईटी बनवाई। जल्द ही दूध का दूध और पानी का पानी होगा।

अब भाजपा से हटा भगवान राम का आशीर्वाद

बोले सपा सांसद अवधेश प्रसाद

हिंदमाता नेटवर्क @ लखनऊ

अयोध्या (फैजाबाद) से समाजवादी पार्टी के सांसद अवधेश प्रसाद ने राम मंदिर के चढ़ावे में हुई चोरी के मामले को लेकर सरकार और भारतीय जनता पार्टी को घेरा है। उन्होंने कहा कि इस पूरे घोटाले का सबसे पहले खुलासा 7 जून को सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने किया था, जिसके दबाव में आकर अब सरकार को विशेष जांच दल का गठन करना पड़ा है। अवधेश प्रसाद ने कहा कि उन्हें और उनकी पार्टी को भी एसआईटी की इस जांच रिपोर्ट का बेसब्री से इंतजार है ताकि पूरे मामले का सच खुलकर जनता के सामने आ सके।

'अखिलेश यादव सपरिवार करेंगे रामलला के दर्शन'

सपा अध्यक्ष के अयोध्या दौरे पर बात करते हुए अवधेश प्रसाद ने बताया कि अखिलेश जी ने पहले ही कहा है कि जब मंदिर का निर्माण कार्य पूरी तरह संपन्न हो जाएगा और प्राण प्रतिष्ठा हो जाएगी, तब वह अपने पूरे परिवार के साथ भगवान राम के दर्शन करने अयोध्या जरूर आएंगे। राम भक्तों पर गोली चलवाने के आरोपों पर उन्होंने सफाई दी कि समाजवादी पार्टी ने कभी राम भक्तों पर गोली नहीं चलवाई। जिन्होंने भी उस वक्त गोली चलवाई थी, वे लोग आज भारतीय जनता पार्टी के साथ खड़े हैं।

भगवान राम ने मुझे दिया अपना आशीर्वाद

सांसद अवधेश प्रसाद ने भाजपा के दावों पर पलटवार करते हुए कहा कि भगवान राम का आशीर्वाद अब भारतीय जनता पार्टी से पूरी तरह हट चुका है। प्रभु राम अब हमारे हैं और उन्होंने मुझे अपना आशीर्वाद देकर अयोध्या का सांसद बनाया है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि अगर भगवान राम भाजपा के साथ होते, तो लोकसभा चुनाव 2024 में उनका सूपड़ा साफ नहीं होता।

सीएम योगी के बयान पर कही यह बात

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बयानों और इस मामले की जांच पर प्रतिक्रिया देते हुए सपा सांसद ने कहा कि योगी बाबा क्या कहते हैं, यह वही जानें। हालांकि, उन्होंने जोर देकर कहा कि इस महाघोटाले का सच सामने आना बेहद जरूरी है। चूंकि अब इस मामले की आधिकारिक जांच शुरू हो चुकी है, इसलिए सभी को एसआईटी की अंतिम रिपोर्ट आने तक थोड़ा इंतजार करना होगा। जो भी दोषी होगा, वह बचेगा नहीं।

शॉर्ट स्टोरी

प्यार, पार्टी और धोखा, गर्भपात के बाद शादी से मुकरा इंस्टाग्राम फ्रेंड

हिंदमाता नेटवर्क @ मुजफ्फरपुर

बिहार के मुजफ्फरपुर में सोशल मीडिया के जरिए हुई दोस्ती एक नाबालिग छात्रा के लिए दर्दनाक साबित हुई। पीड़िता ने आरोप लगाया है कि इंस्टाग्राम पर दोस्ती के बाद युवक ने उसे प्रेम जाल में फंसाया, फिर अपने जन्मदिन की पार्टी में बुलाकर नशीला पदार्थ मिलाकर ड्रिंक पिलाई और बेहोशी की हालत में उसके साथ दुष्कर्म किया। इसके बाद शादी का झांसा देकर लंबे समय तक उसका यौन शोषण करता रहा। पीड़िता ने महिला थाना में दिए लिखित आवेदन में आरोप लगाया है कि जब उसने शादी के लिए दबाव बनाया तो आरोपी युवक मुकर गया। इतना ही नहीं, उसने उसे ब्लैकमेल करना और प्रताड़ित करना भी शुरू कर दिया। मामले में पुलिस ने शिकायत मिलने के बाद प्राथमिकी दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। टाउन डीएसपी सुरेश कुमार ने बताया कि पीड़िता मिठनपुरा थाना क्षेत्र की रहने वाली नाबालिग है। उसने एक युवक पर शादी का झांसा देकर यौन शोषण करने और प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है। आवेदन के आधार पर महिला थाना में केस दर्ज किया जा रहा है और पूरे मामले की जांच शुरू कर दी गई है। पीड़िता ने अपने आवेदन में बताया कि वह पारिवारिक आर्थिक तंगी के कारण एक मॉल में काम करती है। इसी दौरान उसकी इंस्टाग्राम के जरिए आरोपी युवक से पहचान हुई। आरोपी भी काजी मोहम्मदपुर थाना क्षेत्र के पास स्थित एक मॉल में काम करता है। शिकायत के मुताबिक, सोशल मीडिया पर बातचीत के बाद दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ीं। कुछ समय बाद युवक ने अपने जन्मदिन की पार्टी में उसे बुलाया। पीड़िता का आरोप है कि पार्टी के दौरान आरोपी ने उसकी कोल्ड ड्रिंक में नशीला पदार्थ मिला दिया।

4 घंटे 41 मिनट में पटना-टू-दिल्ली, बुलेट ट्रेन पर शुरू होगा काम

हिंदमाता नेटवर्क @ पटना

देश की राजधानी दिल्ली को बिहार की राजधानी पटना से बुलेट ट्रेन के जरिये जोड़ने पर सरकार काफी गंभीरता से काम कर रही है। रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा है कि पटना एक बार बुलेट नेटवर्क से जुड़ जाएगा तो इससे बिहार को काफी सुविधा मिलेगी। उन्होंने कहा कि पटना से दिल्ली की यात्रा मात्र 4 घंटे 41 मिनट की रह जाएगी। उन्होंने कहा कि आगे पटना से सिलीगुड़ी तक बुलेट ट्रेन का विस्तार किया जाएगा। आने वाले समय में इसके लिए भी तैयारी शुरू हो गई है। पहली बुलेट ट्रेन अहमदाबाद से मुंबई के बीच में अगले साल शुरू होने वाली है। रेल मंत्री ने कहा कि आने वाले समय में बिहार में बुलेट ट्रेन आएगी। ये ट्रेन दिल्ली से लखनऊ, लखनऊ से वाराणसी, वाराणसी से पटना और पटना से सिलिगुड़ी तक जाएगी। इसके बाद दिल्ली से पटना की यात्रा मात्र 4 घंटे और 41 मिनट की रह जाएगी। इससे पहले रेल मंत्री ने कहा था कि भारत ने अब स्वयं बुलेट ट्रेन बनाने की क्षमता रखता है। उन्होंने अगले साल मुंबई-पुणे बुलेट ट्रेन कॉरिडोर पर काम शुरू करने की घोषणा की है। पटना-दिल्ली बुलेट ट्रेन (हाई-स्पीड रेल) प्रोजेक्ट भारत के पूर्वी हाई-स्पीड रेल नेटवर्क का हिस्सा है। यह अभी पूर्ण रूप से प्लानिंग और सर्वे स्टेज में है, यहां अभी निर्माण कार्य शुरू नहीं हुआ है। यह बुलेट ट्रेन दिल्ली-वाराणसी-सिलीगुड़ी हाई-स्पीड कॉरिडोर का हिस्सा है। पटना इस रूट पर प्रमुख स्टेशन होगा। दिल्ली से पटना की दूरी अभी लगभग 1000 से 1100 किलोमीटर के बीच में है। इस यात्रा में अभी 12 से 17 घंटे लगते हैं। लेकिन बुलेट ट्रेन के बाद ये यात्रा 5 घंटे से भी कम समय में पूरी की जा सकेगी। बिहार दौरे पर आए केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शुक्रवार को कहा कि केंद्र सरकार ने बिहार में रेल इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास के लिए चालू वित्त वर्ष में 10,000 करोड़ रुपए से ज्यादा का रिकॉर्ड बजट आवंटित किया है।

बेगूसराय गैंग रेप पीड़िता की देवरानी ने सुनाई खौफनाक रात की दास्तां

हिंदमाता नेटवर्क @ बेगूसराय

बिहार के बेगूसराय में महिला से गैंगरेप और हैवानियत के बाद आज तक की खबर का असर हुआ और डीआईजी शैलेश कुमार ने चकिया थाना अध्यक्ष राजीव रंजन को तत्काल निलंबित कर दिया है। दरअसल,आरोप है कि 11 जून की रात पांच लोगों ने एक महिला के घर में घुसकर उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म किया था। पीड़िता ने आरोप लगाया कि घटना के दौरान उसके साथ मारपीट भी की गई। बाद में तबीयत बिगड़ने और दर्द बढ़ने पर उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां जांच के दौरान उसके गुप्तांग में कारतूस, पत्थर, लकडी डालने की पुष्टि हुई थी। हालांकि 13 जून को इस मामले में एफआईआप दर्ज कर ली गई थी, लेकिन आरोप है कि पुलिस की ओर से समय पर अपेक्षित कार्रवाई नहीं की गई इसी को लेकर पुलिस की कार्यशैली पर लगातार सवाल उठ रहे थे। मामले की गंभीरता को देखते हुए डीआईजी शैलेश कुमार ने चकिया थानाध्यक्ष की भूमिका की समीक्षा की और प्रथम दृष्या लापरवाही पाए जाने पर उन्हें निलंबित कर दिया। इसके अलावा डीआईजी खुद सदर अस्पताल पहुंचे और पीड़िता से मुलाकात कर पूरे मामले की जानकारी ली।उन्होंने बताया कि आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया गया है, जो लगातार कार्रवाई कर रहा है। महिला के आवेदन पर रामू महतो , सूरज कुमार और नीतीश कुमार समेत दो अज्ञात पर हुई है। आरोप है कि इन्हीं पांचों ने पीड़िता के पति के कमरे का दरवाजा बाहर से बंद कर पीड़िता को शौचालय के पास से खींचकर बरामदे में गैंगरेप की घटना को अंजाम दिया था। बदमाशों की हैवानियत का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि महिला के प्राइवेट पार्ट में कारतूस पत्थर और लकड़ी तक डाल दिया गया था। आरोपियों के बारे में बताया जाता है कि राजू महतो कुग्यात बदमाश है। उस पर रेलवे में तीन से चार मामले जबकि लोकल चकिया थाना में भी एक मामला दर्ज है, वहीं नीतीश कुमार पर एक आर्मस एक्ट का मामला दर्ज है जबकि सूरज कुमार पर किसी तरह का कोई आपराधिक मामला थाने में दर्ज नहीं है।

बागपत में पकड़ा गया करीब 600 केजी नकली पनीर

गड्ढा खोदकर किया दफन

हिंदमाता नेटवर्क @ बागपत

बागपत में खाद्य सुरक्षा विभाग और प्रशासन की संयुक्त टीम ने बड़ौत क्षेत्र में एक विशेष अभियान के तहत छापेमारी की। इस दौरान गाजियाबाद से लाई जा रही 580 किलो से अधिक नकली पनीर और 240 किलो संदिग्ध क्रीम की बड़ी खेप को बाजार में खपने से पहले ही पकड़ लिया गया। अधिकारियों ने इस मिलावटी और स्वास्थ्य के लिए खतरनाक उत्पाद के नमूने जांच के लिए सुरक्षित किए। इसके बाद लाखों रुपए कीमत के इस पूरे माल को जनता की सेहत की सुरक्षा के मद्देनजर अधिकारियों की मौजूदगी में जेसीबी मशीन से गहरा गड्ढा खुदवाकर जमीन में दफनाकर पूरी तरह नष्ट कर दिया। यह पूरी खेप गाजियाबाद से बागपत लाई गई थी। मिलावटखोर इसे जिले की विभिन्न फुटकर दुकानों, ढाबों और होटलों में सप्लाई करने की तैयारी में थे। खाद्य विभाग को पहले ही सूचना मिल गई थी कि जिले में बड़ी मात्रा में नकली डेयरी उत्पाद खपाए जाने वाले हैं। इस सूचना पर टीम ने बड़ौत में घेराबंदी कर इस खेप को दबोच लिया, जिससे लोगों की सेहत से खिलवाड़ होने से बच गया।

जेसीबी से गड्ढा खोदकर माल किया नष्ट

कार्रवाई के बाद प्रशासन ने इस नकली माल को बाजार से दूर रखने के लिए कड़ा फैसला लिया। अधिकारियों की देखरेख में जेसीबी मशीन बुलवाई गई और जमीन में गहरा गड्ढा करवाकर 580 किलो नकली पनीर और 240 किलो क्रीम को दफन कर दिया गया। सहायक खाद्य आयुक्त डी।पी।सिंह ने बताया कि बरामद माल की कीमत लाखों रुपए में है और मिलावटखोरों के खिलाफ यह सख्त अभियान आगे भी जारी रहेगा।

'चंपत राय पूजनीय हैं..', चंदा चोरी विवाद पर बोले डिप्टी सीएम केशव मौर्य

हिंदमाता नेटवर्क @ लखनऊ

उत्तर प्रदेश के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने अपने दो दिवसीय झांसी दौरे के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के अयोध्या कार्यक्रम से चंपत राय को अलग रखने और चंदा चोरी के आरोपों पर बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि चंपत राय आदरणीय, पूज्यनीय और रामकाज के लिए समर्पित रामभक्त हैं। गौरतलब है कि अयोध्या प्रशासन द्वारा मुख्यमंत्री के दर्शन-पूजन प्रोटोकॉल में चंपत राय की जगह उनके प्रतिनिधि को भेजने की बात सामने आई है, जिसे एसआईटी पूछताछ से जोड़कर देखा जा रहा है। इस पर डिप्टी सीएम ने साफ किया कि आरोप लगना अलग बात है, मामले की जांच चल रही है और जिस भी व्यक्ति या कर्मचारी ने गलत किया होगा, उसे सजा जरूर मिलेगी।

शिवपाल यादव को केशव मौर्य की दो टूक

सपा नेता शिवपाल यादव के उस बयान पर जिसमें उन्होंने कहा था कि 'हमने केशव को कई बार हराया है', डिप्टी सीएम ने तीखा पलटवार किया। केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि शिवपाल यादव बड़े नेता हैं, वह केशव जी के चक्कर में न पड़ें और पहले अपने भतीजे को संभालें। चंपत राय के बचाव में उन्होंने आगे कहा कि वह हनुमान जी महाराज की तरह भगवान श्रीराम की सेवा में रहते हैं।

सभी मुसलमानों के पुरखे भगवान श्रीराम हैं

डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने पूर्व सपा सांसद एसटी हसन के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि इसमें कुछ भी गलत नहीं है। उन्होंने कहा कि यह सब मुसलमान पहले हिंदू ही थे और जब हिंदू थे तो सबके पुरखे भगवान राम हैं। हम लोग उन्हें भगवान मानते हैं और वह उन्हें अपने पुरखे मानते हैं। उन्होंने राम मंदिर को लेकर अखिलेश यादव द्वारा दी जा रही बयानबाजी पर कड़ा ऐतराज जताया और कहा कि लोगों को ऐसी बयानबाजी से बाज आना चाहिए क्योंकि अयोध्या करोड़ों रामभक्तों की आस्था का केंद्र है।

दालमंडी में 6 मस्जिदों की सड़क चौड़ीकरण को लेकर बढ़ी हलचल

मुहर्रम बाद कार्रवाई की अटकलें

हिंदमाता नेटवर्क @ वाराणसी

वाराणसी के मुस्लिम बहुल इलाके दालमंडी में सड़क चौड़ीकरण परियोजना को लेकर प्रशासन की गतिविधियां तेज हो गई हैं। काशी विश्वनाथ धाम को चौक क्षेत्र से जोड़ने वाले करीब 650 मीटर लंबे मार्ग को 60 फीट चौड़ा करने की योजना के तहत प्रशासनिक टीम ने सुरक्षा बलों की मौजूदगी में क्षेत्र का सर्वे और अंतिम पैमाइश की प्रक्रिया पूरी की। इस कार्रवाई के बाद इलाके में चचाओं का बाजार गर्म है और लोगों की निगाहें प्रशासन के अगले कदम पर टिकी हुई हैं।

इन 6 मस्जिदों का हुआ सर्वे

प्रशासनिक टीम ने जिन मस्जिदों की पैमाइश की, उनमें यह 6 मस्जिदों के नाम शामिल हैं—

- मिर्जा करीमुल्लाह बेग मस्जिद
- संगमरमर वाली मस्जिद
- अली रजा खान मस्जिद
- निसारन मस्जिद
- रंगीले शाह मस्जिद
- लंगड़े हाफि ज मस्जिद

चौड़ीकरण परियोजना की जद में आए 181 से अधिक भवन

जानकारी के अनुसार, चौड़ीकरण परियोजना की जद में 181 से अधिक भवन आए हैं, जिनमें से बड़ी संख्या में भवनों पर कार्रवाई की प्रक्रिया पहले से जारी है। इसी क्रम में दालमंडी क्षेत्र की छह प्रमुख मस्जिदों की भी पैमाइश की गई। स्थानीय स्तर पर यह चर्चा भी तेज है कि मुहर्रम के बाद परियोजना से संबंधित आगे की कार्रवाई की जा सकती है। हालांकि प्रशासन की ओर से किसी संभावित ध्वस्तीकरण अभियान की आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है।

'मेरा गाना बजाओ': फरमाइश पूरी नहीं हुई तो नर्तकी को मार दी गोली

तड़प-तड़पकर तोड़ा दम, यूपी से बिहार गई थी सोनू

हिंदमाता नेटवर्क @ गोपालगंज

बिहार के गोपालगंज जिले में एक शादी समारोह उस समय मातम में बदल गया जब फरमाइशी गीत को लेकर हुए विवाद में एक नर्तकी की गोली मारकर हत्या कर दी गई। घटना के बाद समारोह स्थल पर अफरा-तफरी मच गई और आरोपी मौके से फरार हो गए। नर्तकी सोनू गोड तरकुलवा थाना क्षेत्र का रहने वाला था।

शादी में चल रहा था नाच गाने का कार्यक्रम

पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश तेज कर दी है। घटना गोपालगंज जिले के कटेया थाना क्षेत्र के पटूहा जमुनहा गांव की है। महेंद्र कुशवाहा के यहां शादी समारोह के अवसर पर नाच-गाने का कार्यक्रम आयोजित किया गया था। कार्यक्रम में देवरिया जिले के तरकुलवा थाना क्षेत्र के सिसवा गांव निवासी थर्ड जेंडर नर्तकी सोनू गोड अपने दल के साथ प्रस्तुति दे रहा था।

सोनू के पेट में लगी गोली

मारपीट के बीच चली गोली सोनू को लगी और उसकी मौके पर मौत हो गई। कार्यक्रम संचालक एवं देवरिया जिले के मालसी चौराहा निवासी रामायण यादव ने बताया कि विवाद के दौरान युवकों ने नर्तकी के साथ अभद्र व्यवहार करते हुए मारपीट शुरू कर दी।

भ्रष्ट ट्रस्ट को तुरंत भंग कर चंपत राय को भेजो जेल

राम मंदिर चंदा चोरी पर संजय सिंह का बड़ा हमला

हिंदमाता नेटवर्क @ अयोध्या

आम आदमी पार्टी (आप) के वरिष्ठ नेता, राज्यसभा सांसद और उत्तर प्रदेश के प्रभारी संजय सिंह ने आज राजधानी लखनऊ में एक प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए अयोध्या के राम मंदिर ट्रस्ट में हुए कथित चंदा चोरी और भ्रष्टाचार को लेकर भारतीय जनता पार्टी और केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला। संजय सिंह ने ऐलान किया कि उन्होंने अयोध्या के राम जन्मभूमि थाना अध्यक्ष को राम मंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय और अन्य अभियुक्तों के खिलाफ नामजद तहरीर भेजकर तत्काल ऋफ्रदर्ज करने और उनकी गिरफ्तारी की मांग की है। सांसद संजय सिंह ने कहा, चंदा चोरी के इस महाघोटाले से पूरा देश हैरान है। खुलासे के बाद खुलासे हो रहे हैं और भ्रष्टाचार की पोल खुलती जा रही है। प्रभु श्री राम के नाम पर आए चढ़ावे और चंदे में जो डकैती हो रही है, उसे भाजपा सरकार और उनकी जांच एजेंसियों का पूरा संरक्षण प्राप्त है।

ईडी पार्टी और भ्रष्ट ट्रस्ट पर तीखे सवाल

भाजपा पर तंज कसते हुए संजय सिंह ने कहा कि देश में एक ईडी पार्टी काम कर रही है, जो विपक्ष के हर छोटे-बड़े मामले में ईडी और सीबीआई भेज देती है, लेकिन भगवान राम के दान पात्र से सैकड़ों करोड़ की चोरी पर उसकी जुबान बंद है।

गुटखा लेने निकले आनंद की नासिर ने क्यों काटी गर्दन?

बुलडोजर और मुआवजे के ऐलान के बाद थमा बवंडर

हिंदमाता नेटवर्क @ संतकबीरनगर

यूपी के संतकबीरनगर में दलित युवक की गला रेतकर हत्या के बाद उपजे तनाव को प्रशासन ने शांत करा लिया है। आरोपी के घर बुलडोजर कार्रवाई, पीड़ित परिवार को 9 लाख की आर्थिक सहायता, संविदा पर एक नौकरी और बच्चों के भरण-पोषण भत्ते के आश्वासन के बाद परिजन शव के अंतिम संस्कार के लिए राजी हो गए हैं। आपको बता दें कि बखिरा थाना क्षेत्र स्थित बभनी चौराहे पर देर शाम कोलकी चमरसन गांव के निवासी 26 वर्षीय दलित युवक आनंद कुमार की नासिर अली और उसके साथियों ने धारदार हथियार से गला रेतकर निर्मम हत्या कर दी। आनंद अपनी मोटरसाइकिल से बभनी चौराहे पर गुटखा लेने गया था, तभी पुरानी रंजिश के चलते आरोपियों ने पीछे से पकड़कर उसकी गर्दन पर हमला कर दिया। इस वारदात के बाद भड़की आक्रोशित भीड़ ने आरोपी के घर और कई गुमटियों में आगजनी कर रास्ता जाम कर दिया। पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर सुरक्षा व्यवस्था संभाली।

छेड़खानी के विरोध में दी खौफनाक सजा

मृतक के भाई और चचेरी बहन के मुताबिक, बीती 6 जून को उनके परिवार में एक शादी समारोह था। उस दौरान मुख्य आरोपी नासिर अली अपने साथियों के साथ घर के सामने से गुजरते हुए परिवार की लड़कियों के साथ अश्लील इशारे और छेड़खानी कर रहा था। पीड़ित परिवार द्वारा इसका कड़ा विरोध करने पर नासिर के साथ उनकी तीखी नोकझोंक हुई थी। इसी रंजिश का बदला लेने के लिए नासिर ने अपने साथियों के साथ मिलकर बभनी चौराहे पर आनंद की हत्या कर दी। इलाके में प्रेम-प्रसंग की भी चर्चा है, जिसकी पुलिस जांच कर रही है। आनंद की मौत की खबर मिलते ही बभनी चौराहे और कुसम्हा गांव में भारी तनाव फैल गया। आक्रोशित ग्रामीणों ने बभनी-पिपरा बोरिंग मार्ग पर शव रखकर प्रदर्शन किया और जमकर तोड़फोड़ की।

हिंदमाता एंकरः पहला कॉरिडोर वरुणा नदी के किनारे एनएच-31 से रिंग रोड तक करीब 21.153 किलोमीटर लंबा होगा, वहीं दूसरा लगभग 18.100 किलोमीटर लंबा बनाया जाएगा

39 किमी लंबा, 25000 करोड़ खर्च, वाराणसी के लिए गेम चेंजर गंगा-वरुणा एलिवेटेड कॉरिडोर

हिंदमाता संवाददाता @ वाराणसी

वाराणसी को देश के सबसे आधुनिक और सुगम धार्मिक शहरों में बदलने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ड्रीम प्रोजेक्ट माने जा रहे करीब 25 हजार करोड़ रुपए की वरुणा और गंगा एलिवेटेड कॉरिडोर परियोजनाओं पर तेजी से काम शुरू हो गया है। इन दोनों परियोजनाओं से वाराणसी की ट्रैफिक व्यवस्था पूरी तरह बदलने वाली है। इन परियोजनाओं के पूरा होने के बाद वाराणसी में दिल्ली-एनसीआर की तर्ज पर एलिवेटेड सड़कों का नेटवर्क विकसित होगा, जिससे शहर में लगने वाले जाम से राहत मिलेगी और श्रद्धालुओं को भी बाबा विश्वनाथ के दर्शन के लिए बेहतर कनेक्टिविटी मिलेगी। एनएचएआई की ओर से प्रस्तावित इन परियोजनाओं के लिए भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया तेज कर दी गई है। प्रशासन ने प्रभावित 41 गांवों में जमीन की खरीद-बिक्री, दान-पत्र, सट्टा इकरारनामा, भूमि उपयोग परिवर्तन और सरकारी जमीन के आवंटन पर अगले आदेश तक रोक लगा दी है।

भूमि अधिग्रहण को लेकर प्रशासन सख्त

डीएम सत्येंद्र कुमार की ओर से जारी आदेश के अनुसार, परियोजना से प्रभावित क्षेत्रों में किसी भी प्रकार के भूमि संबंधी लेन-देन पर प्रतिबंध रहेगा। प्रशासन का मानना है कि इससे परियोजना के लिए भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया पारदर्शी और सुगम तरीके से पूरी की जा सकेगी। एनएचएआई की योजना के तहत वरुणा नदी के किनारे एनएच-31 को वाराणसी रिंग रोड से जोड़ने के लिए फोर लेन वरुणा लिंक कॉरिडोर विकसित किया जाएगा। इसके साथ ही गंगा नदी के किनारे भी एक विशाल एलिवेटेड रोड का निर्माण प्रस्तावित है।

क्या है गंगा और वरुणा एलिवेटेड रोड परियोजना?

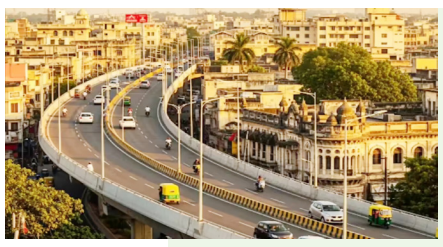

इस महत्वाकांक्षी योजना के तहत दो बड़े सिक्स लेन एलिवेटेड कॉरिडोर बनाए जाएंगे। पहला कॉरिडोर वरुणा नदी के किनारे एनएच-31 से रिंग रोड तक करीब 21.153 किलोमीटर लंबा होगा। वहीं दूसरा कॉरिडोर गंगा नदी के किनारे एनएच-19 से रिंग रोड तक लगभग 18.100 किलोमीटर लंबा बनाया जाएगा। इन दोनों परियोजनाओं का मुख्य उद्देश्य शहर के भीतर यातायात का दबाव कम करना और बाहरी क्षेत्रों से आने वाले यात्रियों को सीधे उनके गंतव्य तक पहुंचाना है। इससे श्रद्धालुओं और यात्रियों को शहर के भीड़भाड़ वाले इलाकों में प्रवेश करने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

बाबा विश्वनाथ आने वाले श्रद्धालुओं को मिलेगी बड़ी राहत

परियोजना का सबसे बड़ा लाभ काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन करने आने वाले लाखों श्रद्धालुओं को मिलेगा। वर्तमान में मंदिर तक पहुंचने के लिए शहर के व्यस्त मार्गों से गुजरना पड़ता है, जिससे जाम और समय की समस्या बनी रहती है। नई व्यवस्था लागू होने के बाद मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, बिहार, झारखंड, गाजीपुर, बलिया, प्रयागराज और भदोही जैसे क्षेत्रों से आने वाले श्रद्धालु सीधे एलिवेटेड कॉरिडोर के जरिए निर्धारित पार्किंग स्थल तक पहुंच सकेंगे। वहां से उन्हें मंदिर तक सुगम और व्यवस्थित आवागमन की सुविधा मिलेगी।

शहर को जाम मुक्त बनाने की दिशा में बड़ा कदम

वाराणसी के मेयर अशोक तिवारी का कहना है कि शहर को जाम मुक्त बनाने के लिए कई प्रयास किए गए, लेकिन उम्मीद के मुताबिक सफलता नहीं मिल सकी। उन्होंने कहा कि एनएचएआई की यह परियोजना काशी के लिए गेम चेंजर साबित होगी। मेयर के मुताबिक, एलिवेटेड रोड के मुख्य ढांचे के लिए करीब 25 से 30 मीटर चौड़ी भूमि पर्याप्त होती है, लेकिन रैंप, सर्विस लेन और अन्य सुविधाओं को जोड़ने पर 45 से 60 मीटर तक भूमि की आवश्यकता पड़ सकती है।

मेरी शक्तियों की कोई सीमा नहीं

ट्रंप ने खुद को बताया हिटलर-नेपोलियन से भी ज्यादा ताकतवर

हिंदमाता नेटवर्क @ वॉशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार को दावा किया कि ईरान के साथ जंग शुरू होने के बाद से उन्हें अपनी पॉवर की कोई लिमिट नहीं दिखी है। जल्द ही आने वाली एक किताब से पता चलता है कि उनके दिमाग में इससे भी बड़ा विचार चल रहा है, वे खुद को इतिहास का सबसे शक्तिशाली व्यक्ति मान रहे हैं। माना जा रहा है कि ट्रंप अब केवल राष्ट्रपति पद की सीमाओं को नहीं परख रहे हैं। वह ताकत को विश्व-इतिहास के नजरिए से देख रहे हैं। एक इंटरव्यू में ट्रंप ने कहा, 'अगर मैं न होता, तो आज इजरायल का अस्तित्व ही नहीं होता।' उन्होंने यह भी जोड़ा कि प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के साथ उनके संबंध अच्छे हैं, लेकिन हमें उन्हें थोड़ा समझदार बनाए रखना होगा। ट्रंप ने ईरान डील पर भड़के रिपब्लिकन हॉक्स के प्रति भी ऐसा ही रुख अपनाया, उन्होंने कहा कि कुछ लोग जिनकी मैं कभी रिस्पेक्ट करता था, अब नहीं करता। वे हार्डलाइनर्स हैं। एक्सियोस के मार्क कैपुटो के साथ जल्द ही रिलीज होने वाले एक 45 मिनट के इंटरव्यू में ट्रंप ने बार-बार पॉवर को सामने वाले के झुकने से मापा है। उन्होंने कहा कि जी7 लीडर्स ने उनकी बात का भरोसा कर लिया जब उन्होंने मजाक में कहा 'मैं बॉस हूं', वहीं ट्रंप ने बताया कि इजरायल के मन में उनके लिए बहुत रिस्पेक्ट है और वह वही करेगा जो मैं कहूंगा। 'द न्यूयॉर्क टाइम्स' की मैगी हैबरमैन और जोनाथन स्वान की मंगलवार को आने वाली किताब रिजीम चेंज में डोनाल्ड ट्रंप गर्व से एक दस्तावेज दिखाते हैं जिसमें तर्क दिया गया है कि वह अटिला द हुन, चंगेज खान, नेपोलियन, स्टालिन, माओ और हिटलर से भी ज्यादा शक्तिशाली हैं। लेखक लिखते हैं कि ट्रंप ने इतिहास की कुछ सबसे शक्तिशाली हस्तियों के नाम गिनाए और बताया कि कैसे हर कोई अमेरिकी राष्ट्रपति के तौर पर उनकी अपनी ताकत के मुकाबले कमतर था। ट्रंप ने अलेक्जेंडर द ग्रेट, सीजर और विलियम द कॉन्करर के बारे में कहा, उनके पास हवाई जहाज नहीं थे, आप घूम-फिर नहीं सकते थे। लेखक के अनुसार, उन्होंने नेपोलियन का ज़िक्र भी किया। हैबरमैन और स्वान लिखते हैं कि सबसे अहम बात माओ, हिटलर और स्टालिन की संगति में उन्हें मिलने वाली साफ खुशी थी और कितनी आसानी से उन्होंने उन लोगों के बीच अपनी जगह स्वीकार कर ली जिन्होंने जीत और डर के जरिए दुनिया को नए सिरे से गढ़ा था। ताकत के उस भव्य सिद्धांत की झलक ट्रंप के एक्सिओस के इंटरव्यू में भी दिखी, जो जी7 शिखर सम्मेलन से लौटने के कुछ घंटों बाद हुआ था।

शी जिनपिंग और पीएम मोदी की तारीफ

ट्रंप ने चीन के शी जिनपिंग और भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नाम उन विश्व नेताओं के तौर पर लिया जिनका वह सबसे ज्यादा सम्मान करते हैं। उन्होंने शी की तारीफ काम पर पूरी तरह केंद्रित और पीएम मोदी की तारीफ बहुत सख़्त मिजाज वाले नेता के तौर पर की। वहीं उन्होंने उन नेताओं का नाम बताने से इनकार कर दिया जिन्हें वह सबसे कमजोर मानते हैं। ट्रंप की नजर में, सहयोगी देश केवल तभी मायने रखते हैं जब वे यह स्वीकार करें कि असली ताकत किसके हाथ में है। वहीं अनलिमिटेड पॉवर के ट्रंप के तमाम दावों के बावजूद, उन्होंने माना कि एक ताकत उन्हें अभी भी रोकती है, वो हैं इकॉनमी।

चिकन नेक में नहीं गलेगी चीन-बांग्लादेश की दाल

अभेद्य किला बन रहा भारत

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

भारत का सबसे संवेदनशील रणनीतिक इलाका सिलीगुड़ी कॉरिडोर (चिकन नेक) लंबे समय से उसकी सबसे बड़ी सुरक्षा चिंता माना जाता रहा है। यह केवल 22 किमी चौड़ा भूभाग है, जो भारत के मुख्य हिस्से को पूर्वोत्तर के सात राज्यों से जोड़ता है। किसी युद्ध या बड़े संकट में अगर यह कॉरिडोर बाधित हो जाए, तो पूर्वोत्तर भारत देश के बाकी हिस्सों से कट सकता है। इसी खतरे को देखते हुए भारत ने पिछले कुछ वर्षों में यहां बड़े पैमाने पर सैन्य और बुनियादी ढांचा विकास किया है।

क्यों महत्वपूर्ण है यह तैयारी?

एक्सपर्ट्स के मुताबिक, भारत को सबसे ज्यादा चिंता चीन के साथ संभावित संघर्ष की रहती है। अगर चीन तिब्बत और डोकलाम क्षेत्र की दिशा से दबाव बनाता है, तो सिलीगुड़ी कॉरिडोर सबसे संवेदनशील बिंदु बन सकता है। इसी वजह से भारत इस इलाके को अपनी कमजोरी से बदलकर एक मजबूत सैन्य ढाल में तब्दील करने की कोशिश कर रहा है।

1. पुराने एयरबेस फिर से सक्रिय किए जा रहे

भारत ने बांग्लादेश सीमा के पास स्थित कई पुराने एयरबेस और एयरपोर्ट को दोबारा विकसित करना शुरू किया है। बालुरघाट, अंबाड़ी, बिन्नागुड़ी और मालदा जैसे ठिकानों को फिर से उपयोगी बनाया जा रहा है। इससे जरूरत पड़ने पर लड़ाकू विमान, ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट और सैन्य हेलिकॉप्टर तेजी से तैनात किए जा सकेंगे।

2. रूपसी एयरपोर्ट का आधुनिकीकरण

असम के रूपसी एयरपोर्ट को आधुनिक बनाया जा रहा है। यह पूर्वोत्तर क्षेत्र में सैन्य और नागरिक दोनों तरह की गतिविधियों के लिए महत्वपूर्ण केंद्र बन सकता है। इससे सैनिकों और सैन्य सामान की आवाजाही तेज होगी।

3. अंडरग्राउंड रेल लाइन की योजना

भारत चिकन नेक के नीचे लगभग 35 किमी लंबी अंडरग्राउंड रेल लाइन बनाने की तैयारी कर रहा है। यह रेल मार्ग युद्ध की स्थिति में भी सैनिकों, हथियारों और रसद की आपूर्ति जारी रखने में मदद करेगा। भूमिगत होने के कारण इसे हवाई हमलों से नुकसान पहुंचाना मुश्किल होगा।

4. आधुनिक हथियारों की तैनाती

भारत ने इस क्षेत्र में राफेल लड़ाकू विमान, आकाश मिसाइल रक्षा प्रणाली और अन्य एयर डिफेंस सिस्टम तैनात किए हैं। इससे चीन या किसी अन्य संभावित खतरे की स्थिति में प्रतिक्रिया क्षमता बढ़ गई है।

बिजनेस वर्ल्ड

मर्सिडीज बेंज 15 एयरबैग्स और 115 किमी के रेंज के साथ में भारत में लॉन्च, जानें कीमत और खासियत

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

ऑटो डेस्क। नई दिल्ली बाजार में प्लग-इन हाइब्रिड तकनीक की मांग तेजी से बढ़ रही है। इसी क्रम में लग्जरी कार की दिग्गज कंपनी मर्सिडीज बेंज ने अब फ्लैगशिप एस-क्लास सेडान को पहली बार प्लग-इन हाइब्रिड पावरट्रेन के साथ पेश कर दिया है। नई कार लंबी इलेक्ट्रिक रेंज, दमदार प्रदर्शन, एडवांस टेक्नोलॉजी और शानदार कम्फर्ट का मेल लेकर आई है, जिससे ग्राहकों को पेट्रोल इंजन और पूरी तरह इलेक्ट्रिक कार के बीच एक नया विकल्प मिलेगा। इस नई एस 450ई लॉन्च एडिशन और एस 450ई मैनुफाक्टुर एडिशन को भारतीय बाजार में उतार दिया गया है। जो की कंपनी की पावरट्रेन-अग्नॉस्टिक रणनीति का हिस्सा है, जिसमें ग्राहक आईसीई यानी की इंटरनल कंबशन इंजन, बीईवी मतलब बैटरी इलेक्ट्रिक व्हीकल और पीएचईवी (प्लग-इन हाइब्रिड) में से अपनी जरूरत के हिसाब से विकल्प चुन सकते हैं। इसके इलावा इस नई हाइब्रिड सेडान में 3.0-लीटर एम256 ईवो इनलाइन-6 टर्बो पेट्रोल इंजन दिया गया है, जो अकेले 326 एचपी की पावर और 540 एनएम का टॉर्क पैदा करता है। इसके साथ 120 किलोवाट (163 एचपी) की इलेक्ट्रिक मोटर जोड़ी गई है, जो 440 एनएम टॉर्क देती है। दोनों के एक साथ आउटपुट की बात करें तो यह कार कुल 435 एचपी (320 किलोवाट) की पावर और 680 एनएम का टॉर्क जनरेट करती है। नई प्लग-इन हाइब्रिड सेडान में 22 केडब्ल्यूएच का बैटरी पैक दिया गया है। कंपनी का दावा है कि यह कार डब्ल्यूएलटीपी साइकिल के अनुसार लगभग 115 किलोमीटर तक केवल इलेक्ट्रिक मोड में चल सकती है। यह रेंज उन ग्राहकों के लिए खास मानी जा रही है, जो रोजाना की यात्रा बिना पेट्रोल खर्च के करना चाहते हैं, जबकि लंबी दूसरी के लिए इसमें पेट्रोल इंजन का बैकअप भी मौजूद है, जिससे कोई सैकड़ों किमी की यात्रा बिना किसी परेशानी के कर सकता है। दिलचस्प बात यह है कि यह केवल फ्यूल एफिशिएंसी पर ही फोकस नहीं करती, बल्कि जबरदस्त परफॉर्मेंस भी देती है। यह कार 0 से 100 किमी/घंटा की रफ्तार सिर्फ 5.7 सेकंड में हासिल कर सकती है। इसकी टॉप स्पीड 250 किमी/घंटा तक सीमित रखी गई है।

एफएसएसएआई ने भ्रामक दावों के लेकर मैरिको, फेरेरो, बीकानेरवाला समेत 14 कंपनियों को जारी किया नोटिस

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने शुक्रवार को कहा कि उसने उन फूड बिजनेस ऑपरेटर्स (एफबीओ) को नोटिस जारी किए हैं, जो अपने प्रोडक्ट को लेकर भ्रामक दावें, ब्रांडिंग और लेबलिंग कर रहे थे। साथ ही, उनके उत्पादों को लेकर ग्राहकों से शिकायतें के आधार पर यह कार्रवाई की गई है। इसके अलावा, एफएसएसएआई ने एफबीओ को सुधार के उपाय करने के लिए निर्देश भी दिए गए हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में, एफएसएसएआई ने कहा कि ये नोटिस 'फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स एक्ट, 2006' के नियमों के तहत जारी किए गए थे। ये नोटिस भ्रामक ब्रांड नामों, ट्रेड नामों, प्रोडक्ट के दावों, लेबलिंग से जुड़े नियमों के उल्लंघन और ग्राहकों की अन्य शिकायतों से संबंधित थे। नियामक की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक, कई फूड बिजनेस को नोटिस भेजे गए हैं। इन फूड ऑपरेटर्स पर ऐसा दावा करने का आरोप है जो 'फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स (एडवरटाइजिंग एंड क्लेम्स) रेगुलेशंस, 2018' का उल्लंघन करते हैं या जिनसे ग्राहकों को गुमराह किया जा सकता है। रेगुलेटर ने जिन कंपनियों पर सवाल उठाए, उनमें 'प्लक्क' भी शामिल थी। कंपनी के आम के जूस पर 'नौ एडेड शुगर' का दावा किया गया था, लेकिन जांच में पता चला कि सामग्री की सूची में आम का गूदा और गन्ने का रस शामिल था। रेगुलेटर के अनुसार, इस दावे से प्रोडक्ट में मौजूद चीनी की मात्रा को लेकर गलतफहमी पैदा हो सकती थी। इसके अलावा, रेगुलेटर ने पनीर के एक प्रोडक्ट पर 'नेचुरल पनीर' शब्द के इस्तेमाल पर भी सवाल उठाए। उनका कहना था कि यह जानकारी मिश्रित खाद्य पदार्थों के लिए 'नेचुरल' शब्द के इस्तेमाल से जुड़े नियमों का उल्लंघन करती है। जिन दूसरी कंपनियों को नोटिस मिले हैं, उनमें 'सिल्कन टोफू' प्रोडक्ट के दावों के लिए 'गौर हेल्दी फूड'; '100 परसेंट नेचुरल', 'फ्रेशली मेड' जैसे दावों और 'ऑर्गेनिक आटा' के जिक्र के लिए 'मास्टरचाउ फूड्स प्राइवेट लिमिटेड'; 'किंडर जॉय-कोटेड वेफर बिस्किट' प्रोडक्ट पर 'रिच इन मिल्क सॉलिड्स' (दूध के ठोस पदार्थों से भरपूर) दावे के लिए 'फेरेरो इंडिया'; और 'सैफोला टोटल हार्ट प्रो' कुकिंग ऑयल से जुड़े ब्रांडिंग और हेल्थ से संबंधित दावों के लिए 'मैरिको लिमिटेड' शामिल हैं। इसके अलावा, एफएसएसएआई ने मेडिजेन लैब्स, नेक्सा इंडस्ट्रीज, रॉ प्रेसरी, न्यूट्रास्युटिकल के 'इंसिप्रो गोल्ड पाउडर वनीला' प्रोडक्ट और कोरियाई जिनसेंग न्यूट्रास्युटिकल प्रोडक्ट के दावों पर भी सवाल उठाए।

रिलायंस के बोर्ड ने जियो के आईपीओ को दी मंजूरी, 27 करोड़ शेयर्स का होगा फ्रेश इश्यू

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

जियो प्लेटफॉर्म्स के बोर्ड ने जियो के आईपीओ (इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग) को मंजूरी दे दी है और डीआरएचपी (ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस) को भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास दिन के अंत में जमा किया जाएगा। यह जानकारी रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर मुकेश अंबानी की ओर से शुक्रवार को दी गई। रिलायंस इंडस्ट्रीज की ओर से एक्सचेंज फाइलिंग में कहा गया कि प्रस्तावित आईपीओ में 10 रुपए की फेस वैल्यू वाले 27 करोड़ शेयरों का फ्रैश इश्यू शामिल होगा। इश्यू की अंतिम कीमत सेबी के 'इश्यू ऑफ कैपिटल एंड डिस्क्लोजर रिक्वायरमेंट्स (आईसीडीआर) रेगुलेशंस, 2018' के तहत बुक-बिल्डिंग प्रक्रिया से तय की जाएगी। आईपीओ का ऐलान करते हुए अंबानी ने कहा कि यह मेरे लिए, पूरी रिलायंस परिवार और हमारे लाखों शेयरधारकों के लिए भावुक पल है। उन्होंने आगे कहा कि रिलायंस और उसके शेयरहोल्डर्स के बीच का रिश्ता "गर्व, भरोसे, सम्मान और साथ मिलकर आगे बढ़ने पर आधारित एक गहरा और पवित्र रिश्ता" है, यह एक ऐसा कमिटमेंट है जो धीरूभाई अंबानी के लिए बहुत निजी था और मेरे लिए भी उतना ही पवित्र है। आकाश, ईशा और अनंत जियो के आईपीओ प्रोसेस को संभाल रहे हैं और भविष्य में वैल्यू बनाने के मौकों के मामले में अगली पीढ़ी का नेतृत्व करेंगे। अंबानी के मुताबिक, "जियो की प्रस्तावित लिस्टिंग दुनिया को दिखाएगी कि भारत ग्लोबल स्तर, ग्लोबल क्षमता और ग्लोबल वैल्यू वाली टेक्नोलॉजी कंपनियां बना सकता है। मैं आपको और सभी संभावित नए निवेशकों को भरोसा दिलाता हूं कि जियो का भविष्य बहुत उज्ज्वल है। उन्होंने जियो को इस साल वैल्यू बनाने की दिशा में सबसे अहम पड़ाव" बताया जा रहा है, जो रिलायंस के शेयरहोल्डर्स के लिए बड़ी वैल्यू बनाएगा और दूसरों को निवेश का आकर्षक मौका देगा।

थमने का नाम नहीं ले रही सोने की गिरावट! देश में गोल्ड 1.12 लाख के करीब पहुंचा

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

देश में सोने की कीमतों में लगातार गिरावट देखने को मिल रही है। आज 19 जून की सुबह अधिकांश शहरों में गोल्ड रेट और नीचे पहुंच गए। 18 कैरेट, 22 कैरेट और 24 कैरेट सोने के दामों में 10 रुपए प्रति 10 ग्राम की मामूली गिरावट दर्ज की गई है। दिल्ली में 18 कैरेट सोना घटकर करीब 1,12,270 रुपए प्रति 10 ग्राम पर आ गया है। वहीं एक दिन पहले 99.9% शुद्ध सोना 1,53,440 रुपए प्रति 10 ग्राम तक गिरा था। सोने की कीमतों पर घरेलू शेयर बाजार की मजबूती और डॉलर के मुकाबले रुपए की ताकत का असर दिखा है। रुपए के मजबूत होने से आयात सस्ता होता है। जिससे सोने के दाम नीचे आते हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में हाजिर सोना भी 4,266.47 डॉलर प्रति औंस के आसपास कारोबार कर रहा है। इससे भी घरेलू बाजार में दबाव बना हुआ है। अमेरिकी फेडरल रिजर्व के चेयरमैन केविन वॉर्श की टिप्पणियों के बाद संकेत मिले हैं कि यदि अमेरिकी अर्थव्यवस्था मजबूत रहती है तो 2026 में ब्याज दरों में एक और बढ़ोतरी हो सकती है। ब्याज दर बढ़ने की संभावना सोने के लिए नकारात्मक मानी जाती है क्योंकि इससे निवेशक सोने की बजाय अन्य निवेश विकल्पों की ओर जाते हैं। फिलहाल फेड ने दरों को 3.5% से 3.75% के बीच स्थिर रखा है। देश के अलग-अलग शहरों में सोने के दाम अलग-अलग स्तर पर बने हुए हैं। दिल्ली में 18 कैरेट सोना 1,12,270 रुपए, 22 कैरेट 1,37,190 रुपए और 24 कैरेट 1,49,650 रुपए प्रति 10 ग्राम है। मुंबई, कोलकाता और रायपुर जैसे शहरों में रेट थोड़े कम हैं जहां 18 कैरेट सोने की कीमत 1,12,120 रुपए और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,37,040 रुपए प्रति 10 ग्राम है। जबकि चेन्नई में सोना सबसे महंगा देखा जा रहा है। अहमदाबाद और भोपाल में भी कीमतें लगभग समान स्तर पर बनी हुई हैं। सोने के साथ-साथ चांदी के भाव में भी गिरावट दर्ज की गई है। चांदी की कीमत 100 रुपए घटकर 2,59,900 रुपए प्रति किलोग्राम हो गई है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में स्पॉट सिल्वर 68.17 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रही है। विशेषज्ञों के अनुसार, घरेलू और वैश्विक दोनों कारक मिलकर सोने-चांदी की कीमतों को प्रभावित कर रहे हैं।

भारत के आगे घुटनों पर पाक

चिनाब नदी पर प्रोजेक्ट्स देख उड़े होश

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

पाकिस्तान एक बार फिर भारत के खिलाफ संयुक्त राष्ट्र पहुंच गया है। पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री इशाक डार ने यूएन सुरक्षा परिषद से अपील की है कि वो भारत पर ध्यान दे। पाकिस्तान का आरोप है कि भारत सिंधु जल समझौते का उल्लंघन कर रहा है। पाकिस्तान चाहता है कि यूएनएससी इस मामले में दखल दे और भारत को रोके। सिंधु जल समझौता 1960 में हुआ था। इसे विश्व बैंक ने करवाया था। इस समझौते का मकसद ये था कि भारत और पाकिस्तान आपस में सिंधु नदी और उसकी सहायक नदियों का पानी कैसे बांटेंगे, इसका हिसाब किताब तय हो जाए। यानी कौन सी नदी का पानी किसे मिलेगा, कौन कितना इस्तेमाल करेगा। ये सब इसी समझौते से तय होता आ रहा था। 1960 से लेकर अब तक यही समझौता दोनों देशों के बीच पानी के बंटवारे को कंट्रोल करता रहा है। अप्रैल 2025 में जम्मू कश्मीर के पहलगाम में एक बहुत बड़ा आतंकी हमला हुआ। इस हमले में 26 आम लोगों की जान चली गई। इस हमले के बाद भारत ने बड़ा फैसला लिया और सिंधु जल समझौते को सस्पेंड कर दिया। यानी भारत ने कह दिया कि अब वो इस समझौते को नहीं मानेगा। अब पाकिस्तान को ये बात हजम नहीं हो रही। इसी वजह से पाकिस्तान यूएन के दरवाजे पर पहुंच गया है।

पाकिस्तान ने यूएनएससी में क्या किया

पाकिस्तान के यूएन में स्थायी प्रतिनिधि असीम इफ्तिखार अहमद ने ये बात बताई। उन्होंने कहा कि उन्होंने यूएनएससी की अध्यक्ष लियोनोर जलाबाटा टोरेस को इशाक डार की तरफ से एक चिट्ठी सौंपी है। इस चिट्ठी में पाकिस्तान ने अपनी चिंताएं लिखकर भेजी हैं। असीम इफ्तिखार ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट भी डाली। इस पोस्ट में उन्होंने लिखा कि ये चिट्ठी यूएनएससी का ध्यान दो खास प्रोजेक्ट्स की तरफ खींचती है। ये दोनों प्रोजेक्ट्स चिनाब नदी से जुड़े हुए हैं। यानी पाकिस्तान का कहना है कि भारत चिनाब नदी पर जो दो प्रोजेक्ट बना रहा है, वो सिंधु जल समझौते के खिलाफ हैं।

मिडिल ईस्ट से आई सबसे बड़ी खबर.. अमेरिका-कतर की मध्यस्थता रंग लाई

ईरान की रजामंदी के बाद इजरायल-हिज्बुल्लाह के बीच हुआ सीजफायर

हिंदमाता नेटवर्क @ तेहरान

इजरायल और हिज्बुल्लाह के बीच लड़ाई एक बार फिर बहुत तेज हो गई थी, और अब दोनों के बीच सीजफायर यानी संघर्ष विराम पर सहमति बन गई है। यह सीजफायर शुक्रवार दोपहर लोकल टाइम 4 बजे से लागू होगा। यह जानकारी एक सीनियर अमेरिकी अधिकारी ने न्यूज एजेंसी रॉयटर्स को दी है। खास बात ये है कि डोनाल्ड ट्रंप की ओर से इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू पर शांति बहाली को लेकर प्रेशर बनाया जा रहा था। इजरायल और ईरान समर्थित ग्रुप हिज्बुल्लाह के बीच लेबनान में रात भर लड़ाई बहुत तेज हो गई थी। इस हमले में लेबनान में कम से 18 लोगों की जान चली गई। इसी के बाद अब दोनों पक्षों ने सीजफायर पर सहमति बना ली है। एक सीनियर अमेरिकी अधिकारी ने रॉयटर्स को बताया कि हिज्बुल्लाह और इजरायल सीजफायर के लिए राजी हो गए हैं। अधिकारी ने यह भी बताया कि अमेरिका और कतर के बातचीत करने वालों ने ईरान की मदद से यह डील तैयार की है। अधिकारी ने आगे कहा कि आज पहले गोलीबारी हुई थी, और उसके बाद अब इजरायल और हिज्बुल्लाह सीजफायर में आ गए हैं। वहीं, अमेरिकी अधिकारी ने एक्सियोस को बताया कि 'नेतन्याहू लेबनान में सीजफायर को रिन्यू करने के लिए 100% सहमत हैं।' हालांकि, नेतन्याहू के ऑफिस ने अभी तक इसकी पुष्टि नहीं की है। दरअसल लेबनान में हिंसा बढ़ने की वजह से अमेरिका और ईरान के बीच हुए एक अंतरिम समझौते पर दबाव बढ़ गया था।

नेतान्याहू को डोनाल्ड ट्रंप ने क्या कहा था?

डोनाल्ड ट्रंप ने इजरायल के पीएम नेतन्याहू को लेबनान में हो रहे हमलों को लेकर सीधे फोन पर फटकार लगाई थी। ट्रंप का कहना था कि इजरायल की कार्रवाई बहुत ज्यादा सख्त हो गई है और अब पूरी तरह सीजफायर होना चाहिए। ट्रंप ने इजरायल के हमलों को 'खतरनाक' और 'बहुत ज्यादा' बताया था। उनका कहना था कि अगर हिज्बुल्लाह का एक भी आदमी किसी इमारत में है, तो इसका मतलब ये नहीं कि पूरी इमारत गिरा दी जाए। यानी ट्रंप को लग रहा था कि इजरायल बेवजह बहुत ज्यादा नुकसान कर रहा है। एक रिपोर्ट के अनुसार ट्रंप इतने गुस्से में थे कि उन्होंने नेतन्याहू को कड़े शब्दों में भी कुछ कह दिया। साथ ही उन्होंने नेतन्याहू को याद दिलाया कि अगर मैं नहीं होता, तो इजरायल का वजूद ही नहीं होता। ट्रंप ने यह भी कहा कि अगर मैं ना होता तो तुम जेल में होते। इससे साफ है कि ट्रंप ने नेतन्याहू पर पूरा दबाव बनाने की कोशिश की।

जी7 के एक फोटो पर छिड़ा बवाल! ट्रंप कमेंट पर भड़कीं मेलोनी

दावे को बताया शर्मनाक

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इटली की प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी के बीच एक नया विवाद सामने आया है। ट्रंप ने हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में दावा किया कि जी7 समिट के दौरान मेलोनी ने उनके साथ फोटो खिंचवाने के लिए गुजारिश की थी। उनके इस बयान के बाद राजनीतिक गलियारों में चर्चा तेज हो गई है। इटली के एक मीडिया आउटलेट को दिए गए फोन इंटरव्यू में ट्रंप ने कहा कि मेलोनी उनके साथ फोटो खिंचवाने के लिए बेहद उत्सुक थीं और उन्होंने खुद उनसे इसकी मांग की थी। ट्रंप ने यह भी कहा कि वह आमतौर पर फोटो नहीं खिंचवाते, लेकिन उन्होंने मेलोनी की इच्छा को देखते हुए ऐसा किया।

मेलोनी ने ट्रंप के दावे को किया खारिज

ट्रंप के बयान के बाद जियोर्जिया मेलोनी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक वीडियो साझा कर उनकी टिप्पणियों का जवाब दिया। उन्होंने ट्रंप के दावों को पूरी तरह मनगढ़ंत बताते हुए कहा कि उन्हें इस तरह के बयान पर हैरानी हुई है। मेलोनी ने कहा कि यह पहली बार नहीं है जब अमेरिकी राष्ट्रपति ने अपने सहयोगी देशों के नेताओं के बारे में अपमानजनक टिप्पणियां की हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि सहयोगियों के प्रति इस तरह का रवैया क्यों अपनाया जाता है।

इटली कभी किसी के सामने गिड़गिड़ाता नहीं

अपने बयान में मेलोनी ने कहा कि इटली और वह स्वयं किसी के सामने झुकने या गिड़गिड़ाने में विश्वास नहीं रखते। उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें दुख है कि पश्चिमी देशों के विरोधियों के मुकाबले सहयोगी देशों के नेताओं के प्रति अधिक आलोचनात्मक रवैया अपनाया जाता है। मेलोनी की प्रतिक्रिया के बाद यह मुद्दा अंतरराष्ट्रीय मीडिया में सुर्खियां बटोर रहा है। दोनों नेताओं के बीच बयानबाजी ने एक बार फिर वैश्विक कूटनीति और राजनीतिक शिष्टाचार को लेकर बहस को हवा दे दी है।

खत्म हो चुका है ईरान, एक पैसा भी नहीं मिलेगा तेहरान के साथ डील पर ट्रंप का बड़ा बयान

हिंदमाता नेटवर्क @ वॉशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ऐलान किया कि ईरान खत्म हो गया है और कसम खाई कि तेहरान को यूनाइटेड स्टेट्स से एक भी सेंट यानी एक भी पैसा नहीं मिलेगा। उन्होंने दावा किया कि युद्ध ने देश की मिलिट्री काबिलियत को तबाह कर दिया है और उसे एयर फोर्स, नेवी या जरूरी डिफेंस सिस्टम के बिना छोड़ दिया है। ट्रुथ सोशल पर कई पोस्ट में, ट्रंप ने राजनीतिक विरोधियों की आलोचना को खारिज किया और कहा कि युद्ध ने ईरान की मिलिट्री ताकत को बहुत कम कर दिया है। ट्रंप ने लिखा, युद्ध ने ईरान को कमजोर कर दिया है! अब उसके पास एयर फोर्स, नेवी, एंटी-एयरक्राफ्ट इक्विपमेंट, रडार या असल में कुछ भी नहीं है।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने डेमोक्रेट्स पर साधा निशाना

अमेरिकी राष्ट्रपति ने डेमोक्रेट्स पर भी निशाना साधा, और इस बात का मजाक उड़ाया कि ईरान कुछ महीने पहले की तुलना में ज्यादा मजबूत स्थिति में हो सकता है। ट्रंप ने कहा, फिर भी डेमोक्रेट्स कहते हैं कि ईरान अब चार महीने पहले की तुलना में बेहतर स्थिति में है। क्या आप सोच सकते हैं कि वे इससे बच निकलेंगे? कुछ लोग कितने बेवकूफ हो सकते हैं? ट्रंप ने आगे कहा कि लड़ाई के बाद तेहरान ने, न कि वॉशिंगटन ने, बातचीत की कोशिश की थी।

तेहरान को नहीं मिलेगी कोई वित्तीय मदद

यह बात ईरान की मिलिट्री क्षमताओं पर लड़ाई के असर और वॉशिंगटन और तेहरान के बीच बातचीत के भविष्य पर चल रही बहस के बीच आई है। ट्रंप की बातें उनके एडमिनिस्ट्रेशन की इस बात पर भी जोर देती हैं कि ईरान पर दबाव डालने से नतीजे मिले हैं, जबकि आलोचक सवाल उठा रहे हैं कि क्या इस स्ट्रैटेजी से कोई पक्का समझौता हो सकता है। बुधवार शाम को, ट्रंप और ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने इलेक्ट्रॉनिक तरीके से एक 14-पॉइंट मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग पर साइन किए। इसका मकसद 28 फरवरी को अमेरिका, इजराइल और ईरान के बीच शुरू हुए जंग को खत्म करना है।

हिंदमाता एंकर ओरकजई ट्राइबल जिले में गुरुवार को अचानक बिजली गिरने से तीन लोगों की मौत हो गई और चार घायल हो गए

खैबर पख्तूनख्वा में बारिश और तूफान ने मचाई भारी तबाही, 7 की मौत, प्रशासन फेल

हिंदमाता नेटवर्क @ इस्लामाबाद

खैबर पख्तूनख्वा में बारिश और आंधी-तूफान का भयंकर कहर देखने को मिला है। इस प्राकृतिक आपदा की वजह से अब तक कुल सात लोगों की मौत हो चुकी है। इस बड़ी और दर्दनाक घटना में आठ अन्य लोग गंभीर रूप से घायल भी हुए हैं। डेरा इस्माइल खान के पहाड़पुर शहर में गुरुवार को कई घरों की छतें और दीवारें अचानक गिर गईं। बचाव दल और स्थानीय लोगों ने मलबे से पीड़ितों को बाहर निकाला। सभी घायल लोगों को तुरंत उचित इलाज के लिए पास के स्थानीय अस्पताल पहुंचाया गया है। मरने वालों में पहाड़पुर के दो युवक और जंदर गांव की दो महिलाएं मुख्य रूप से शामिल हैं। एक घायल की पहचान अहमद अली के रूप में हुई है जबकि अन्य की जानकारी नहीं है।

बुनियादी ढांचे को भारी नुकसान

तेज हवाओं की वजह से इलाके में कई पेड़ उखड़ गए और घरों के सोलर पैनल टूट गए। एक सबअर्बन इलाके में बाउंड्री वॉल गिरने से बाड़े में बंधे कई जानवरों की भी मौत हो गई। आंधी-तूफान की वजह से पहाड़पुर और आसपास के इलाकों में बिजली की सप्लाई पूरी तरह रुक गई है। खतरनाक हालात और भारी नुकसान के कारण मरम्मत का काम तुरंत शुरू नहीं हो सका है।

बिजली गिरने से तीन लोगों की मौत

ओरकजई ट्राइबल जिले में गुरुवार को अचानक बिजली गिरने से तीन लोगों की मौत हो गई और चार घायल हो गए। रेस्क्यू 1122 के अधिकारी के अनुसार निचले ओरकजई के सैम फिरोजखेल इलाके में यह दर्दनाक घटना घटी। इसके अलावा बाजौर ट्राइबल जिले की वार मामुंड तहसील में एक सरकारी स्कूल की दीवार भी गिर गई। इन सभी घटनाओं के कारण इस पूरे इलाके में भी बिजली की सप्लाई बाधित हुई है।

प्रशासन की भारी लापरवाही

एनडीएमए ने बारिश और आंधी-तूफान के नए दौर का काफी पहले ही अलर्ट जारी कर दिया था। पंजाब और खैबर पख्तूनख्वा को 12 से 17 अप्रैल के बीच कमजोर जोन की श्रेणी में रखा गया था। रिपोर्ट बताती है कि चेतावनी समय पर जारी की गई लेकिन प्रशासन ने कोई ठोस कदम नहीं उठाए। इससे स्पष्ट रूप से पता चलता है कि सिर्फ जानकारी होने से आपदा से निपटने की तैयारी नहीं होती।

तैयारियों का स्पष्ट अभाव

चित्राल और लाहौर जैसे घनी आबादी वाले कमजोर इलाकों की पहचान भी काफी पहले ही कर ली गई थी। रिपोर्ट के अनुसार मौसमी तूफानों से निपटने का अनुभव पाकिस्तान प्रशासन की व्यापक चुनौती को दर्शाता है। उपलब्ध जानकारी को प्रभावी कार्रवाई में बदलने की क्षमता पाकिस्तान के प्रशासन में बिल्कुल नहीं दिखाई देती है। मौसम की चेतावनी बार-बार जारी होती है लेकिन जमीनी स्तर पर परिणामों में कोई बदलाव नहीं दिखता है।

दैनिक ठाणे, शनिवार 20 जून, 2026

हिंदमाता मिरर

पैनी नजर, पुख्ता

21 जून को भारत ए और श्रीलंका ए के बीच होगा ट्राई नेशन ए सीरीज का फाइनल

श्रीलंका में आयोजित ट्राई नेशन ए सीरीज के दोनों फाइनलिस्ट पक्के हो गए हैं। भारत ए और श्रीलंका ए के बीच अब फाइनल मुकाबला होगा। भारत ए, श्रीलंका ए और अफगानिस्तान ए के बीच दांबुला में खेले गए इस टूर्नामेंट में भारत ने पहले ही अफगानिस्तान को 101 रनों से हराकर फाइनल में एंट्री कर ली थी। इसके बाद शुक्रवार, 19 जून को दूसरा फाइनलिस्ट श्रीलंका ए बनाम अफगानिस्तान ए के मुकाबले से तय होना था। श्रीलंका ए ने दांबुला में खेले जा रहे मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए 322 रन बनाए थे और अफगानिस्तान ए को 323 रनों का लक्ष्य दिया था। ट्राई नेशन सीरीज के फाइनल में पहुंचने के लिए अफगानिस्तान को इस मुकाबले को 29 ओवर के अंदर जीतना था, हालांकि, अफगानिस्तान ऐसा नहीं कर सकी और अब श्रीलंका ए, भारत ए के साथ फाइनल मुकाबले में भिड़ेगी।

21 जून को खेला जाएगा फाइनल मुकाबला, समय 10 बजे से

ट्राई नेशन सीरीज का फाइनल मुकाबला दांबुला में भारत ए और श्रीलंका ए के बीच खेला जाएगा। यह मैच 21 जून को सुबह 10 बजे से खेला जाएगा। भारत ने इस पूरे टूर्नामेंट में पॉइंट्स टेबल में टॉप पर फिनिश किया है, जबकि श्रीलंका दूसरे स्थान पर रही है। अफगानिस्तान को तीसरे स्थान से संतोष करना पड़ा है। पिछली बार जब भारत और श्रीलंका की टीमें आमने-सामने थीं तब बहुत कुछ घटनाक्रम देखने को मिला था। फाइनल में किसका पलड़ा भारी होगा यह टीमों के प्रदर्शन से पता चलेगा। दोनों ही टीमों ने अच्छा प्रदर्शन किया है।

भारत के पास बदला लेने का मौका

बता दें कि भारत और श्रीलंका के बीच फाइनल में कांटे की टक्कर होने की उम्मीद है क्योंकि पिछली बार जब दोनों टीमें इस टूर्नामेंट में आमने सामने थीं तब मुकाबला सुपर ओवर तक गया था और श्रीलंका ने भारत को उस मैच में हरा दिया था। ऐसे में अब भारतीय टीम के पास श्रीलंका के खिलाड़ियों से बदला लेने का अच्छा मौका है। युवा सनसनी वैभव सूर्यवंशी से फाइनल मुकाबले में अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद होगी, क्योंकि उनका बल्ला अब तक खामोश रहा है और उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर सके हैं। इसके अलावा भारत की गेंदबाजी यूनिट की भी श्रीलंका के बल्लेबाजों के सामने चुनौती होगी। इस सीरीज में भारत के पास मेन तेज गेंदबाजों की कमी नजर आ रही है। ऐसे में युवा बल्लेबाजों पर ही ज्यादा दारोमदार होगा। खासकर वैभव सूर्यवंशी के अलावा प्रियांश आर्या पर भी नजरें होंगी, वहीं प्रभसिमरन सिंह भी कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाए हैं।

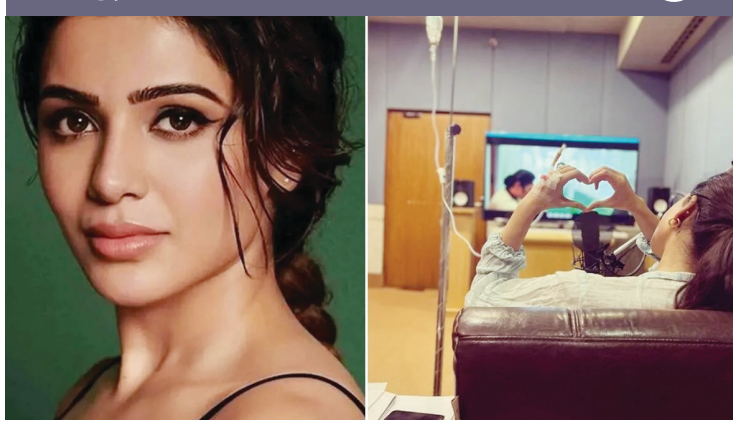

Myositis बीमारी से जूझ रही थीं सामंथा प्रभु

साउथ और बॉलीवुड एक्ट्रेस सामंथा रूथ प्रभु इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म मा इंटि बंगरम की प्रमोशन को लेकर बिजी हैं। ग्लैमर की दुनिया बाहर से जितनी सुंदर दिखती है, अंदर की कहानी उतनी ही दुखभरी होती है। ऐसी ही एक सैड स्टोरी है एक्ट्रेस सामंथा रूथ प्रभु ने शेयर की है। अपनी मूवी के प्रमोशन के दौरान उन्होंने बताया कि वो एक Myositis नाम की बीमारी से जूझ रही हैं, उन्होंने अपनी सेहत से जुड़ी जो बातें बताई, उसने सबको भावुक कर के रख दिया। सामंथा ने बताया आए दिन लोग उनसे सवाल करते रहते थे कि आप इतनी पतली कैसे हो रही हैं और इतने लम्बे ब्रेक पर क्यों हैं। अपनी बात को रखते हुए उन्होंने कहा कि अक्सर व्यक्ति किसी दूसरे की परिस्थितियों को समझ नहीं पाते हैं। उन्होंने बताया कि ऐसा नहीं है कि उन्हें खाने की इच्छा नहीं होती, बल्कि उनकी स्वास्थ्य संबंधी परेशानियां ऐसी हैं कि चाहकर भी वे ठीक से भोजन नहीं कर पातीं। यही वजह है कि उनके लिए सामान्य तरीके से खाना खाना भी कई बार मुश्किल हो जाता है।

सुबह-शाम बस एक ही तरह का खाना खाती थी

इसी बीच सामंथा ने अपनी बीमारी से जुड़ा एक भावुक किस्सा भी शेयर किया। उन्होंने बताया कि बीमारी की वजह से उन्होंने फिल्मों से ब्रेक लिया, इस बीच उनका जीवन पूरी तरह से बदल गया। उन्होंने कहा मेरी हालत कुछ ऐसी हो गई थी कि जैसे ही थोड़ा सा कुछ अलग खाती थी तो मेरी तबीयत बहुत खराब हो जाती। यही कारण था कि लम्बे समय तक उन्हें सुबह-शाम बस एक ही तरह का खाना खाना पड़ा। ऐसे बुरे समय में डॉक्टर ने मुझे बस एक ही मिठाई खाने को कहा जिसका नाम जिलेटो थी। इतने समय तक एक ही खाना खाकर में बहुत बोर हो गई थी इस वजह से वो मिठाई खाकर मैं बहुत खुश हुई। उसी समय के दौरान में अपनी बिल्ली को घर लेकर आई थी तो उस खास याद से जुड़ाव के चलते उसका नाम 'जिलेटो' रख दिया।

बीमारी ने तोड़ दिया सारा अहंकार

सामंथा ने बताया पिछले दो साल मेरे लिए बहुत स्ट्रगल से भरपूर थे। 2021 में जब उनकी शादी टूटी तो अगले ही साल उन्हें मायोसाइटिस नाम की गंभीर बीमारी हो गई। एक-साथ दो-दो परेशानियां उनके जीवन में एक नया मोड़ ले आई। भावनात्मक तथा शारीरिक रूप से उन्हें काफी मुश्किल का सामना करना पड़ा। अपनी बीमारी की जानकारी उन्होंने खुद सोशल मीडिया के जरिए फैंस के साथ साझा की थी। उस समय उन्होंने अस्पताल से एक तस्वीर पोस्ट की थी, जिसमें उनके हाथ में ड्रिप लगी हुई दिखाई दे रही थी। इस पोस्ट के बाद उनके प्रशंसकों को उनकी स्वास्थ्य स्थिति के बारे में पता चला। इसी के साथ उन्होंने बताया कि उन्हें ऐसा लगता था कि मैं हमेशा काम करती रहूंगी और ये सिलसिला कभी नहीं रुकेगा लेकिन मेरी बीमारी ने मेरा सारा अहंकार तोड़ दिया।

वैष्णो देवी के दरबार में पहुंचे अक्षय कुमार

अक्षय कुमार इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' को लेकर चर्चाओं में हैं। इस बीच हाल ही में अक्षय फिल्म की रिलीज से पहले माता वैष्णो देवी के दरबार में पहुंचे। अक्षय ने त्रिकुटा पहाड़ियों पर स्थित इस पवित्र मंदिर में माथा टेका और आशीर्वाद लिया। मंदिर परिसर में अभिनेता को देखते ही वहां मौजूद फैंस ने उन्हें घेर लिया।

अक्षय को देखने जुटे फैंस

इस दौरान अक्षय कुमार पारंपरिक सफेद कुर्ता पहने नजर आए। सोशल मीडिया पर भी अक्षय के कई वीडियो सामने आए हैं, जिसमें फैंस उनके साथ सेल्फी लेने की कोशिश करते नजर आ रहे हैं। मंदिर में पूजा-अर्चना के लिए जाने से पहले कुमार यात्रा के बेस कैंप कटरा पहुंचे। अधिकारियों ने बताया कि मंदिर में पूजा-अर्चना के लिए जाने से पहले अक्षय यात्रा के बेस कैंप कटरा पहुंचे। एक्टर के आने से श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों में काफी उत्साह देखा गया। कई लोग फिल्म स्टार की एक झलक पाने की उम्मीद में रास्ते में और मंदिर परिसर में जमा हो गए। अधिकारियों ने बताया कि कुमार ने पवित्र गुफा मंदिर में दर्शन किए और लौटने से पहले कुछ समय पूजा-अर्चना में बिताया।

26 जून को रिलीज होगी फिल्म

अहमद खान द्वारा निर्देशित 'वेलकम टू द जंगल' में अक्षय कुमार समेत 34 कलाकार प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे। इनमें अक्षय कुमार के साथ सुनील शेट्टी, दिशा पाटनी, जैकलीन फर्नांडिस, रवीना टंडन, लारा दत्ता, अरशद वारसी, तुषार कपूर, श्रेयस तलपड़े, आफताब शिवदासानी और जैकी श्रॉफ समेत कई अन्य नाम शामिल हैं। यह फिल्म 26 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है।

एक्टिंग के साथ डायरेक्शन में भी छाए ये सितारे

भारतीय फिल्म इंडस्ट्री में कई ऐसे कलाकार हैं जिन्होंने अभिनय के साथ-साथ निर्देशन की कमान भी संभाली है और अपनी अलग सोच के साथ बेहतरीन कहानियों को पर्दे पर उतारा है। जहां कुछ कलाकार पूरी तरह निर्देशन की ओर बढ़ गए, वहीं कई ऐसे भी हैं जिन्होंने अभिनय और निर्देशन-दोनों क्षेत्रों में अपनी मजबूत पहचान बनाई है। आइए जानते हैं ऐसे ही कुछ कलाकारों के बारे में।

आमिर खान: अपनी बेहतरीन अदाकारी और परफेक्शनिस्ट छवि के लिए मशहूर आमिर खान ने निर्देशन की दुनिया में तारे जमीन पर जैसी यादगार फिल्म से कदम रखा। बचपन में सीखने से जुड़ी कठिनाइयों (लर्निंग डिसएबिलिटीज) को बेहद संवेदनशीलता के साथ प्रस्तुत करने वाली यह फिल्म आज भी भारतीय सिनेमा की सबसे प्रशंसित फिल्मों में गिनी जाती है।

अजय देवगन: हिंदी सिनेमा के सबसे बहुमुखी अभिनेताओं में शामिल अजय देवगन ने निर्देशन में भी अपनी अलग पहचान बनाई है। उन्होंने यू, मी और हम, शिवाय, रनवे 34 और भोला जैसी फिल्मों का निर्देशन कर यह साबित किया कि उनकी प्रतिभा अभिनय तक ही सीमित नहीं है।

चिन्मय मांडलेकर: मराठी सिनेमा का एक प्रमुख और प्रभावशाली नाम, चिन्मय मांडलेकर अभिनय और लेखन के साथ-साथ निर्देशन में भी अपनी छाप छोड़ चुके हैं। उन्होंने कॉमेडी-थ्रिलर इंस्पेक्टर झेंडे और हाल ही में रिलीज हुई गवर्नर: द साइलेंट सेवियर का निर्देशन किया है। ये दोनों फिल्में वास्तविक घटनाओं से प्रेरित हैं।

फरहान अख्तर: दिल धड़कने दो, भाग मिल्खा भाग जैसी फिल्मों में शानदार अभिनय करने वाले फरहान अख्तर ने निर्देशन की शुरुआत कल्ट क्लासिक दिल चाहता है से की थी। इसके बाद उन्होंने लक्ष्य, डॉन और डॉन 2 जैसी फिल्मों का निर्देशन कर एक सफल निर्देशक के रूप में अपनी पहचान और मजबूत की।

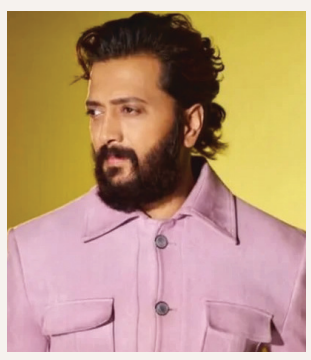

रितेश देशमुख: कॉमेडी से लेकर थ्रिलर तक हर शैली में अपनी अभिनय क्षमता साबित कर चुके रितेश देशमुख ने निर्देशन के क्षेत्र में भी सफलता हासिल की। उन्होंने मराठी ब्लॉकबस्टर वेड का निर्देशन किया और हाल ही में रिलीज हुई राजा शिवाजी जैसी भव्य फिल्म के जरिए अपने निर्देशन कौशल का एक और शानदार उदाहरण पेश किया। इन कलाकारों ने यह साबित किया है कि जिस आत्मविश्वास और कुशलता के साथ वे कैमरे के सामने अभिनय करते हैं, उसी जुनून और दृष्टिकोण के साथ कैमरे के पीछे निर्देशन की जिम्मेदारी भी निभाते हैं।

श्वेता तिवारी का ग्लैमरस अंदाज

जब भी खूबसूरत एक्ट्रेस की बात आती है तो श्वेता तिवारी का नाम सबसे पहले आता है। अपनी अदाकारी और सुंदरता को लेकर हमेशा से श्वेता काफी सुर्खियां बटोरती हुई आई हैं। अपने समय में उनको टीवी इंडस्ट्री की सबसे लोकप्रिय और सफल अभिनेत्रियों में गिना जाता है लेकिन फिलहाल अभी वो टीवी की दुनियां से दूर हैं। हालांकि श्वेता समय-समय पर सोशल मीडिया पर कुछ न कुछ पोस्ट कर के फैंस को अपडेट देती रहती हैं। उनकी सबसे खास बात यह है कि 45 की उम्र में भी वो 25 साल की हसीनाओं को मात देती हैं। हाल ही में उन्होंने साड़ी पहनकर कुछ फोटोज शेयर की हैं, जिन्हे देखने के बाद हर कोई उनकी तारीफ कर रहा है।

पिंक साड़ी में गुलाबों बनीं श्वेता तिवारी

कसौटी जिंदगी की से श्वेता तिवारी ने घर-घर में खूब नाम कमाया और अब वो अपने लुक्स को लेकर हमेशा चर्चा में रहती हैं। इन तस्वीरों में श्वेता ने पिंक कलर की बनारसी साड़ी पहनी हुई है। इसके साथ श्वेता ने चोकर पहना हुआ है, जो उनके लुक को कम्पलीट कर रहा है। इसी के साथ यदि उनका मेकअप देखा जाए तो न्यूड मेकअप और खुले बाल उनकी खूबसूरती को चार चांद लगा रहे हैं। हर तस्वीर में श्वेता ने बेहद ही कातिलाना पोज दिए हुए हैं। श्वेता तिवारी की लेटेस्ट तस्वीरें सामने आते ही सोशल मीडिया पर छा गई हैं। उनकी फोटोज तेजी से वायरल हो रही हैं और फैंस जमकर प्रतिक्रिया दे रहे हैं। कमेंट सेक्शन में लोग उनकी खूबसूरती, फिटनेस और स्टाइल की खूब तारीफ कर रहे हैं। कई यूजर्स ने उन्हें बेहद आकर्षक और स्टनिंग बताया, जबकि कुछ ने उनके ग्लैमरस अंदाज की सराहना की। फैंस का कहना है कि बढ़ती उम्र के बावजूद श्वेता का चार्म बिल्कुल कम नहीं हुआ है और वह आज भी अपनी खूबसूरती से नई अभिनेत्रियों को कड़ी टक्कर देती हैं।

हेनरी कैविल के साथ नजर आईं सारा अली खान

गुरुवार की शाम हॉलीवुड और बॉलीवुड का शानदार संगम देखने को मिला। जब 'सुपरमैन' फेम एक्टर हेनरी कैविल और बॉलीवुड एक्ट्रेस सारा अली खान की मुलाकात की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हुईं। दोनों कलाकार एक लग्जरी वॉच ब्रांड के इवेंट में शामिल हुए। इवेंट में पटौदी खानदान की युवा राजकुमारी सारा अली खान अपने शाही अंदाज में नजर आईं। सारा ने इस खास इवेंट के लिए मोनोक्रोमैटिक आइवरी आउटफिट चुना। इसके साथ उन्होंने अपनी खूबसूरती और शालीनता का बेहतरीन मेल पेश किया।

■ उनके लुक में एक तरफ जहां विंटेज चार्म था वहीं दूसरी तरफ आधुनिक भव्यता भी नजर आई। उन्होंने रिच टेक्सचर वाले ट्वीड-स्टाइल फैब्रिक से बनी स्ट्रक्चर्ड मिडी-लेंथ शीथ ड्रेस पहनी थी। जिसमें स्कूप नेकलाइन उनके लुक को और आकर्षक बना रही थी। इस अंदाज को और निखारने के लिए उन्होंने अपने कंधों पर मैचिंग ब्लेजर कैरी किया, जिसने उनके पूरे लुक में एक रॉयल टच जोड़ दिया। बात करें सारा की एक्सेसरीज की तो वो भी उतने ही स्टाइलिश और आकर्षक थे। अभिनेत्री ने कढ़ाई वाला पाउच बैग, क्रिस्टल बकल से सजे पॉइंटेड-पंप्स और ब्रोच के साथ अपने लुक को खास बनाया।

■ बता दें, सैफ अली खान और अमृता सिंह की बेटी सारा अली खान मशहूर पटौदी खानदान से ताल्लुक रखती हैं। इससे पहले भी सारा साल 2019 में फोर्ब्स इंडिया सेलिब्रिटी 100 की सूची में जगह बना चुकी हैं। करियर की बात करें तो हाल ही में वो फिल्म 'पति पत्नी और वो दो' में नजर आईं, जिसमें उनके साथ आयुष्मान खुराना, रकुल प्रीत सिंह और वामिका गब्बी भी अहम भूमिकाओं में दिखाई दिए थे।

जानिए बॉलीवुड की सबसे प्यारी पिता-बेटी की जोड़ियां

हर बेटी की सफलता के पीछे अक्सर उसके पिता का प्यार, विश्वास और अटूट समर्थन होता है। बॉलीवुड ने पर्दे पर पिता-बेटी के कई खूबसूरत रिश्ते दिखाए हैं, लेकिन असल जिंदगी में भी कई ऐसी जोड़ियां हैं, जिनका रिश्ता लोगों के लिए प्रेरणा बना हुआ है। इस 'फादर्स डे' पर आइए जानते हैं बॉलीवुड की कुछ ऐसी मशहूर पिता-बेटी की जोड़ियों के बारे में, जिनका स्नेह, भरोसा और एक-दूसरे के लिए सम्मान आज भी लोगों का दिल जीत लेता है।

जान्हवी कपूर और बोनी कपूर

जान्हवी कपूर और बोनी कपूर बॉलीवुड की सबसे चर्चित पिता-बेटी की जोड़ियों में से एक हैं। बोनी कपूर ने हर मुश्किल और हर सफलता के दौर में अपनी बेटी का मजबूती से साथ दिया है। परिवार के साथ बिताए गए खूबसूरत पल, सोशल मीडिया पोस्ट और सार्वजनिक मौकों पर दोनों के बीच की आत्मीयता उनके गहरे रिश्ते की झलक दिखाती है, जो प्यार, भरोसे और आपसी सम्मान पर टिका है।

आलिया भट्ट और महेश भट्ट

आलिया भट्ट कई बार अपने पिता महेश भट्ट के जीवन पर पड़े प्रभाव का जिक्र कर चुकी हैं। समय के साथ उनका रिश्ता और भी मजबूत हुआ है, जिसकी नींव ईमानदारी, समझदारी और प्रोत्साहन पर टिकी है। महेश भट्ट हमेशा आलिया को जीवन के महत्वपूर्ण फैसलों में मार्गदर्शन देते रहे हैं और उनकी हर उपलब्धि पर गर्व महसूस करते हैं।

दीपिका पादुकोण और प्रकाश पादुकोण

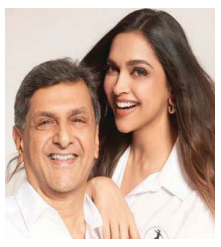

दीपिका पादुकोण और उनके पिता, महान बैडमिंटन खिलाड़ी प्रकाश पादुकोण का रिश्ता सम्मान और मूल्यों पर आधारित है। दीपिका अक्सर कहती हैं कि अनुशासन, मेहनत, विनम्रता और कभी हार न मानने का जज्बा उन्हें अपने पिता से ही मिला है। उनका रिश्ता इस बात का खूबसूरत उदाहरण है कि एक पिता की सीख जीवन की दिशा तय कर सकती है।

करीना कपूर खान और रणधीर कपूर

करीना कपूर खान और रणधीर कपूर के बीच हमेशा एक खास रिश्ता रहा है। परिवार में उतार-चढ़ाव आने के बावजूद दोनों के बीच का स्नेह कभी कम नहीं हुआ। पारिवारिक समारोहों से लेकर सार्वजनिक कार्यक्रमों तक, करीना का अपने पिता के प्रति प्यार और सम्मान हमेशा साफ नजर आता है। दोनों का रिश्ता प्यार, अपनापन और खूबसूरत यादों से भरा हुआ है।

सोनम कपूर और अनिल कपूर

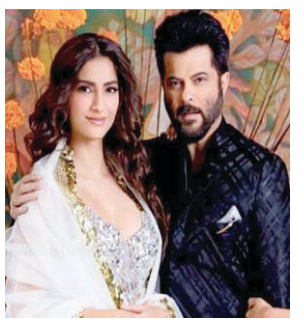

सोनम कपूर और अनिल कपूर बॉलीवुड की सबसे एक्सप्रेसिव पिता-बेटी की जोड़ियों में गिने जाते हैं। चाहे प्रोफेशनल उपलब्धि हो या निजी खुशी, दोनों हमेशा एक-दूसरे का हौसला बढ़ाते नजर आते हैं। उनकी मस्तीभरी बातचीत, भावुक संदेश और मजबूत पारिवारिक जुड़ाव उनके रिश्ते को और भी खास बनाते हैं।

अनन्या पांडे और चंकी पांडे

अनन्या पांडे और चंकी पांडे का रिश्ता पिता-बेटी से कहीं बढ़कर एक अच्छे दोस्त जैसा भी है। सोशल मीडिया पर उनकी मजेदार नोकझोंक, सार्वजनिक कार्यक्रमों में उनकी केमिस्ट्री और हल्के-फुल्के अंदाज ने उन्हें बॉलीवुड की सबसे रिलेटेबल पिता-बेटी की जोड़ियों में शामिल कर दिया है। उनके रिश्ते में प्यार, दोस्ती और बेहतरीन समझ साफ नजर आती है।

श्रद्धा कपूर और शक्ति कपूर

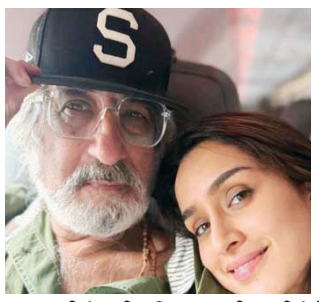

बॉलीवुड के सबसे चर्चित परिवारों में शामिल होने के बावजूद श्रद्धा कपूर और शक्ति कपूर ने हमेशा अपने रिश्ते को बेहद सहज और सादगीपूर्ण बनाए रखा है। श्रद्धा अक्सर अपने पिता के प्रोत्साहन और समर्थन की बात करती हैं, वहीं शक्ति कपूर भी अपनी बेटी की उपलब्धियों पर खुलकर गर्व जताते हैं। दोनों का रिश्ता प्यार, सम्मान और सच्ची दोस्ती का खूबसूरत उदाहरण है। 'फादर्स डे' के इस खास अवसर पर बॉलीवुड की ये प्यारी पिता-बेटी की जोड़ियां हमें याद दिलाती हैं कि शोहरत और सफलता से कहीं बढ़कर परिवार का प्यार, पिता का मार्गदर्शन और उनका अटूट साथ ही जीवन की सबसे बड़ी ताकत होता है। यही रिश्ता हर बेटी को आगे बढ़ने का हौसला देता है और हर पिता के लिए उसकी बेटी हमेशा सबसे अनमोल रहती है।

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक नरेश पी. बजाज द्वारा बैरक नंबर 887/27 सेक्शन 18, उल्हासनगर -421 003, जिला ठाणे से प्रकाशित व सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, आमीन इंडस्ट्रियल इस्टेट, सोनवाला क्रॉस रोड -2, जवाहरनगर के पास, फाटक पुल, गोरेगांव, मुंबई -63, (महाराष्ट्र) से मुद्रित।
दूरध्वनि: 0251- 3238100, **कार्यकारी संपादक:** पंजू बजाज (पी. आर. बी. एक्ट के तहत कंटेट चयन के लिए जिम्मेदार) न्याय क्षेत्र ठाणे जिला। **hindmatamirror1@gmail.com** RNI. NO. MAHHIN/2011/43060 **स्थानीय संपादक:** शिवप्रताप